page 1 and 8 July 7_page 1 Mar 25 final ds.qxd 7/7/2026 1:51 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 वीसीए समर कप शतरंज 2026 के विजेता बने सुरिंदर गुप्ता

5 ओसाका ने आर्यना सबालेंका को हराकर पहली बार क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

8 डोडा में विश्व जूनोसिस दिवस पर जागरूकता अभियान आयोजित

मौसम जम्मू — न्यूनतम 23 — अधिकतम 37

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-168 | जम्मू तवी, मंगलवार 07 जुलाई, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार आज आधुनिक भारत को दिशा दे रहे हैं : मोदी

"एक भारत, श्रेष्ठ भारत की अवधारणा डॉ. मुखर्जी की राष्ट्रीय दृष्टि का विस्तार है

नई दिल्ली, 06 जुलाई । भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जिस विचार-बीज को बोया था, वह आज आधुनिक भारत को दिशा देने में बड़ी भूमिका निभा रहा है और भारतीय जनसंघ का वही विचार आज भारतीय जनता पार्टी के रूप में विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति बनकर जनसेवा कर रहा है। मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने अनुच्छेद 370 हटाकर डॉ. मुखर्जी का सपना साकार किया है और उनकी 125वीं जयंती को दो वर्षों तक राष्ट्रीय उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के कारण वह प्रवास पर हैं, लेकिन तकनीक की सहायता से इस ऐतिहासिक आयोजन से जुड़े हैं। उन्होंने डॉ. मुखर्जी को भारत की अखंडता के लिए समर्पित महान देशभक्त और युगदृष्टा बताते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

मोदी ने कहा कि जब राष्ट्र प्रथम की भावना वाली सरकार होती है तो राष्ट्रनायकों को सम्मान भी मिलता है और उनके विजन को आगे बढ़ाने का प्रयास भी किया जाता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार डॉ. मुखर्जी की 125वीं जयंती को दो वर्षों के राष्ट्रीय उत्सव के रूप में मना रही है, जो पिछले वर्ष छह जुलाई से शुरू होकर अगले वर्ष छह जुलाई तक चलेगा। उन्होंने पश्चिम बंगाल सरकार को भव्य आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि हाल में मनाया गया पश्चिम बंग दिवस और यह कार्यक्रम राज्य की विरासत के प्रति सम्मान का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन एक विचार से जनआंदोलन बनने की प्रेरक यात्रा है। उन्होंने ऐसे समय भारतीय जनसंघ की स्थापना की, जब देश में कांग्रेस का राजनीतिक वर्चस्व था और वैकल्पिक विचारधारा के लिए कोई स्थान नहीं दिखाई देता था। उन्होंने कहा कि जनसंघ की स्थापना केवल एक राजनीतिक दल बनाने का निर्णय नहीं, बल्कि लोकतंत्र में वैचारिक विविधता, राष्ट्रीय चिंतन और जनभागीदारी में उनके अटूट विश्वास की अभिव्यक्ति थी। उन्होंने कहा कि लाखों कार्यकर्ताओं के तप, त्याग और समर्पण ने जनसंघ के विचार को जीवित रखा और आज वही विचार भारतीय जनता पार्टी के रूप में विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक राजनीतिक शक्ति बनकर देश की सेवा कर रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में भाजपा की यात्रा का इतिहास लिखते समय डॉ. मुखर्जी के विचारों, साहस और दूरदृष्टि का विशेष उल्लेख किया जाएगा। मोदी ने कहा कि संसद में डॉ. मुखर्जी ने कहा था कि राष्ट्रीय एकता के धरातल पर ही सुनहरे भविष्य की नींव रखी जा सकती है और उन्होंने जीवनभर इसी सिद्धांत का पालन किया। उन्होंने कहा कि 1947 में देश विभाजन के समय पूरे बंगाल को भारत से अलग करने की साजिशों के विरुद्ध डॉ. मुखर्जी चट्टान की तरह खड़े रहे तथा राजनीतिक संघर्ष के माध्यम से यह सुनिश्चित किया कि पश्चिम बंगाल भारत का अभिन्न हिस्सा बना रहे। प्रधानमंत्री ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने 卐एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे卐 का मंत्र दिया था। उन्होंने कहा कि यह केवल नारा नहीं बल्कि समान अधिकार, समान संविधान और समान राष्ट्रीय चेतना का आह्वान था। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने अपने सिद्धांतों के लिए संघर्ष किया, जेल गए और कश्मीर के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने अनुच्छेद 370 की व्यवस्था समाप्त कर उनके सपने को पूरा किया। उन्होंने कहा कि एक भारत, श्रेष्ठ भारत की अवधारणा डॉ. मुखर्जी की राष्ट्रीय दृष्टि का विस्तार है, जिसमें उत्तर-दक्षिण, पूर्व-पश्चिम के बीच कोई भेद नहीं है और पूरा देश एक संविधान, एक राष्ट्रीय भावना और साझा भविष्य के संकल्प से जुड़ा हुआ है।

नितिन नवीन बोले, अनुच्छेद 370 हटाकर डॉ. मुखर्जी का सपना पूरा हुआ

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन दो दिवसीय दौरे पर जम्मू पहुंचे

जम्मू, 06 जुलाई ।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने जम्मू में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाकर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपने को साकार किया है। उन्होंने कहा कि आज जम्मू-कश्मीर के युवा पत्थरबाजी नहीं बल्कि खेलों और अन्य क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने इसका श्रेय प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और युवाओं को मिले अवसरों को दिया। नितिन नवीन दो दिवसीय जम्मू दौरे पर हैं जहां वह डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के साथ युवाओं से संवाद करेंगे और विभिन्न संगठनात्मक बैठकों में भी शामिल होंगे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन सोमवार से जम्मू के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचें। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उनका जम्मू-कश्मीर का यह पहला दौरा है। इस मौके पर डा जतिन्द्र सिंह सहित प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने उनका जोरदार स्वागत किया। दौरे के पहले दिन वह मिश्रीवाला में आयोजित सम्मेलन में शामिल होंगे जो जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती और 卐एक विधान, एक निशान, एक प्रधान卐 के लिए दिए गए बलिदान को समर्पित है। 7 जुलाई को वह जम्मू के डोगरा चौक में पंडित प्रेमनाथ डोगरा को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसके अलावा वह प्रदेश के युवाओं से संवाद करेंगे और विभिन्न संगठनात्मक कार्यक्रमों में भी भाग लेंगे।

सरकार ने विधायकों को जानलेवा बीमारियों के इलाज के लिए सालाना 20 लाख रुपये के सीडीएफ का इस्तेमाल करने की दी अनुमति

श्रीनगर, 06 जुलाई । आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए स्वास्थ्य सेवा सहायता को मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लेते हुए जम्मू-कश्मीर सरकार ने निर्वाचन क्षेत्र विकास निधि (सीडीएफ) योजना के दिशानिर्देशों में संशोधन किया है। इसके तहत विधायकों को अपने सीडीएफ से जानलेवा बीमारियों से पीड़ित मरीजों की चिकित्सा सहायता के लिए प्रतिवर्ष 20 लाख रुपये तक आवंटित करने की अनुमति दी गई है। यह संशोधन वित्त विभाग द्वारा 6 जुलाई, 2026 को जारी सरकारी आदेश संख्या एफडी 2026 के माध्यम से अधिसूचित किया गया है जो 30 अक्टूबर, 2025 के सरकारी आदेश संख्या 279-एफडी 2025 में आंशिक संशोधन करता है। संशोधित दिशानिर्देशों के तहत गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) परिवारों और सरकार द्वारा अधिसूचित अन्य आर्थिक रूप से कमजोर श्रेणियों को सहायता उपलब्ध होगी। वित्तीय सहायता में निर्दिष्ट जानलेवा बीमारियों का उपचार शामिल होगा जिनमें कैंसर, अंग प्रत्यारोपण, डायलिसिस या प्रत्यारोपण की आवश्यकता वाली पुरानी गुर्दा रोग और सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित अन्य बीमारियां शामिल हैं। इस आदेश के अनुसार कैंसर के इलाज के लिए अधिकतम 2.75 लाख रुपये, अंग प्रत्यारोपण के लिए 5 लाख रुपये और डायलिसिस की आवश्यकता वाले गंभीर गुर्दे की बीमारी के लिए 1 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि सहायता केवल उपचार लागत के उस हिस्से के लिए दी जाएगी जो मौजूदा स्वास्थ्य योजनाओं के अंतर्गत कवर नहीं है। विधायक सीडीएफ के तहत सहायता प्राप्त करने से पहले रोगियों को पीएम-जय सेहत, मेडिकल एड ट्रस्ट (मैट), कैंसर ट्रीटमेंट एंड मैनेजमेंट फंड फॉर पुअर (सीटीएमएफएफपी) और अन्य लागू योजनाओं जैसे सरकारी प्रायोजित कार्यक्रमों के तहत उपलब्ध लाभों का उपयोग करना होगा। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए भुगतान लाभार्थियों को नहीं बल्कि सूचीबद्ध अस्पतालों या चिकित्सा संस्थानों को सीधे किया संपर्क जाएगा। प्रत्येक मामले में सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी से प्रमाण पत्र और संबंधित जिला अधिकारियों द्वारा आवेदक की आय पात्रता का सत्यापन आवश्यक है। वित्त विभाग ने धन के दुरुपयोग को रोकने और संशोधित प्रावधानों के कार्यान्वयन में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए एक पारदर्शी अनुमोदन और लेखापरीक्षा तंत्र भी अनिवार्य किया है। इस संशोधन से आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि के उन रोगियों को अतिरिक्त वित्तीय सहायता मिलने की उम्मीद है जिन्हें गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए उच्च लागत का सामना करना पड़ता है, साथ ही यह मौजूदा सरकारी स्वास्थ्य देखभाल योजनाओं का पूरक भी होगा।

विकसित जम्मू-कश्मीर के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण जरूरी, उनकी तरक्की से ही समाज की तरक्की : सिन्हा

श्रीनगर, 06 जुलाई। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को कहा कि समाज की तरक्की के लिए महिलाओं की तरक्की बहुत ज़रूरी है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि विकसित जम्मू-कश्मीर तभी बन सकता है, जब महिलाएं सशक्त हों, आर्थिक रूप से स्वतंत्र हों और लीडरशिप व फ़ैसले लेने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से हिस्सा लें।

श्रीनगर में फ़ेलो (जेंडर इक्विटी एडवोकेट्स) के सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने इस पहल को जम्मू-कश्मीर में महिला सशक्तिकरण के लिए एक 卐ऐतिहासिक और क्रांतिकारी पल卐 बताया। उन्होंने कहा कि कश्मीर क्षेत्र के सामाजिक ताने-बाने को बचाने में महिलाओं ने हमेशा अहम भूमिका निभाई है और यहां महिलाओं की एक समृद्ध विरासत रही है जिन्होंने अपनी समझदारी, आध्यात्मिकता और सामाजिक सुधारों

के ज़रिए समाज को आकार दिया।

उपराज्यपाल ने कहा कि वे ऐसे जम्मू-कश्मीर का सपना देखते हैं, जहां महिलाएं स्कूल, उद्योग, साहित्य, एंटरप्रेन्योरशिप, शासन और सार्वजनिक नीति बनाने जैसे क्षेत्रों में नेतृत्व करें। उन्होंने कहा कि मैं ऐसे जम्मू-कश्मीर की कल्पना करता हूं, जहां हर लड़की यह मानकर बड़ी हो कि उसके सपने कीमती हैं, उसकी आवाज़ मायने रखती है और उसके भविष्य की कोई सीमा नहीं है। उन्होंने भरोसा जताया कि 2029 के बाद महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी काफ़ी ज़्यादा होगी, क्योंकि देश ने चुनावी राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए अनुकूल माहौल बनाया है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में जम्मू-कश्मीर में महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए कई पहल शुरू की गई हैं, जिनमें हौसला, मुमकिन, राइज़ टुगेदर, उम्मीद, डीजीपी सखी, कृषि सखी और अन्य एंटरप्रेन्योरशिप योजनाएं शामिल हैं। शैक्षणिक उपलब्धियों का ज़िक्र करते हुए सिन्हा ने कहा कि लड़कियां लगातार लड़कों से बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं

जम्मू-कश्मीर के डोडा-किश्तवाड़ नेशनल हाइवे पर भूस्खलन

कई गाड़ियां चपेट में आईं, मचैल माता की यात्रा रुकी

डोडा, 06 जुलाई। जम्मू-कश्मीर के डोडा-किश्तवाड़ में तेज बारिश के कारण डोडा के प्रेम नगर में भूस्खलन हुआ है। भूस्खलन की चपेट में कई गाड़ियां आई हैं। प्रशासन ने डोडा-किश्तवाड़ नेशनल हाइवे को बंद करा दिया है। बारिश और भूस्खलन की वजह से मचैल माता की वार्षिक यात्रा भी रुक गई है।

डोडा और किश्तवाड़ जिला प्रशासन ने सलाह जारी की है। लोगों से कहा गया है कि बिना जरूरत यात्रा न करें और बाढ़, नालों और भूस्खलन (लैंडस्लाइड) की आशंका वाली जगहों से दूर रहें। इसके चलते मचैल यात्रा भी बंद कर दी गई है। मचैल यात्रियों से अपील गई है कि वह ट्रैफिक कंट्रोल रूम डोडा या किश्तवाड़ या जम्मू से पूरी जानकारी लेकर ही फैसला करें।

अधिकारियों के अनुसार, सड़क बहाली का काम चल रहा है। प्रशासन ने नागरिकों को सतर्क रहने, अफवाहें न फैलाने या उन पर विश्वास न करने और केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करने की सलाह दी है। मचैल माता दुर्गा मां का स्वरूप हैं। माता का मंदिर किश्तवाड़ जिले की पद्दर घाटी के मचैल गांव में चिनाब नदी की सहायक नदियों के पास स्थित है

बीआरओ फंड घोटाले को लेकर सीबीआई ने जम्मू-कश्मीर व लद्दाख में की छापेमारी

जम्मू, 06 जुलाई । बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइज़ेशन (बीआरओ) में कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए सेंट्रल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने सोमवार को 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 26 जगहों पर एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई लद्दाख में बीआरओ प्रोजेक्ट्स से जुड़े करोड़ों रुपये के फंड के गबन के मामले में की गई। सीबीआई के अनुसार यह छापेमारी जम्मू कश्मीर, लद्दाख, दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, असम, अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड में की गई। यह कार्रवाई रक्षा मंत्रालय की शिकायतों के आधार पर चार एफआईआर दर्ज होने के बाद की गई, जो बीआरओ के टेक्निकल बोर्ड ऑफ़ ऑफिसर्स की आंतरिक जांच के बाद की गई थीं। यह कथित घोटाला लद्दाख में प्रोजेक्ट विजयक और प्रोजेक्ट योजक के तहत कैजुअल लेबरर्स (अस्थायी मज़दूरों) की फर्जी तैनाती और फर्जी मज़दूरों के नाम पर सरकारी पेमेंट जारी करने से जुड़ा है, जिसके कारण सरकारी फंड का कथित तौर पर गबन हुआ। एफआईआर में धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक विश्वासघात, आपराधिक साजिश और सरकारी फंड के गबन के आरोप लगाए गए हैं। इसके अलावा, प्रिवेंशन ऑफ़ करप्शन एक्ट, 1988 के तहत आपराधिक कदाचार और रिश्वतखोरी जैसे अपराधों के आरोप भी शामिल हैं।

राजौरी जिले में एलओसी के पास दिखा संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन, सर्च ऑपरेशन शुरू

जम्मू, 06 जुलाई । जम्मू-कश्मीर के राजौरी ज़िले में लाइन ऑफ़ कंट्रोल के पास एक अग्रिम गांव के ऊपर संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन देखे जाने के बाद सोमवार सुबह एक तलाशी अभियान शुरू किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि रविवार देर रात सुंदरबनी सेक्टर के मींका और बेरीपट्टन जैसे सीमावर्ती गांवों के ऊपर एक ड्रोन जैसी चीज़ देखी गई, जिसमें टिमटिमाती लाइट लगी थी। अधिकारियों के मुताबिक यह संदिग्ध ड्रोन कुछ देर के लिए भारतीय इलाके में आया और फिर एलओसी पार करके वापस पाकिस्तान चला गया।

अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी और सुबह होते ही तलाशी अभियान शुरू किया, ताकि यह पता लगाया जा सके कि ड्रोन ने कोई सामान, जैसे नशीले पदार्थ या हथियार, तो नहीं गिराया है। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन के दौरान कोई संदिग्ध या आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई।

मुंबई में भारी बारिश से गुजरात की रेल सेवा प्रभावित, कई ट्रेनें शॉर्ट टर्मिनेट, तीन ट्रेनों के रूट बदले

सूरत/मुंबई, 06 जुलाई । मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण रेलवे ट्रैक पर जलभराव और भूस्खलन की स्थिति पैदा हो गई है। इसके कारण गुजरात की रेल सेवा प्रभावित हो गई है। रेल प्रशासन ने प्रदेश के सूरत, वलसाड और वापी रेलवे स्टेशनों पर विशेष हेल्प डेस्क शुरू किए हैं। पश्चिम रेलवे और मध्य रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए गुजरात की कई ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया है जबकि कई ट्रेनों को गंतव्य से पहले ही शॉर्ट टर्मिनेट किया गया है। कुछ ट्रेनों के मार्ग भी बदल दिए गए हैं।

पर्यावरण संरक्षण गतिविधि, रियासी ने की आगामी कार्यक्रमों व नए दायित्वों की घोषणा

रियासी, 6 जुलाई। जिला पर्यावरण संरक्षण गतिविधि, रियासी द्वारा रियासी में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक का शुभारम्भ प्रकृति गीत एवं प्रकृति वंदना स्वरूप पौधे को जल से सींचकर किया गया। इस अवसर पर प्रांत सह संयोजक श्री भारत भूषण जी, विभाग संघचालक श्री कुलदीप शर्मा, जिला संघचालक श्री कुलदीप पंडो, प्रांत टोली सदस्य श्री सुधीर मन्हास तथा जिला संयोजक श्री राजकुमार सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विषयों, संगठन की संरचना एवं दायित्वों पर चर्चा की गई। पेड़, प्लास्टिक और पानी—इन तीन प्रमुख उपक्रमों के विस्तार, आगामी कार्यक्रमों तथा नए दायित्वों की घोषणा की गई। बैठक में लगभग 10 महिला

कार्यकर्ताओं की भी सहभागिता रही। सभी कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया तथा राष्ट्रव्यापी अभियान 卐एक पेड़ माँ के नाम卐 के अंतर्गत परिसर में पौधारोपण में भाग लिया। बैठक के उपरांत हरित गृह संपर्क अभियान के अंतर्गत रियासी के गड़ाल क्षेत्र में निवास करने वाली सेवानिवृत्त शिक्षिका एवं राज्य तथा राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित श्रीमती कुसुम वर्मा जी से भेंट की गई।

मुख्यमंत्री ने बिजली क्षेत्र में सुधारों की समीक्षा की, जम्मू-कश्मीर में विश्वसनीय और दक्ष विद्युत आपूर्ति के लिए आधुनिकीकरण में तेजी लाने के दिए निर्देश

श्रीनगर, 6 जुलाई। मुख्यमंत्री ओमर अब्दुल्ला ने सोमवार को बिजली विकास विभाग की व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि उनकी सरकार जम्मू-कश्मीर के बिजली ढांचे को मजबूत बनाने के लिए सतत सुधार, आधुनिकीकरण और बेहतर सेवा वितरण के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में मुख्यमंत्री ने बिजली क्षेत्र के समग्र प्रदर्शन, राजस्व वसूली, रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के क्रियान्वयन, एग्रीगेट टेक्निकल एंड कमर्शियल (एटी एंड सी) नुकसान में कमी, ट्रांसमिशन परियोजनाओं तथा भविष्य के सुधारों की रूपरेखा की समीक्षा की। बैठक में मुख्य सचिव अटल डुल्लू, अतिरिक्त मुख्य सचिव (बिजली विकास विभाग) अश्विनी कुमार, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता,

जम्मू पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक गुरपाल सिंह, केपीडीसीएल के प्रबंध निदेशक महमूद अहमद शाह, मुख्य विद्युत निरीक्षक संजय शर्मा, जेकेटीपीसीएल के वरिष्ठ अधिकारी, वरिष्ठ अभियंता तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। प्रस्तुतीकरण के दौरान बताया गया कि जम्मू-कश्मीर ने आरडीएसएस के तहत बिजली क्षेत्र में सुधारों को लागू करने में उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्तमान में क्षेत्र में 5,700 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। इनमें से लगभग 4,700 करोड़ रुपये की हानि-नियंत्रण संबंधी परियोजनाओं के कार्य आवंटित किए जा चुके हैं। बैठक में बताया गया कि मीटरिंग संबंधी सुधारों से बिलिंग प्रणाली अधिक प्रभावी होगी, बिजली नुकसान में कमी आएगी तथा उपभोक्ताओं को ऊर्जा उपयोग की पारदर्शी जानकारी मिल सकेगी। बैठक में एरियल बंच्ड (एबी) केबल बिछाने, फीडर पृथक्करण, वितरण ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाने, भूमिगत केबलिंग तथा वितरण नेटवर्क को मजबूत करने जैसे व्यापक हानि-नियंत्रण कार्यों की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि कई जिलों में इन कार्यों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है और अनेक परियोजनाएं पूर्णता के करीब हैं। बिजली क्षेत्र की वित्तीय स्थिति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने राजस्व वसूली में हुए सुधार पर संतोष व्यक्त किया। अधिकारियों ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में वार्षिक राजस्व वसूली में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है तथा बिजली खरीद लागत और राजस्व प्राप्ति के बीच का अंतर भी बेहतर बिलिंग और प्रभावी वसूली के कारण कम हुआ है।

पहलगाम आतंकी हमला- एनआईए की पूरक चार्जशीट में पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख हाफिज सईद का नाम शामिल

जम्मू, 6 जुलाई। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को पहलगाम आतंकी हमले के मामले में पाकिस्तान स्थित आतंकी, हाफिज सईद के खिलाफ पूरक चार्जशीट दाखिल की है। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, जम्मू स्थित एनआईए की विशेष अदालत में दायर पूरक चार्जशीट में हाफिज सईद को उसकी व्यक्तिगत हैसियत के साथ-साथ प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और उसके सक्रिय सहयोगी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के प्रमुख के रूप में आरोपी बनाया गया है। चार्जशीट में आरोपी पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 तथा गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 (यूएपीए) की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। एनआईए ने आरोपी के खिलाफ भारत के विरुद्ध युद्ध छेड़ने तथा सीमा पार से आतंकवादी साजिश रचने से संबंधित दंडात्मक धाराएं भी लगाई हैं। यह पूरक चार्जशीट पहले दायर की गई 1,597 पृष्ठों की मूल चार्जशीट का विस्तार है। इसमें पाकिस्तान की साजिश, हाफिज सईद की भूमिका तथा वैज्ञानिक जांच और घटनास्थल पर जुटाए गए साक्ष्यों का विस्तृत विवरण शामिल किया गया है। एनआईए ने बताया कि इससे पहले 15 दिसंबर 2025 को दायर चार्जशीट में पाकिस्तान स्थित आतंकी हैंडलर साजिद जट्ट को आरोपी बनाया गया था। इसके अलावा ऑपरेशन महादेव के दौरान जुलाई 2025 में सुरक्षा बलों द्वारा मारे गए तीन आतंकियों तथा गिरफ्तार किए गए दो अन्य आरोपियों को भी चार्जशीट में शामिल किया गया था। एनआईए ने प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा और उसके सहयोगी संगठन टीआरएफ को भी कानूनी इकाई के रूप में नामजद करते हुए उन पर पहलगाम आतंकी हमले की साजिश रचने, उसे सुविधाजनक बनाने और अंजाम देने का आरोप लगाया था। गौरतलब है कि 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने धर्म के आधार पर चुन-चुनकर लोगों को निशाना बनाया था। इस हमले में 25 निर्दोष पर्यटकों और एक स्थानीय नागरिक की मौत हुई थी। घटना के बाद एफआईआर संख्या 25/2025 जम्मू-कश्मीर पुलिस के पहलगाम थाना में दर्ज की गई थी।

मुख्य सचिव ने जम्मू-कश्मीर में साइबर अपराध रोकथाम उपायों की समीक्षा की, 'डिजिटल अरेस्ट' रोकथाम प्रणाली जल्द शुरू करने के दिए निर्देश

श्रीनगर, 6 जुलाई। जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने सोमवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए जम्मू-कश्मीर में साइबर अपराध रोकथाम व्यवस्था को मजबूत बनाने तथा डिजिटल अरेस्ट रोकथाम प्रणाली को शीघ्र संचालित करने की दिशा में हुई प्रगति की समीक्षा की। बैठक में प्रमुख सचिव गृह, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (सीआईडी), आयुक्त सचिव सूचना प्रौद्योगिकी, आयुक्त सचिव विधि, पुलिस महानिरीक्षक (अपराध), वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (अपराध), पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। श्रीनगर से बाहर तैनात अधिकारियों ने वर्चुअल माध्यम से बैठक में

भाग लिया। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि साइबर अपराध रोकथाम और डिजिटल अरेस्ट प्रणाली के क्रियान्वयन की प्रगति की हर महीने समीक्षा की जाए, ताकि निर्धारित समयसीमा का पालन और विभागों के बीच प्रभावी समन्वय सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि सभी वैधानिक, प्रशासनिक और तकनीकी औपचारिकताएं तय समय में पूरी की जाएं, ताकि यह प्रणाली बिना किसी देरी के पूरी तरह कार्यशील बन सके। मुख्य सचिव ने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि 20 जुलाई तक हर हाल में प्रगति रिपोर्ट प्रगति पोर्टल पर अपलोड की जाए। उन्होंने लंबित प्रस्तावों और आवश्यक दस्तावेजों को निर्धारित समय के भीतर प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए, ताकि आवश्यक सरकारी आदेश जारी कर प्रणाली को सुचारु रूप से लागू किया जा सके।

साभार : अशोक कुमार मुनड़ेतिया

बढ़ती उमस कर न दे पस्त

मौसम अपने साथ उमस भरा माहौल भी लेकर आता है। घुटन और नमी से भरा यह मौसम कई बार असहनीय ही नहीं, हमारे स्वास्थ्य और खासकर त्वचा के लिए खतरनाक साबित होता है। उमस को अपनी सेहत पर हावी होने से कैसे रोके

वातावरण में मौजूद नमी का असर शरीर से निकलने वाले पसीने पर आसानी से देखा जा सकता है। पसीने के बारे में विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्राकृतिक तौर पर शरीर की रक्षा करने का काम करता है। शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले अतिरिक्त अल्कोहल, कोलेस्ट्रॉल और नमक को शरीर से बाहर निकालकर यह शरीर में संतुलन बनाए रखता है और विभिन्न संक्रामक रोगों से हमें बचाता है। गर्मी के मौसम में पसीना भाप बनकर उड़ जाता है और शरीर को ठंडा रखता है। लेकिन उमस वाले मौसम में यह पसीना सूख नहीं पाता है और शरीर को चिपचिपाहट से भर देता है।

उमस का असर

उमस वाले मौसम में वातावरण में बीमारियां फैलाने वाले बैक्टीरिया, वायरस और फंगस सक्रिय हो जाते हैं, जिनसे किसी भी उम्र का व्यक्ति शिकार हो सकता है। इस मौसम में त्वचा संबंधी रोग ज्यादा पनपते हैं। वातावरण की नमी हमारी त्वचा के पोर बंद कर देती है, जिससे त्वचा सांस नहीं ले पाती। त्वचा के भीतर समुचित मात्रा में ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाता और त्वचा बेजान-सी हो जाती है। अगर साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखा जाए तो त्वचा फंगल इंफेक्शन, रैशेज, मुंहासे और फोड़े-फुंसियों की चपेट में आ जाती है। शरीर के ऐसे हिस्से जहां पसीने ज्यादा आते हैं, वहां रैशेज पड़ जाते हैं और खुजली होने लगती है। चेहरे पर मवाद से भरे मुंहासे उभर आते हैं, जिनसे कई बार चेहरे पर निशान भी पड़ जाते है। तापमान में नमी का असर हमारे बालों पर भी पड़ता है। नियमित सफाई के अभाव में बाल चिपचिपे और बेजान हो जाते हैं। डैंड्रफ हो जाते हैं, जिससे बाल ज्यादा गिरने लगते हैं।

इसके अलावा कम पानी पीने और खानपान की गलत आदतों से आप डीहाइड्रेशन की शिकार भी हो सकती हैं। उमस के इस मौसम में पसीना बहुत आता है, जिससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है। उमस वाले मौसम में खाना जल्दी खराब हो जाता है और ऐसा खाना खाने से पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है। नमी भरे मौसम से नींद आना, मांसपेशियों में ऐंठन, चक्कर, उल्टी और सिर दर्द जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है।

सूती और हल्के कपड़े पहनें

इस मौसम में सिंथेटिक, मोटे और टाइट फिटिंग के कपड़ों के बजाय हल्के रंगों वाले पतले और सूती कपड़े पहनें। टाइट फिटिंग और ज्यादा कसीदाकारी वाले कपड़े पहनने से बचें। ऐसा करने से आपको गर्मी और उमस से परेशानी भी कम होगी और ज्यादा पसीना आने के बावजूद आपको कम परेशानी होगी।

खान-पान का रखें ध्यान

खानपान के मामले में एहतियात बरत कर ही आप उमस भरे वातावरण में सेहतमंद रह सकती हैं।

डीहाइड्रेशन से बचने के लिए भरपूर मात्रा में पानी पिएं और उबला पानी पीने की कोशिश करें। पानी में एक चम्मच शहद मिलाकर पीने से विषाक्त पदार्थ आसानी से शरीर से बाहर निकल जाएंगे। मूली के रस में काली मिर्च पाउडर और एक चुटकी सेंधा नमक मिलाकर पीना भी इस मौसम में फायदेमंद है। खाने के मामले में सतर्कता बरतें। घर का बना और कम चिकनाई वाला खाना ही खाएं। खाने में अदरक, अजवायन का प्रयोग करें। तुलसी और अदरक की चाय पिएं। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होगी और उमस से लड़ने में शरीर को मदद मिलेगी।

निजी साफ-सफाई का रखें

नमी भरे वातावरण में होने वाली चिपचिपाहट से बचने के लिए अपनी साफ-सफाई का खास ध्यान रखें। ठंडे पानी से दिन में दो बार नहाएं। साफ-सुथरे कपड़े पहनें। वातावरण में मौजूद बैक्टीरिया, वायरस, फंगस और धूल के कणों पर काबू पाने के लिए एंटीबैक्टीरियल या ग्लिसरीन युक्त साबुन से स्नान करें। बालों में हर दूसरे दिन शैंपू करें ताकि नमी से उन्हें नुकसान न हो। त्वचा को संक्रमण से बचाने के लिए उसे सूखा रखें और एंटी-बैक्टीरियल पाउडर का इस्तेमाल सकती हैं।

आदत बदलें सेहत सुधारें

कभी-कभी छोटी-छोटी बातें फायदेमंद साबित हो जाती हैं। सेहत के मामले में भी ऐसा ही है। भले ही आप जिम नहीं जा पा रहीं या नियमित रूप से व्यायाम नहीं कर पा रही हैं, पर अपनी आदतों में हल्का-सा बदलाव लाकर भी अपनी सेहत को सुधार सकती हैं। सेहतमंद रहने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी क्या है? सही खानपान! हां, लेकिन यह काफी नहीं है। इसके साथ और भी कई चीजें हैं जो स्वस्थ जीवन के लिए जरूरी हैं। खानपान की सही आदतों के साथ उन आदतों पर गौर करना बेहद जरूरी हो जाता है, जिनसे हमारी सेहत जुड़ी हुई है। विभिन्न आहारविदों का मानना है कि हम भले ही स्वास्थ्य के प्रति कितने भी सजग और सचेत हों, लेकिन हम अपनी रोजमर्रा की आदतों में खानपान के साथ-साथ कई ऐसी गलतियां करते हैं जिनका हमारे स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ता है। आइये देखें कि उन्हें कैसे सुधार सकते हैं -

पिज्जा में सॉस ज्यादा, चीज कम

पिज्जा का मजा तो तभी आता है जब उसमें खूब सारी चीज हो। खाने में लजीज लगने वाला चीज हमारे सेहत के लिए ठीक नहीं है, क्योंकि यह पूरी तरह से सैचुरेटेड फैट होता है। खाने में ज्यादा चीज दिल का दौरा, ओवेरियन डिस्ऑर्डर, कैंसर और डायबिटीज जैसी बीमारियों का कारण बन सकता है। इसलिए जब अगली बार पिज्जा ऑर्डर करें तो उसमें चीज की मात्रा कम और टोमैटो सॉस की मात्रा ज्यादा करने को कहें। टमाटर में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो शरीर में किसी भी तरह के ट्यूमर को विकसित होने से रोकते हैं।

खाने के साथ जूस हो

-ई लोग खाने के साथ कोल्ड ड्रिंक या एनर्जी ड्रिंक्स लेते हैं। कोल्ड ड्रिंक और एनर्जी ड्रिंक्स सेहत के लिए ठीक नहीं होते। इनमें कार्बोहाइड्रेट की मात्रा काफी ज्यादा होती है। इनका एक और नुकसान यह भी है कि ये खाने के पौष्टिक तत्वों को शरीर द्वारा अवशोषित करने नहीं देते। खाने के पौष्टिक तत्वों का पूरा लाभ उठाने के लिए कोल्ड ड्रिंक की जगह जूस लें। खासकर संतरे का जूस आयरन के अवशोषण को बढ़ा देता है।

तकिए को जांच लें

सालों साल एक ही तकिया। इन्हें बदलने के बारे में तो हम सोचते भी नहीं। लेकिन क्या आपको पता है कि गलत तकिया गर्दन, कंधों और यहां तक कि पीठ व कमर के दर्द का सबब बन सकता है? इसके अलावा इससे आलस, नींद अधूरी रहने का अहसास, थकान भी हो सकती है। इसलिए एक समय के बाद अपने तकियों को बदल डालें। लेकिन तकिये के बदलने का समय आ गया है यह कैसे पता चलेगा? तकिए को बीच से मोड़ें और फिर उसे छोड़ दें। अगर तकिया खुद दोबारा खुल जाता है तो वह अब भी इस्तेमाल लायक है, पर यदि तकिया खुलता नहीं है, तो उसे बदल डालें।

कुछ चीजों को बदलना जरूरी है

बीमारी से उठने के बाद हम कुछ चीजें करना भूल जाते हैं। मसलन, दांत साफ करने वाले ब्रश को बदलना। अगर बीमारी सर्दी या बुखार से संबंधित है तो ब्रश बदलना और भी जरूरी हो जाता है क्योंकि बीमारी के दौरान इस्तेमाल किए जाने की वजह से वे संक्रमित हो जाते हैं। ऐसे में यदि आप उन्हीं ब्रश और टंग क्लीनर को स्वस्थ होने के बाद भी इस्तेमाल करेंगी तो बीमार होने का खतरा बना रहेगा। ठीक इसी तरह आंखों के साथ भी होता है। यदि आपको आंखों में इंफेक्शन हो जाए और उस दौरान यदि आपने स्टिक काजल इस्तेमाल किया है तो उसे दोबारा इस्तेमाल न करें। सबसे आखिर में लेकिन सबसे ज्यादा जरूरी बात यह कि घर में जितनी खराब हो चुकी या एक्सपायर हो चुकी दवाएं हैं उन्हें फेंक दें।

कंधों पर ज्यादा बोझ ठीक नहीं

कंधों पर ज्यादा बोझ सेहत के लिए ठीक नहीं। अमेरिकी शोधकर्ताओं के एक हालिया रिपोर्ट की मानें तो बैग का भार 1.3 किलोग्राम से ज्यादा नहीं होना चाहिए। इससे ज्यादा भारी बैग आपके शारीरिक ढांचे को यानी पोस्चर को बिगाड़ सकता है।

मधुमेह के रोगियों को नेत्र रोगों का खतरा

मधुमेह से पीड़ित रोगियों के लिए जहां अपने गुर्दों और पैरों की देखभाल बहुत जरूरी होती है, वहीं उन्हें खान-पान संबंधी ढेर सारे परहेज भी करने पड़ते हैं। अब वैज्ञानिकों ने मधुमेह के संबंध में यह तथ्य भी उजागर किया है कि मधुमेह के रोगियों को नेत्र संबंधी रोगों का खतरा भी अपेक्षाकृत अधिक होता है, इसलिए उन्हें अपने गुर्दों के साथ-साथ अपनी आंखों की भी विशेष देखभाल करनी चाहिए।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि मधुमेह से पीड़ित रोगियों में 'डायबिटिक रेटीनोपेथी' नामक बीमारी होने की संभावना बहुत ज्यादा होती है। इस बीमारी में रोगी व्यक्ति को न सिर्फ मोतिया बिंद की शिकायत हो सकती है बल्कि धीरे-धीरे उसकी आंखों की रोशनी भी कम होती जाती है और एक समय ऐसा भी आ सकता है जब उसकी आंखों की रोशनी पूरी तरह से समाप्त हो जाए यानी व्यक्ति नेत्रहीन हो जाए।

मधुमेह के रोगियों को नेत्र संबंधी इस तरह खतरों के मद्देनजर विशेषज्ञ यही सलाह देते हैं कि मधुमेह के रोगियों को समय-समय पर किसी अच्छे नेत्र विशेषज्ञ से अपनी आंखों का चैकअप कराते रहना चाहिए और कभी भी आंखों में किसी भी तरह की समस्या का एहसास हो तो अपने डाक्टर से डिस्कस करके तुरंत उसका इलाज कराना चाहिए।

कई रोगों की एक दवा हैं

कढ़ी पत्ता

कढ़ी पत्ते का प्रयोग हर घर की रसोई में किया जाता है । यें हमारे भोजन को स्वादिष्ट बनाने के साथ-साथ हमारी सेहत को भी तंदरूस्त रखने में मदद करता है। कढ़ी पत्ते का प्रयोग करने से पेट संबंधी रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है। इसमें कैल्शियम, आयरन, फास्फोरस और विटामिन्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है ।यें हमारे मोटापे को कम करने में भी मदद करता है ।कढ़ी पत्ते में इतने औषधीय गुण पाएं जाते है जो हमारे स्वास्थ्य को निरोग रखने में मदद करते है।

- कढ़ी पत्ते का सेवन करने से कई बीमारियों से भी छुटकारा पाया जा सकते है ।मुंह में छाले होने पर और सिरदर्द से भी राहत दिलवाने में मदद करता है।
- कढ़ी पत्ता का सेवन करने से बालों की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। कढ़ी पत्ते के सेवन से बाल जल्दी सफेद नहीं होते ।
- कढ़ी पत्ता का सेवन करने से पेट संबंधी रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है ।भोजन में कढ़ी पत्ते का प्रयोग करने से पाचन क्रिया भी तंदरूस्त रहती है।
- कढ़ी पत्ता मोटोपे से भी निजात दिलवाने में मदद करता है। हर रोज कढ़ी पत्तियों को चबाकर खाने से मोटापा कम हो जाता है।
- कढ़ी पत्ते में नींबू की कुछ बूंदे मिलाकर और उसमें थोड़ी सी चीनी मिलाकर लेने ले उल्टी से राहत मिलती है।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना डायबीटिज के रोगियों के लिए भी फायदेमंद होता है।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना किडनी के रोगियों के लिए भी फायदेमंद होता है ।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना आंखों की रोशनी के लिए लाभकारी होता है।

मुस्कान बन जाएगी आपकी पहचान

आपकी खूबसूरती को बयां करने मे आपके मोती जैसे दांतों की अहम भूमिका होती है। जितनी सुंदर आप हैं, यदि उतनी ही अच्छी आपकी मुस्कान है तो लोगों से रूबरू होने का आपका अंदाज ही निराला होगा। आजकल दांतों की सुंदरता को बरकरार रखना पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा आसान हो गया है। कैसे अपने दांतों की खूबसूरती बढ़ाकर खूबसूरत मुस्कान पाएं।

स्पिलिंट से दे सही आकार - अगर आपके दांत टेढ़े-मेढ़े हैं तो आपकी मुस्कराहट प्रभावशाली नहीं हो सकती। दांतों को सही शेप देने के लिए पहले के दौर में वायरिंग की मदद ली जाती थी। आजकल वायरिंग की जगह ले ली है, अदृश्य रहने वाली स्पिलिंट्स ने। ये प्लास्टिक के वायर ही होते हैं, जो आपके दांतों पर लगाये जाते हैं ताकि आपके दांतों को सही आकार मिले। ये पारदर्शी होते हैं इसलिए अदृश्य रहते हैं और इलाज के दौरान भी आपकी मुस्कराहट उतनी ही मोहक बनी रहती है।

वाइटनिंग कराने से नहीं कोई नुकसान - कोल्ड ड्रिंक, स्मोकिंग, जंक फूड, ड्रिंकिंग ये सब ऐसी आदतें हैं जो आपके दांतों पर पायी जाने वाली सफेद परत को नुकसान पहुंचाकर उसे खराब करती हैं और हमेशा के लिये आपके दांतों की खूबसूरती छीन लेती है। अक्सर हम इस डर से अपने दांतों के पीलेपन का इलाज नहीं कराते क्योंकि हमें लगता है कि इससे हमारे दांतों को नुकसान होगा। लेकिन इस बारे मे मौलाना आजाद इंस्टिटयूट ऑफ डेंटल साइंस के डॉक्टर हिमांशु कहते हैं, 'दांतों की सफाई कराने में कोई नुकसान नहीं है। कम से कम 6 महीने में एक बार तो डेंटिस्ट से चेकअप कराकर सफाई करवानी चाहिए, क्योंकि यह पद्धति पूरी तरह से सुरक्षित होती है। बाजार में मिलने वाले वाइटनिंग टूथपेस्ट से बचना चाहिए क्योंकि उनमें कई हानिकारक केमिकल होते हैं जो आपके दांतों को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। उन्हें प्रयोग में लाने से पहले एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लें।'

फिर से आया दांतों पर गहने जड़ने का फैशन

हजारों साल पहले माया सभ्यता के लोग अपने दांतों पर रत्न इत्यादि जड़वाते थे ताकि आपने दांतों को सुंदर दिखा सकें। आजकल युवाओं में ये फैशन फिर से छाया हुआ है, वजह इसकी प्रक्रिया बहुत आसान है और इसकी देखभाल भी। बस डॉक्टर्स द्वारा दांतों में भरे जाने वाले कम्पोजिट सेरेमिक से किसी भी तरह की ज्वेलरी आपके दांतों पर लगा दी जाती है और आपको बस रोजाना की तरह अपने दांतों की सफाई ही करनी होती है। तो अब आपके दांत भी आपके स्टाइल का स्पेशल हिस्सा हो सकते हैं।

इम्प्लांटेशन और सेरेमिक भी दें खूबसरती

पहले के जमाने में सोना और चांदी को लोग अपने दांतों में भरवाया करते थे, लेकिन तब वह दांतों के बीच अलग-सा दिखाई देता था। आजकल डेंटिस्ट सफेद सेरेमिक बेस के कम्पोजिट्स को दांतों के बीच की दूरी को पाटने के लिये प्रयोग करते हैं, इससे वह हिस्सा आपके दांतों में अलग से नहीं दिखाई देता और आपकी मुस्कराहट पूरी एक साथ और एक जैसी चमक बिखेरती है। इसके अलावा आजकल एक-एक दांत भी अलग से लगवाया जा सकता है और दांतों का पूरा सेट भी इंप्लांट कराया जा सकता है यानी कारण कोई भी हो आपके दांतों की खूबसूरती कभी कम नहीं होगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

इंटर-एनआईटी फैकल्टी एवं स्टाफ क्रिकेट टूर्नामेंट-मेजबान एनआईटी श्रीनगर, जालंधर और हमीरपुर सेमीफाइनल में

जम्मू, 06 जुलाई (हि.स.)। एनआईटी श्रीनगर की मेजबानी में आयोजित अखिल भारतीय इंटर-एनआईटी फैकल्टी एवं स्टाफ क्रिकेट टूर्नामेंट-2026 के तीसरे दिन प्रतियोगिता नॉकआउट चरण में पहुंच गई। क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में मेजबान एनआईटी श्रीनगर, एनआईटी जालंधर और एनआईटी हमीरपुर ने प्रभावशाली जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

एनआईटी श्रीनगर मैदान पर खेले गए क्वार्टर फाइनल में मेजबान टीम ने एनआईटी कुरुक्षेत्र को सात विकेट से हराकर लगातार शानदार प्रदर्शन का सिलसिला जारी रखा। पहले बल्लेबाजी करते हुए एनआईटी कुरुक्षेत्र ने 20 ओवर में सात विकेट खोकर 123 रन बनाए। प्रो. विकास कुमार ने सर्वाधिक 22 रन बनाए जबकि एनआईटी श्रीनगर की ओर से डॉ. शकील वसीम ने 25 रन देकर दो विकेट हासिल किए। डॉ. मोहसिन, डॉ. माजिद हुसैन, मुदस्सिर कादिर और शाहिद हमीद ने भी एक-एक विकेट लेकर विपक्षी टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचने से रोका।

124 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए एनआईटी श्रीनगर ने केवल 14 ओवर में तीन विकेट खोकर 127 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। डॉ. वेद प्रकाश ने नाबाद 50 रन की शानदार पारी खेली जबकि आकिब शेख ने 38 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया। डॉ. पंकज कुमार ने 16 और शाहिद हमीद ने मात्र चार गेंदों पर नाबाद 11 रन बनाकर टीम को आसान जीत दिलाई। डॉ. वेद प्रकाश को उनके शानदार अर्धशतक के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। एनआईटी श्रीनगर के रजिस्ट्रार प्रो. अतिकुर रहमान ने उन्हें स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। गांदरबल फिजिकल कॉलेज में खेले गए रोमांचक क्वार्टर फाइनल में एनआईटी जालंधर ने एनआईटी राउरकेला को आठ रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जालंधर ने 157/6 का स्कोर बनाया। जवाब में राउरकेला के सुब्रत एस ने 82 रन की बेहतरीन पारी खेली लेकिन टीम 149/6 तक ही पहुंच सकी। जालंधर के मनजीत सिंह ने दो विकेट लिए जबकि शानदार बल्लेबाजी के लिए सुब्रत एस को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

एक अन्य क्वार्टर फाइनल में एनआईटी हमीरपुर ने एनआईटी कालीकट को 32 रन से पराजित किया। हमीरपुर की टीम 107 रन पर सिमट गई थी लेकिन इसके बाद उसके गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कालीकट को 75 रन पर ऑलआउट कर दिया। मनीष ने ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए 34 रन बनाने के साथ पांच विकेट भी झटके जबकि सुरेंद्र सोनी ने तीन विकेट लेकर जीत में अहम भूमिका निभाई। इससे पहले लीग चरण के मुकाबलों में भी कई रोमांचक मैच खेले गए। एमएनआईटी जयपुर ने एनआईटी दिल्ली को 99 रन से हराया जबकि मैनिट भोपाल ने एनआईटी रायपुर को 24 रन से पराजित किया। एनआईटी कुरुक्षेत्र ने एनआईटी आंध्र प्रदेश पर 17 रन की जीत दर्ज की जिसमें राहुल शर्मा ने हैट्रिक लेकर शानदार प्रदर्शन किया।

जेकेएएसीएल और विराज कला केंद्र ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर नाटक 'हे युगधर - श्यामा प्रसाद मुखर्जी' का मंचन किया

जम्मू, 06 जुलाई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर कला, संस्कृति एवं भाषा अकादमी (जेकेएएसीएल) ने विराज कला केंद्र के सहयोग से प्रख्यात शिक्षाविद, राजनेता और राष्ट्रवादी नेता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर हिंदी नाटक 'हे युगधर - श्यामा प्रसाद मुखर्जी' का मंचन किया। नाटक के माध्यम से डॉ. मुखर्जी के जीवन, उनके विचारों और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। प्रख्यात रंग निर्देशक रजनीश कुमार गुप्ता द्वारा लिखित एवं निर्देशित इस नाटक की विशेषता इसकी अभिनव प्रस्तुति रही।

कहानी में शोध कर रहे युवा विद्यार्थियों के समूह के माध्यम से डॉ. मुखर्जी के जीवन के विभिन्न महत्वपूर्ण पड़ावों को मंच पर जीवंत किया गया जिससे दर्शकों को उनके व्यक्तित्व और कार्यों को निकटता से समझने का अवसर मिला।नाटक में अमित भल्ला ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की भूमिका प्रभावशाली ढंग से निभाई। उनके साथ मीरा तपस्वी, मुकेश, डॉ. मीतू मीनिया, ऋषभ मनहास, अरुण शर्मा, मन्नत भाऊ, अमनजीत वर्मा, नितेश वर्मा और कृष्या भाटिया ने भी अपने सशक्त अभिनय से प्रस्तुति को यादगार बनाया। संगीत अंकुश कुमार ने तैयार किया जबकि संगीत निर्देशन युवराज गुप्ता ने किया। प्रकाश व्यवस्था पंकज शर्मा, मेकअप पिंटू जी तथा वेशभूषा एवं मंच सामग्री की जिम्मेदारी अमनजीत वर्मा ने संभाली जिसने नाटक की प्रस्तुति को और प्रभावशाली बनाया। कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर कला, संस्कृति एवं भाषा अकादमी की सचिव हरविंदर कौर (जेकेएएस) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने कलाकारों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि अकादमी महान विभूतियों के जीवन पर आधारित नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से युवा पीढ़ी को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत से परिचित कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने नाटक की कलात्मक गुणवत्ता और प्रभावी प्रस्तुति की भी प्रशंसा की।

कार्यक्रम में शहर के गणमान्य नागरिकों, रंगकर्मियों, कला प्रेमियों और बड़ी संख्या में दर्शकों ने भाग लिया। इस अवसर पर निर्देशक रजनीश कुमार गुप्ता ने नाटक के सफल आयोजन के लिए जम्मू-कश्मीर कला, संस्कृति एवं भाषा अकादमी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विराज कला केंद्र भविष्य में भी सामाजिक सरोकारों और प्रेरणादायक विषयों पर आधारित नाट्य प्रस्तुतियां करता रहेगा।

डीजीपी ने लखनपुर बेस कैंप व नेशनल हाईवे पर सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

कठुआ, 06 जुलाई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात आईपीएस ने सोमवार को श्री अमरनाथ जी यात्रा-2026 के मद्देनजर लखनपुर बेस कैंप और जिला कठुआ में राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षा एवं प्रबंधन व्यवस्थाओं का व्यापक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान डीजीपी ने मल्टी-लेयर सुरक्षा ग्रिड, एक्सेस कंट्रोल व्यवस्था, संयुक्त पुलिस कंट्रोल रूम, ट्रैफिक प्रबंधन तथा काफिलों की आवाजाही की व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया। उनका उद्देश्य यात्रा के दौरान सुरक्षा और लॉजिस्टिक्स को पूरी तरह चुस्त-दुरुस्त रखना था।इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कठुआ मोहिता शर्मा आईपीएस ने डीजीपी को सुरक्षा प्रबंधों, ट्रैफिक प्लान तथा यात्रा के सुचारू संचालन के लिए लागू मानक संचालन प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डीजीपी ने सभी सुरक्षा एजेंसियों को उच्चतम स्तर की सतर्कता बनाए रखने और आपसी समन्वय को और मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से राष्ट्रीय राजमार्ग, प्रमुख संपर्क मार्गों और यात्रा मार्गों पर दिन-रात गश्त एवं क्षेत्रीय नियंत्रण को और सघन करने पर जोर दिया। उन्होंने जिला कठुआ में संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने और किसी भी प्रकार की शांति भंग करने की कोशिशों को विफल करने के निर्देश भी दिए। साथ ही सभी फील्ड यूनिट्स को यात्रियों की पहचान का सख्ती से सत्यापन करने और आरएफआईडी आधारित ट्रैकिंग सिस्टम का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के लिए कहा ताकि पंजीकृत यात्रियों की रियल-टाइम निगरानी की जा सके। डीजीपी ने बिना पंजीकरण वाले यात्रियों से संबंधित मामलों को श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड के साथ समन्वय स्थापित कर संवेदनशीलता और नियमों के तहत संभालने के निर्देश दिए।

वीसीए समर कप शतरंज 2026 के विजेता बने सुरिंदर गुप्ता

जम्मू, 06 जुलाई (हि.स.)। वीसीए समर कप शतरंज 2026 का सफल आयोजन अकादमी परिसर में किया गया जिसमें जून-जुलाई समर कप के तहत लगभग 22 खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का आयोजन अंक प्रणाली के आधार पर किया गया जिसके बाद ओपन, महिला और अंडर-10 वर्ग के शीर्ष अंक हासिल करने वाले खिलाड़ियों ने फाइनल चरण में प्रवेश किया। समापन समारोह में समाज कल्याण विभाग की सहायक क्राफ्ट टीचर दीपिका कपूर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विजेता खिलाड़ियों को कुल 3,000 रुपये की नकद पुरस्कार राशि और पदक वितरित कर सम्मानित किया। ओपन वर्ग में सुरिंदर गुप्ता ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में केशव को हराया जबकि आद्विक गुप्ता ने अध्यन को मात देकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबले में सुरिंदर ने आद्विक को हराकर सुपर फाइनल में जगह बनाई जहां उनका मुकाबला शीर्ष अंक हासिल करने वाली अमृता गुप्ता से हुआ। सुपर फाइनल का मुकाबला ड्रॉ रहने के बाद 3+2 टाइम कंट्रोल के टाई-ब्रेक में सुरिंदर गुप्ता ने जीत दर्ज कर वीसीए समर कप शतरंज 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। अमृता गुप्ता उपविजेता रहीं जबकि आद्विक गुप्ता तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में नितिका निषाद ने फाइनल में गुंजन को हराकर सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का खिताब जीता। वहीं अंडर-10 वर्ग में मनुश्री निश्चल ने फाइनल में प्रिंस को पराजित कर सर्वश्रेष्ठ अंडर-10 खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया।

डीआईजी शिव कुमार ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा, सतर्कता बढ़ाने के निर्देश

उधमपुर, 06 जुलाई (हि.स.)। डीआईजी उधमपुर-कटरा-रियासी रेंज शिव कुमार आईपीएस ने एसएसपी उधमपुर अमृतपाल सिंह, एएसपी संदीप भट्ट, डीएसपी मुख्यालय परहलाद, सीआरपीएफ कमांडेंट व ट्रैफिक डीएसपी के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग और उससे जुड़े क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था का विस्तृत जायजा लिया।

उन्होंने सलूरा, टिकरी, फलाटा, गोल मेला जखैनी, समरोली से लेकर चेनानी टनल तक एनएचडब्ल्यू, लिंक सड़कों, ठहराव केंद्रों और लंगर स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात जवानों व अधिकारियों से मुलाकात कर उन्हें अतिरिक्त सतर्कता बरतने, नियमित चेकिंग व गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए।

डीआईजी ने सभी इकाइयों को पीसीआर और जेपीसीआर को अपडेट रखने तथा सेना, सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी और एसओजी के साथ बेहतर समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया। साथ ही असामाजिक व राष्ट्रविरोधी तत्वों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने आम जनता से अपील की कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

नशा मुक्त समाज के लिए महानपुर कॉलेज के छात्रों का संकल्प

कठुआ, 06 जुलाई (हि.स.)। गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज महानपुर में नशा मुक्त भारत अभियान के 100 दिवसीय कार्यक्रम के तहत विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. बिंती शर्मा द्वारा प्राचार्य के मार्गदर्शन में किया गया।

इस अवसर पर छात्रों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें स्वस्थ एवं अनुशासित जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के तहत शपथ ग्रहण, संवाद सत्र और चर्चाओं का आयोजन हुआ जिसमें नशे के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और कानूनी प्रभावों पर विस्तार से जानकारी दी गई। छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नशा मुक्त समाज का संदेश अपने परिवार और समुदाय तक पहुंचाने का संकल्प लिया। शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को सकारात्मक जीवनशैली अपनाने और समाज में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों और स्टाफ ने सामूहिक रूप से नशा मुक्त भारत के निर्माण हेतु संकल्प लिया। इस मौके पर डॉ. रुपाली जसरोटिया, किशोरी लाल, रोमेश लाल, कुलदीप, अनु और अनु राधा उपस्थित रहीं।

पुलिस ने चौकी चौरा में अवैध रूप से ले जाए जा रहे माइनिंग मटीरियल से भरे ट्रक को किया ज़ब्त

जम्मू, 06 जुलाई, (हि.सं.)। अवैध माइनिंग के खिलाफ़ अपनी लगातार कार्रवाई को जारी रखते हुए जम्मू पुलिस ने चौकी चौरा इलाके में माइनिंग मटीरियल की गैर-कानूनी ढुलाई में शामिल एक ट्रक को ज़ब्त किया। चौकी चौरा नाका पर रूटीन चेकिंग के दौरान, पुलिस की एक टीम ने जेके02ए एल -7645 रजिस्ट्रेशन नंबर वाले एक ट्रक को रोका। जांच करने पर पाया गया कि गाड़ी में रेत (माइनिंग मटीरियल) लदा हुआ था और इसे बिना वैध अनुमति और ज़रूरी कागज़ात के ले जाया जा रहा था। इसके बाद गाड़ी को ज़ब्त कर लिया गया और मामले को माइनिंग कानूनों के संबंधित प्रावधानों के तहत आगे की ज़रूरी कार्रवाई के लिए डिस्ट्रिक्ट मिनरल ऑफिसर जम्मू को भेज दिया गया है। जम्मू पुलिस अवैध माइनिंग गतिविधियों के खिलाफ़ सख्त कार्रवाई करने और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा व कानून के शासन को बनाए रखने के लिए कानून को प्रभावी ढंग से लागू करने के प्रति प्रतिबद्ध है।

बिजली कटौती से नाराज सीमावर्ती किसानों का जेपीडीसीएल कार्यालय पर प्रदर्शन, धान की फसल बचाने के लिए नियमित बिजली आपूर्ति की मांग

जम्मू, 06 जुलाई (हि.स.)। सीमावर्ती क्षेत्रों में लंबे समय से जारी बिजली कटौती के विरोध में सोमवार को सैकड़ों किसानों ने जम्मू विश्वविद्यालय के निकट स्थित जम्मू पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। किसानों ने धान की फसल को बचाने के लिए तत्काल नियमित बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग उठाई। प्रदर्शकारियों ने जेपीडीसीएलके प्रबंध निदेशक और वरिष्ठ अधिकारियों पर किसानों की समस्याओं की लगातार अनदेखी करने का आरोप लगाया।

सभा को संबोधित करते हुए कहा कि धान की रोपाई के सबसे महत्वपूर्ण समय में बिजली विभाग निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने में पूरी तरह विफल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीमावर्ती गांवों में प्रतिदिन लगभग 16 घंटे तक बिजली कटौती हो रही है जिससे सिंचाई के लिए लगाए गए पंप नहीं चल पा रहे हैं और धान की पौध सूखने लगी है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी, उमस और कम बारिश के बीच किसान पहले ही कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में बिजली न मिलने से धान की पूरी फसल बर्बाद होने का खतरा पैदा हो गया है जिससे हजारों किसान परिवारों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। इस मौके पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मामले में व्यक्तिगत हस्तक्षेप करने और कृषि कार्यों के लिए नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश देने की मांग की। उन्होंने लंबे समय से जारी बिजली संकट के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की भी मांग की। प्रदर्शन के बाद अधिकारियों ने किसानों को आश्वासन दिया कि सोमवार सुबह 11:30 बजे साई पावर स्टेशन पर मैकेनिकल विंग और पावर डेवलपमेंट विभाग की संयुक्त टीम निरीक्षण करेगी। दोनों विभागों के संबंधित कार्यकारी अभियंता प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति का आकलन कर बिजली आपूर्ति में सुधार के लिए आवश्यक कदम तय करेंगे। वहीं प्रदर्शकारियों ने व्यासपुर गांव में 6.3 केवीए ट्रांसफार्मर की स्थापना में करीब दस महीने की देरी का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने बताया कि प्रदर्शन के बाद मैकेनिकल एक्सईएन सुरिंदर कुमार ने शनिवार तक ट्रांसफार्मर स्थापित कराने का आश्वासन दिया है।

नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत ग्रामीणों ने लिया नशामुक्त समाज का संकल्प

जम्मू, 06 जुलाई (हि.स.)। भारतीय सेना ने सोमवार को पुंछ जिले के लोअर कश्ती गांव में नशा मुक्ति अभियान के तहत एक शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए सामूहिक संकल्प को मजबूत करना था। समारोह में गांव के बड़ी संख्या में पुरुषों, महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान सभी प्रतिभागियों ने नशे से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए शपथ ली। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई तथा स्वस्थ, अनुशासित और जिम्मेदार जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

भारतीय सेना के अधिकारियों ने प्रतिभागियों से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने परिवार, मित्रों तथा समाज के अन्य लोगों को भी इस बुराई से बचने के लिए जागरूक करें। उन्होंने कहा कि युवाओं की सकारात्मक ऊर्जा को सही दिशा में लगाना और उन्हें नशे से दूर रखना समाज के उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक है।

इस अवसर पर भारतीय सेना ने युवाओं के सशक्तिकरण, सामाजिक जागरूकता और सामुदायिक कल्याण के प्रति अपनी निरंतर प्रतिबद्धता को दोहराया। कार्यक्रम को स्थानीय लोगों ने सराहा और सभी ने मिलकर सुरक्षित, स्वस्थ एवं नशामुक्त भविष्य के निर्माण के लिए सहयोग करने का संकल्प व्यक्त किया

हेड कांस्टेबलों का पिपिंग सेरेमनी आयोजित

कठुआ, 06 जुलाई (हि.स.)। जिला पुलिस कार्यालय कठुआ में हाल ही में पदोन्नत हुए दो पुलिस कर्मियों हेड कांस्टेबल जतिंदर सिंह और हेड कांस्टेबल सुखदेव शर्मा के सम्मान में पिपिंग सेरेमनी आयोजित की गई। दोनों को सिलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल से पदोन्नत कर हेड कांस्टेबल बनाया गया है। इस अवसर पर डीएसपी मुख्यालय कठुआ एवं हेड क्लर्क डीपीओ कठुआ ने दोनों अधिकारियों को नए रैंक के बैज लगाकर सम्मानित किया। समारोह में अन्य पुलिस अधिकारी भी उपस्थित रहे और पदोन्नति पर खुशी व्यक्त की। इस मौके पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कठुआ मोहिता शर्मा ने नव पदोन्नत अधिकारियों एवं उनके परिवारों को बधाई देते हुए उन्हें और अधिक उत्साह व समर्पण के साथ कार्य करने की सलाह दी।

Government of India Union Territory of Jammu & Kashmir
Office of The Executive Engineer Jal Shakti (PHE) Division Doda
Fax No. 01996-233504
www.xen.phedoda@jk.gov.in Tel. No. 01996-233479

Corrigendum -I

Sub: - Revision of Timelines for e_NIT No. 04 of 06/2026-27 and endorsement No. JS(PHE)D/D/e_NIT/2026-27/120-145 Dated: 20.06.2026- Extension of Date.

Name of Work:

1.Permanent Restoration of Water supply Schemes of PHE Sub Division Doda West (Improvement and Augmentation of WSS for Lower Areas of Doda Town) Providing and Laying of GI/DI/HDPE Pipe in Gravity Main RD 10000 to 02 Nos. GSRs (Sericulture/Agriculture), Construction of Protection work at different Spots, Steel Rope Crossing at Different spots under SASCI (JKSSR 2022).

01 Date of Issue of Tender Notice	22.06.2026	1600Hrs	Unchanged
02 Date of Publishing	22.06.2026	1600Hrs	Unchanged
03 Period of Downloading of Bidding Documents	22.06.2026	1600Hrs	Unchanged
04 Bid Submission Start Date	22.06.2026	1600Hrs	Unchanged
05 Bid Submission End Date	07.07.2026	1800Hrs	Changed
06 Date & Time of Opening of Bids (Online)	08.07.2026	1400Hrs	Changed

All other terms and conditions shall remain same as already advertised vide this office NIT No. & dated referred above and shall be binding upon the contractor.

No: JS(PHE)D/D/DB/2026-27/416-441 Dated: 04/07/2026

DIP/J-5099/26
Dtd: 6-7-2026

Sd/-
(Er. B.V. Sharma),
Executive Engineer,
Jal Shakti (PHE) Division,
D O D A.

संपादकीय

पाठ्यक्रम की शुद्धता जरूरी

स्कूल शिक्षा विभाग के आठ कर्मचारियों के खिलाफ प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई, उस समय सामने आई जब यह पता चला कि विवादित सामग्री वाली दो पुस्तकें स्कूल पुस्तकालयों में उपलब्ध कराई गई थीं। इससे स्पष्ट हो गया है कि सरकार विद्यार्थियों की सुरक्षा और उनके उचित मार्गदर्शन को लेकर गंभीर है। सरकार की कार्रवाई उचित रही, क्योंकि इन पुस्तकों के लेखकों और प्रकाशकों को भी काली सूची (ब्लैकलिस्ट) में डाल दिया गया है तथा पुस्तकों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

इस पूरे प्रकरण ने एक गंभीर मुद्दे को उजागर किया है। संबंधित अधिकारियों को ऐसी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि स्कूल पुस्तकालयों में केवल आयु के अनुरूप, तथ्यों पर आधारित और शैक्षणिक दृष्टि से उपयुक्त पुस्तकें ही उपलब्ध हों। इस प्रकार की किसी भी चूक का सीधा असर छात्रों के विचारों और व्यक्तित्व पर पड़ सकता है।

यह अत्यंत आवश्यक है कि स्कूलों के पाठ्यक्रम और विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जाने वाली अध्ययन सामग्री किसी भी प्रकार के विवादित, पक्षपातपूर्ण या अपुष्ट तथ्यों से मुक्त हो। यह घटना इस बात की आवश्यकता को रेखांकित करती है कि स्कूलों में किसी भी पुस्तक या अध्ययन सामग्री को स्वीकृति देने से पहले विशेषज्ञों द्वारा बहु-स्तरीय और कड़ी जांच की जाए। सरकार की कार्रवाई यह संदेश देती है कि अध्ययन सामग्री की खरीद और चयन में जवाबदेही अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

इस मामले में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने संबंधित आदेश जारी किए हैं। ऐसे मामलों में शून्य सहिष्णुता (जीरो टॉलरेंस) की नीति अपनाना समय की आवश्यकता है, क्योंकि यह मुद्दा बच्चों के भविष्य से जुड़ा हुआ है और वही आगे चलकर देश के भविष्य के निर्माता बनेंगे।

निस्संदेह, विवादित पुस्तकों को तत्काल वापस लेने और लेखकों को ब्लैकलिस्ट करने से यह संदेश गया है कि सरकार विद्यार्थियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि सरकार ऐसी ठोस सुधारात्मक व्यवस्था विकसित करे जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्रों के लिए उपलब्ध अन्य सभी अध्ययन सामग्री भी इसी प्रकार की कमियों से मुक्त हो। साथ ही, जांच और अनुमोदन की पूरी प्रक्रिया को और अधिक मजबूत बनाने की आवश्यकता है ताकि भविष्य में इस प्रकार की सामग्री शैक्षणिक संस्थानों तक न पहुंच सके और विद्यार्थियों की सोच को गलत दिशा में प्रभावित न कर सके।

इस दिशा में बेहतर होगा कि एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया जाए, जो स्कूलों के लिए अध्ययन सामग्री की खरीद और चयन संबंधी स्पष्ट दिशा-निर्देश तैयार करे। इससे किसी प्रकार की अस्पष्टता या भविष्य में ऐसी चूक की संभावना काफी हद तक समाप्त हो सकेगी। यह मामला व्यापक चर्चा का विषय बन चुका है और समाज के विभिन्न वर्गों ने इस पर आपत्ति जताते हुए उचित कार्रवाई की मांग की है।

अंततः सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययन सामग्री के चयन और अनुमोदन के लिए बहु-स्तरीय जांच व्यवस्था लागू हो, ताकि भविष्य में इस प्रकार के विवाद दोबारा उत्पन्न न हों। जिन पुस्तकों पर प्रतिबंध लगाया गया है, उन पर अलगाववाद को बढ़ावा देने वाली सामग्री होने के आरोप लगे हैं। ऐसे में राष्ट्रीय हितों और विद्यार्थियों के भविष्य की रक्षा के लिए सतर्क, पारदर्शी और मजबूत व्यवस्था स्थापित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की चिरस्थाई विरासत: संस्थाएं, विचार और राष्ट्र निर्माण

लेखक: गजेंद्र सिंह शेखावत

उनका सार्वजनिक जीवन, भारत की सांस्कृतिक विरासत के प्रति गहरी समझ और सम्मान को भी दर्शाता था। महाबोधि सोसाइटी ऑफ़ इंडिया के अध्यक्ष के तौर पर, उन्होंने बौद्ध देशों के साथ भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को मज़बूत करने में अहम भूमिका निभाई। सभ्यतागत कूटनीति के स्थायी महत्व को समझते हुए, बुद्ध के मुख्य शिष्यों—अर्हत सारिपुत्र और अर्हत मौद्गल्यायन—के पवित्र अवशेषों का भारत में स्वागत करने में उन्होंने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। आज भी, मंगोलिया जैसे देशों के साथ इन पवित्र अवशेषों को साझा करने की भारत की कोशिशें यह दिखाती हैं कि किस तरह सांस्कृतिक विरासत अंतरराष्ट्रीय सद्भावना को मज़बूत करती है और ऐतिहासिक संबंधों को और गहरा बनाती है।

इतिहास अक्सर महान नेताओं को उनके राजनीतिक संघर्षों के जरिए याद करता है। लेकिन राजनेताओं के चिरस्मरणीय योगदान राजनीति के दायरे तक ही सीमित नहीं होते। उनकी वास्तविक विरासत उनके द्वारा सृजित संस्थाओं, परिपोषित विचारों और आने वाली पीढ़ियों के लिए छोड़े गए आदर्शों में होती है। राष्ट्र भारत केसरी डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का 125वां जन्म दिवस मना रहा है। इस अवसर पर उनके सार्वजनिक जीवन के एक ऐसे पहलू को स्मरण करना प्रासंगिक होगा जिसकी ओर व्यापक रूप से गौर करने की जरूरत है। यह पहलू है, राष्ट्र निर्माण की बुनियाद के रूप में संस्थाओं का सृजन करने की उनकी आजीवन प्रतिबद्धता।

स्वतंत्र भारत का उदय सिर्फ एक राजनीतिक संघर्ष से नहीं हुआ। उसे विश्वविद्यालय बनाने थे जो नागरिकों को शिक्षित करने में सक्षम हों। ऐसी अनुसंधान संस्थाएं खड़ी करनी थीं जो वैज्ञानिक ज्ञान का प्रसार कर सकें। उसे ऐसे उद्योग तैयार करने थे जो आर्थिक आत्मनिर्भरता पैदा कर सकें। सभ्यता की विरासत की रक्षा करने वाले सांस्कृतिक संगठनों और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती देने वाली लोक संस्थाओं को तैयार करना था। डॉ मुखर्जी ने जल्दी ही समझ लिया था कि राष्ट्र का भविष्य सिर्फ दूरद्रष्टा नेतृत्व पर ही निर्भर नहीं करता। यह उन मजबूत संस्थाओं पर भी निर्भर करता है जो नेताओं और सरकारों से ज्यादा टिकाऊ होंगी।

उनका असाधारण शैक्षिक कॅरियर उनके विश्वास को प्रतिबिंबित करता है। वह कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे कम उम्र के कुलपति बने। उन्होंने वैसे समय में यह कार्यभार संभाला जब उच्चतर शिक्षा भारत के बौद्धिक जागरण का केंद्र बन रही थी। उनके लिए विश्वविद्यालय सिर्फ स्नातक तैयार करने के स्थल नहीं थे। वे वैसे सुविज्ञ नागरिकों को गढ़ने वाले संस्थान थे जो सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदारी के साथ योगदान करने में सक्षम हों। उनकी राय थी कि शिक्षा को राष्ट्र निर्माण के वृहत्तर कार्य से अलग नहीं किया जा सकता।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रगति के प्रति उनका समर्पण विश्वविद्यालयों के परिसर से कहीं आगे बढ़कर था। भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु की कोर्ट और काउंसिल के सदस्य के तौर पर, उन्होंने भारत के प्रमुख वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्रों में से एक को मज़बूत बनाने में योगदान दिया। 1947 में, उन्होंने डिपार्टमेंट ऑफ़ पावर इंजीनियरिंग की आधारशिला रखी क्योंकि वे भली-भांति समझते थे कि स्वतंत्र भारत की आर्थिक प्रगति के लिए इंजीनियरिंग की शिक्षा और प्रौद्योगिकी क्षमता बहुत ज़रूरी होगी। नवाचार को मुख्य नीतिगत लक्ष्य बनाए जाने से बहुत पहले ही, उन्होंने यह समझ लिया था कि वैज्ञानिक उत्कृष्टता और औद्योगिक विकास ही देश की दीर्घकालिक मज़बूती तय करेंगे।

स्वतंत्रता के बाद, जब डॉ. मुखर्जी भारत के पहले उद्योग और आपूर्ति मंत्री बने, तब इस दृष्टिकोण को व्यावहारिक रूप दिया गया। उन शुरुआती सालों में, नए नए आज़ाद देश के सामने एक औद्योगिक आधार तैयार करने की बड़ी चुनौती थी। चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स और सिंदरी फर्टिलाइज़र फैक्ट्री जैसे संस्थान सिर्फ़ मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों के तौर पर नहीं, बल्कि तकनीकी क्षमता और आर्थिक आत्मनिर्भरता हासिल करने के भारत के संकल्प के प्रतीक के तौर पर स्थापित किए गए थे। डॉ. मुखर्जी के लिए, औद्योगीकरण कभी भी अपने आप में कोई अंतिम लक्ष्य नहीं था; यह राष्ट्रीय क्षमता और सामूहिक आत्मविश्वास में किया गया एक निवेश था।

हालाँकि, किसी भी संस्थान के निर्माण के लिए केवल भौतिक अवसंरचना या प्रशासनिक कुशलता की ही ज़रूरत नहीं होती। इसके लिए सहानुभूति, जन-सेवा और नैतिक ज़िम्मेदारी की भावना की भी आवश्यकता होती है। डॉ. मुखर्जी में इन गुणों की झलक 1943 के बंगाल अकाल के दौरान ही साफ़ तौर पर दिखाई दी थी, जब उन्होंने बीसवीं सदी की सबसे बड़ी मानवीय त्रासदी से प्रभावित लोगों के लिए बड़े पैमाने पर राहत कार्य करने में खुद को समर्पित कर दिया था। विभाजन के बाद, उन्होंने विस्थापित लोगों के पुनर्वास के लिए बड़े पैमाने पर काम किया। वे समझते थे कि राष्ट्र के पुनर्निर्माण में संस्थानों को फिर से खड़ा करने के साथ-साथ लोगों के दुख दर्द को कम करना और उस पर मरहम लगाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

उनका सार्वजनिक जीवन, भारत की सांस्कृतिक विरासत के प्रति गहरी समझ और सम्मान को भी दर्शाता था। महाबोधि सोसाइटी ऑफ़ इंडिया के अध्यक्ष के तौर पर, उन्होंने बौद्ध देशों के साथ भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को मज़बूत करने में अहम भूमिका निभाई। सभ्यतागत कूटनीति के स्थायी महत्व को समझते हुए, बुद्ध के मुख्य शिष्यों—अर्हत सारिपुत्र और अर्हत मौद्गल्यायन—के पवित्र अवशेषों का भारत में स्वागत करने में उन्होंने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। आज भी, मंगोलिया जैसे देशों के साथ इन पवित्र अवशेषों को साझा करने की भारत की कोशिशें यह दिखाती हैं कि किस तरह सांस्कृतिक विरासत अंतरराष्ट्रीय सद्भावना को मज़बूत करती है और ऐतिहासिक संबंधों को और गहरा बनाती है।

साहित्य और विद्वता के प्रति भी उनकी चिंता उतनी ही स्पष्ट थी। उनके पत्रों से पता चलता है कि उन्होंने प्रसिद्ध कवि काज़ी नज़रुल इस्लाम की उनके व्यक्तिगत संकट के समय किस तरह मदद की थी। ऐसी घटनाएँ हमें याद दिलाती हैं कि सार्वजनिक नेतृत्व को केवल बड़े नीतिगत फैसलों से ही नहीं, बल्कि उदारता के उन शांत और मौन कार्यों से भी आंका जाता है, जिन पर शायद ही कभी लोगों का ध्यान जाता है।

डॉ. मुखर्जी ने संस्थागत निर्माण के इसी दृष्टिकोण को संविधान सभा में भी आगे बढ़ाया। संविधान के निर्माण को एक बड़ी जिम्मेदारी और एक गंभीर और पवित्र विश्वास के रूप में वर्णित करते हुए, उन्होंने संवैधानिक शासन के साथ जुड़ी नैतिक ज़िम्मेदारियों पर ज़ोर दिया। उनके वे शब्द आज भी बेहद प्रासंगिक हैं। संविधान की ताकत अंततः न केवल उसके लिखित प्रावधानों पर, बल्कि संसद की शुचिता, सार्वजनिक संस्थानों की स्वतंत्रता, कानून के शासन और नागरिकों की जिम्मेदारी पर भी निर्भर करती है। संवैधानिक लोकतंत्र तभी फलता-फूलता है जब संस्थाओं पर जनता का भरोसा हो और वे ईमानदारी से काम करें।

जैसे-जैसे भारत एक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर अग्रसर हो रहा है, डॉ. मुखर्जी की सोच हमें एक ज़रूरी बात याद दिलाती है। सिर्फ़ आर्थिक विकास से ही देश की तरक्की तय नहीं होती। संवहनीय विकास के लिए शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार, सांस्कृतिक संरक्षण और लोगों का भरोसा जगाने वाले संस्थानों में लगातार निवेश की ज़रूरत होती है।

सड़कें, हवाई अड्डे और कारखाने बेहद जरूरी हैं, लेकिन उतने ही जरूरी वे विश्वविद्यालय भी हैं जो जिज्ञासा को प्रोत्साहित करते हैं, वे प्रयोगशालाएँ जो ज्ञान का विस्तार करती हैं, वे संग्रहालय जो विरासत को संजोते हैं और वे सार्वजनिक संस्थान जो संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करते हैं, वे भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

संस्थाओं में एक अद्भुत गुण होता है- वे सरकारों, राजनीतिक आंदोलनों और यहाँ तक कि कई पीढ़ियों से भी ज़्यादा समय तक बनी रहती हैं। वे संचित ज्ञान को संजोकर रखती हैं, बदलाव के बीच निरंतरता बनाए रखती हैं और समाज को दीर्घकालिक राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम बनाती हैं। नेता इतिहास को आकार दे सकते हैं, लेकिन संस्थाएं सभ्यता को जीवित रखती हैं।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सार्वजनिक जीवन का सबसे अहम सबक यही है। उनकी विरासत केवल उन पदों तक सीमित नहीं है जो उन्होंने संभाले या उन बहसों में भी नहीं है जिनमें उन्होंने हिस्सा लिया, बल्कि यह उनके उस अटूट विश्वास में निहित है कि मजबूत संस्थान ही किसी राष्ट्र की आकांक्षाओं के सच्चे संरक्षक होते हैं। जैसे-जैसे भारत अपनी विकास यात्रा पर आगे बढ़ रहा है, ज्ञान, वैज्ञानिक चेतना, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देने वाले संस्थानों को मजबूत करना ही उनके प्रति सबसे सार्थक श्रद्धांजलि होगी।

(लेखक केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रीहैं।)

अब दिल्ली के लिए पूर्ण राज्य का दर्जा या नई शासन प्रणाली जरूरी

मनोज कुमार मिश्र

दिल्ली की जनगणना के आरंभिक जानकारी के मुताबिक दिल्ली की आबादी दो करोड़ तीस लाख से ज्यादा हो गई है। माना जा रहा है कि यह आंकड़ा ढाई करोड़ तक पहुंच सकता है। इसके अलावा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र एनसीआर की आबादी इतनी ही और होगी, जिसे दिल्ली की ही विस्तारित आबादी माना जाता है। तमाम प्रयास के बावजूद एनसीआर प्लानिंग बोर्ड दिल्ली पर से आबादी का बोझ घटा नहीं पाया। इसके ठीक उलट एनसीआर की आबादी भी रोजगार, व्यवसाय से ले लेकर उपचार आदि हर काम के लिए दिल्ली पर ही निर्भर है। अभी संयोग से दिल्ली नगर निगम, दिल्ली सरकार से लेकर केन्द्र में भी भाजपा की अगुवाई वाली सरकार है। बावजूद इसके दिल्ली में किसी सरकार के पास पूरे अधिकार नहीं हैं। देश की राजधानी होने के बावजूद दिल्ली आज भी बहुशासन प्रणाली की दंश झेल रही है।

जिस भाजपा के अभियान ने दिल्ली को वापस विधानसभा दिलवाई और नई व्यवस्था के तहत 1993 में हुए पहले विधानसभा चुनाव में जीत कर सरकार बनाई, उसी भाजपा के 2025 के विधानसभा चुनाव के संकल्प पत्र में पहली बार दिल्ली को पूरा पूर्ण राज्य बनाने के सवाल पर चुप्पी दिखी। 1483 वर्ग किलोमीटर की दिल्ली में आबादी समाने की एक सीमा है। वह भी तब जब दिल्ली की चुनी हुई सरकार के पास काम करने के पूरे अधिकार न हों। जो अधिकार दिल्ली के उप राज्यपाल के पास हैं कायदे में वही अधिकार दिल्ली सरकार के पास होने चाहिए। इसके अलावा पूरे एनसीआर के लिए नई शासन व्यवस्था पर भी प्राथमिकता से बात होनी चाहिए।

दिल्ली की बहुशासन प्रणाली की परेशानियों को समझने का इससे बढ़िया उदाहरण नहीं हो सकता है। सालों से दिल्ली में रह रहे एक अध्यापक ने सवाल किया कि दिल्ली के एक जनप्रतिनिधि के बारे में बताएं, जो मेरी कालोनी की हर समस्याओं का समाधान करा पाए। वैसे यह सांसद, विधायक या निगम पार्षद में से किसी के लिए यह संभव है, अगर वैधानिक तरीके से कहा जाए तो यह किसी के लिए संभव नहीं है। केन्द्र सरकार के नियंत्रण वाला दिल्ली विकास प्राधिकरण वैधानिक कालोनी बनाकर उसे एक निश्चित समय के बाद दिल्ली नगर निगम को सौंप देता है। निगम कालोनी की सड़कें ठीक करने, साफ-सफाई आदि का काम तो करा सकती है लेकिन बिजली और पानी दिल्ली सरकार के अधीन है। यह काम दिल्ली सरकार करेगी। मुख्य सड़कें लोक निर्माण विभाग यानी दिल्ली सरकार के अधीन ही है।

कानून-व्यवस्था यानी दिल्ली पुलिस, केन्द्र सरकार के अधीन है। देश की राजधानी दिल्ली का वीआईपी इलाका यानी नई दिल्ली नगर पालिका परिषद और दिल्ली छावनी इलाका सीधे केन्द्र सरकार के अधीन है। इनके अलावा भी अनेक संस्थाएं स्वशासी हैं और उन पर दिल्ली की किसी सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं है। बावजूद इसके अलग-अलग समय में इन संस्थाओं में निर्वाचित प्रतिनिधियों की भागीदारी कराने के लिए जन प्रतिनिधियों को शामिल किए जाने का प्रावधान किया गया है। इन पर नियंत्रण केन्द्र सरकार से नियुक्त नौकरशाहों का ही है।

तकनीकी तौर पर दिल्ली केन्द्र शासित प्रदेश होने के चलते केन्द्र सरकार के प्रतिनिधि के नाते उप राज्यपाल का पद बनाया गया है। बहुशासन प्रणाली में अकसर अधिकारों के लिए टकराव होते रहने पर कुछ साल पहले दोबारा दिल्ली के उप राज्यपाल बने तेजेन्द्र खन्ना ने सालाना प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिल्ली के मुख्य सचिव, डीडीए उपाध्यक्ष, एनडीएमसी अध्यक्ष, नगर निगम आयुक्त, पुलिस आयुक्त की मौजूदगी को बताते हुए कहा कि दिल्ली में कहां है बहुशासन प्रणाली, सभी तो उनके सामने मौजूद हैं। वास्तविकता यही है कि दिल्ली में आजादी के बाद शासन व्यवस्था पर अब तक प्रयोग ही चल रहा है।

आजादी के बाद पूरी तरह से केन्द्र सरकार के अधीन आयुक्त प्रणाली लागू किया गया। 1952 में कम अधिकारों वाली विधानसभा बनी। उसे 1955 में राज्य पुनर्गठन आयोग ने अनुपयोगी मानकर भंग करने की सिफारिश की। दिल्ली का विकास होने के साथ दिल्ली की प्रशासनिक व्यवस्था बदलती गई। 1957 में दिल्ली नगर निगम बना और निगम के पास ही दिल्ली से जुड़े सर्वाधिक विभाग थे।1966 में महानगर परिषद बनी, उससे निगम के अधिकार कुछ कम हुए।1989 में महानगर परिषद को भंग करके सरकारिया आयोग और बालाकृष्ण कमेटी की सिफारिशों के अनुरूप 1991 में 69 वें संविधान संशोधन के माध्यम से दिल्ली को सीमित अधिकारों वाली विधानसभा मिली। 1993 में विधानसभा का चुनाव हुए। संविधान तैयार करने वाले नेताओं ने यह तय कर दिया था कि दिल्ली केन्द्र शासित प्रदेश ही रहेगी। विधानसभा बन जाने के बावजूद दिल्ली केन्द्र शासित प्रदेश है। इसके चलते राष्ट्रपति इसके शासक हैं और वे अपने प्रतिनिधि उप राज्यपाल के माध्यम से दिल्ली का शासन चलाते केन्द्र सरकार उप राज्यपाल 2021 में संसद में संशोधन करके उप राज्यपाल के अधिकार बढ़ा दिए। वर्ष 1911 में दिल्ली देश की राजधानी बनी। 1915 में यमुनापार के 65 गांव दिल्ली की सीमा में शामिल किए गए। तब से दिल्ली 1483 वर्ग किलोमीटर की बनी हुई है, जबकि आबादी काफी बढ़ गई है। पिछले 17 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली-एनसीआर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना को करोड़ों रुपयों की लागत से बनी दो बड़ी सड़कों की सौगात दी और कहा कि आने वाले दिनों में दिल्ली को विकास मॉडल बनाएंगे। इससे पहले भी दिल्ली पर यातायात का दबाव घटाने के लिए मोदी सरकार ने ईस्टर्न पेरिफेरियल एक्सप्रेस-वे, वेस्टर्न पेरिफेरियल एक्सप्रेस-वे, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे और दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे बनवाया।

गैर-शैक्षणिक दायित्वों के बोझ तले शिक्षा व्यवस्था

प्रो. एस.के. सिंह

किसी भी राष्ट्र की प्रगति और विकास का सबसे महत्वपूर्ण पैमाना उसकी शिक्षा व्यवस्था होती है। शिक्षा न केवल मनुष्यों के निर्माण का आधार है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक उन्नति का प्रतिबिंब भी होती है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि शिक्षा राष्ट्र की आत्मा होती है। भारत की शिक्षा परंपरा सदियों तक विश्व के लिए प्रेरणा का स्रोत रही है।

तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला और वल्लभी जैसे प्राचीन भारतीय शिक्षा केंद्र केवल ज्ञान के ही नहीं, बल्कि वैश्विक बौद्धिक विमर्श के भी प्रमुख केंद्र थे, जहाँ दुनिया के विभिन्न देशों से विद्यार्थी अध्ययन के लिए आते थे, क्योंकि भारतीय शिक्षा व्यवस्था ने हमेशा ज्ञान, नैतिकता, चरित्र-निर्माण तथा मानव एवं विश्व-कल्याण के आदर्शों को प्रतिष्ठित किया है, लेकिन मध्यकाल और विशेषकर औपनिवेशिक काल में भारतीय शिक्षा व्यवस्था को जानबूझकर गंभीर आघात पहुंचाया गया।

भारतीय ज्ञान-परंपरा को हानि पहुँचाने के लिए अनेक पारंपरिक शिक्षण संस्थानों को नष्ट किया गया। औपनिवेशिक शासन ने ऐसी शिक्षा व्यवस्था विकसित की, जिसमें भारतीय भाषाओं एवं भारतीय ज्ञान-संपदा को कमतर आँकते हुए अंग्रेज़ी-केंद्रित शिक्षा व्यवस्था को बढ़ावा दिया गया। औपनिवेशिक काल में भारतीय ज्ञान-परंपरा, गुरुकुल व्यवस्था तथा स्वदेशी शिक्षण संस्थानों को जिस सुनियोजित तरीके से कमजोर किया गया, वैसा उदाहरण भारतीय इतिहास के अनेक पूर्ववर्ती कालखंडों में दिखाई नहीं देता।

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात शिक्षा के विस्तार के लिए विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों की संख्या तो बढ़ी, विभिन्न आयोग भी गठित किए गए, लेकिन शिक्षा के भारतीयकरण, मातृभाषा में शिक्षण एवं भारतीय ज्ञान-परंपरा के पुनर्स्थापन जैसे विषयों पर ठोस और व्यापक परिवर्तन लंबे समय तक दिखाई नहीं दिया। तत्कालीन सरकारें शिक्षा व्यवस्था में अपेक्षित बुनियादी परिवर्तन करने का साहस ही नहीं जुटा सकीं। परिणामस्वरूप, शिक्षा व्यवस्था काफी हद तक उसी ढाँचे में चलती रही, जिसकी नींव औपनिवेशिक काल में रखी गई थी।

ऐसे परिदृश्य में स्वतंत्रता के लगभग 73 वर्ष बाद, 2020 में एनईपी 2020 के माध्यम से देश को एक बेहद लचीली, समावेशी, बहुलतावादी, प्रगतिशील, छात्र-केंद्रित एवं भारतीयता से ओत-प्रोत शिक्षा नीति मिली, जिसमें भारतीय ज्ञान-परंपरा और मातृभाषा को केंद्र में रखते हुए छात्रों के सर्वांगीण विकास तथा उन्हें जीवन के लिए तैयार करने पर जोर दिया गया है।

शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि स्वतंत्रता के बाद पहली बार किसी नीति में शिक्षा को उसकी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने की ठोस पहल की गई है। इसलिए इसे सही मायनों में स्वतंत्र भारत की पहली भारतीय शिक्षा नीति कहा जा सकता है। लेकिन शिक्षकों पर प्रशासनिक एवं गैर-शैक्षणिक कार्यों का बढ़ता बोझ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन तथा उसके अपेक्षित परिणामों की प्राप्ति में सबसे बड़ी बाधा नजर आ रहा है।

महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि सांदीपनि और आचार्य चाणक्य जैसे शिक्षकों की परंपरा इसलिए महान नहीं बनी कि वे प्रशासनिक औपचारिकताओं में दक्ष थे, बल्कि इसलिए बनी कि वे अपने शिष्यों के व्यक्तित्व-निर्माण में पूर्णतः समर्पित थे। उनके आश्रमों में शिक्षा का केंद्र-बिंदु गुरु और शिष्य का जीवंत संवाद था, लेकिन वर्तमान समय में शिक्षकों की गैर-शैक्षणिक कार्यों में बढ़ती व्यस्तता के कारण यह संवाद निरंतर कम होता जा रहा है, जिससे शिक्षण एवं शोध की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का खतरा मंडराने लगा है।

निरंतर रिपोर्टिंग, पोर्टल प्रबंधन, डेटा अपलोडिंग, निर्वाचन एवं जनगणना संबंधी कार्य, विभिन्न सरकारी सर्वेक्षण, छात्रवृत्ति योजनाओं का संचालन, आधार लिंकिंग, मध्यान्ह भोजन योजना का प्रबंधन, बार-बार माँगी जाने वाली सूचनाओं का संकलन, संस्थान स्तर पर विभिन्न समितियों का गठन एवं संचालन, विशिष्ट व्यक्तियों के कार्यक्रमों में व्यस्तता तथा अनेक गैर-शैक्षणिक दायित्वों के कारण शिक्षकों को अपने मूल दायित्व शिक्षण, अध्ययन एवं शोध के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा है।

शिक्षक का कार्य केवल कक्षा में पढ़ाने तक सीमित नहीं होता; उसके अध्यापन की गुणवत्ता उसके सतत अध्ययन, चिंतन, मनन और आत्मविकास पर निर्भर करती है। इसलिए शिक्षक चौबीसों घंटे अपने दायित्वों का निर्वहन करता है। जो लोग यह मानते हैं कि शिक्षण कार्य समाप्त होते ही शिक्षक अपने दायित्वों से मुक्त होकर पूर्णतः स्वतंत्र हो जाता है, वे शिक्षक के वास्तविक उत्तरदायित्व, उसकी भूमिका की प्रकृति तथा शिक्षा की निरंतर चलने वाली प्रक्रिया को भली-भाँति नहीं समझते और इसी भ्रांति के कारण शिक्षक पर गैर-शैक्षणिक दायित्वों का अनावश्यक बोझ लादने का समर्थन करते हैं।

मानव सभ्यता के इतिहास में ऐसी अनेक नीतियां एवं योजनाएं रही हैं, जिनकी मूल भावना अत्यंत श्रेष्ठ एवं पवित्र रही है, लेकिन उनकी सफलता और अपेक्षित परिणाम काफी हद तक उनके क्रियान्वयन पर निर्भर रहे हैं। देश में 2016 में लागू की गई नोटबंदी इसका उल्लेखनीय उदाहरण है। नोटबंदी का निर्णय मूलतः काले धन, नकली मुद्रा तथा अवैध आर्थिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से उठाया गया एक दूरदर्शी और साहसिक कदम था।

नोटबंदी के पीछे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा को लेकर न तब कोई संदेह था और न आज है, लेकिन क्रियान्वयन के दौरान उत्पन्न हुई कुछ व्यावहारिक चुनौतियों एवं कठिनाइयों के कारण नोटबंदी से वे अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं हो सके, जिनकी आशा की गई थी। नोटबंदी सरकार का ऐसा निर्णय था, जिसने वैश्विक स्तर पर यह धारणा स्थापित की कि भारत में ऐसा नेतृत्व उभर चुका है, जो केवल लोकप्रिय निर्णयों तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्रहित में आवश्यक होने पर कठोर, अप्रिय और चुनौतीपूर्ण निर्णय लेने से भी नहीं हिचकेगा। नोटबंदी की सराहना नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री रिचर्ड थेलर ने भी की थी।

इसी प्रकार यदि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं होते हैं, तो इसका कारण नीति में कोई कमी होना नहीं, बल्कि क्रियान्वयन की सबसे मजबूत कड़ी शिक्षक का उसके मूल कार्य से विमुख होना होगा। जिस प्रकार एक बेहतर एवं दूरगामी आर्थिक निर्णय, नोटबंदी, के क्रियान्वयन में त्रुटियाँ उसके प्रभाव को सीमित कर सकती हैं, उसी प्रकार एक उत्कृष्ट शिक्षा नीति भी तब तक अपने मूल उद्देश्यों को पूर्णतः प्राप्त नहीं कर सकती, जब तक शिक्षकों को अनावश्यक गैर-शैक्षणिक दायित्वों के बोझ से मुक्त न किया जाए।

अब तो ऐसा प्रतीत होने लगा है कि शिक्षा व्यवस्था में भी नौकरशाही की प्रवृत्तियां प्रवेश कर गई हैं, जहाँ शिक्षण की वास्तविक गुणवत्ता और परिणामों की अपेक्षा प्रक्रियाओं, अभिलेखीकरण तथा औपचारिकताओं को अधिक महत्व दिया जाने लगा है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि शिक्षकों पर लादे गए प्रशासनिक दायित्व तथा अधिकांश गैर-शैक्षणिक कार्य छात्रों के कल्याण और शिक्षा व्यवस्था के सुचारु संचालन से जुड़े होते हैं। इसलिए इन कार्यों के निष्पादन हेतु पृथक रूप से प्रशिक्षित कर्मियों की नियुक्ति की जानी चाहिए, जिससे शिक्षक अपना अधिकतम समय शोध एवं शिक्षण में दे सकें।

आजकल लगभग प्रत्येक गतिविधि के लिए फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी को अनिवार्य कर दिया गया है। अधिकांश कार्यक्रमों के प्रमाण के रूप में फोटो और वीडियो भेजने की बाध्यता ने शिक्षा व्यवस्था को एक प्रकार की औपचारिकता एवं दस्तावेजीकरण की प्रक्रिया में उलझा दिया है। परिणामस्वरूप, कार्य की वास्तविक गुणवत्ता और उसके शैक्षिक प्रभाव की अपेक्षा उसके प्रमाण प्रस्तुत करने पर अधिक ध्यान दिया जाने लगा है। कई बार ऑनलाइन कार्यक्रमों के लिए छात्रों को एक स्थान पर एकत्रित करने के निर्देश उनके नियमित अध्ययन में अनावश्यक व्यवधान उत्पन्न करते हैं।

यदि कोई कार्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया जा रहा है, तो छात्रों को उनकी सुविधा और उपलब्धता के अनुसार उसे देखने की स्वतंत्रता दी जा सकती है। इससे न केवल उनकी पढ़ाई प्रभावित होने से बचेगी, बल्कि ऑनलाइन माध्यम की वास्तविक उपयोगिता भी सुनिश्चित होगी। एनईपी 2020 के अनुच्छेद 5.12 में स्पष्ट उल्लेख है कि शिक्षकों का अधिकांश समय गैर-शैक्षणिक गतिविधियों में व्यतीत होने से रोकने के लिए उन्हें ऐसे कार्य करने की अनुमति नहीं दी जाएगी, जो शिक्षा से प्रत्यक्ष रूप से संबंधित न हों, लेकिन विडंबना यह है कि जिस देश ने शिक्षक को राष्ट्र-निर्माण का आधार माना, वहाँ आज शिक्षक अनेक प्रशासनिक और गैर-शैक्षणिक दायित्वों में उलझा हुआ है।

भारत की प्राचीन गुरुकुल परंपरा से लेकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तक इस बात पर सभी सहमत हैं कि शिक्षा में वास्तविक और बुनियादी बदलाव केवल शिक्षकों के माध्यम से

वेस्टइंडीज और इंग्लैंड दौरे के लिए पाकिस्तान टीम का ऐलान, बाबर आजम होंगे कप्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए टीम का ऐलान करते हुए वरिष्ठ बल्लेबाज बाबर आजम को फिर से टेस्ट टीम की कप्तानी सौंप दी है। इस भूमिका में शान मसूद की जगह लेंगे। छुट्टियांव मौसमी आयोजन पाकिस्तान 25 जुलाई से 6 अगस्त तक वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगा और उसके बाद 19 अगस्त से 13 सितंबर के बीच इंग्लैंड में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगा। टीम में चार अनकैप्ड खिलाड़ी शामिल हैं, जिनमें बाएं हाथ के स्पिनर अली उस्मान, बल्लेबाज मुहम्मद अवैस जफर, तेज गेंदबाज उबैद शाह और विकेट-कीपर बल्लेबाज मुहम्मद गाजी घोरी के नाम हैं। सऊद शकील को इंग्लैंड दौरे की टीम में जगह मिली है, लेकिन उनका चयन फिटनेस पर निर्भर रहेगा।

वेस्टइंडीज के लिए पाकिस्तान टीमः बाबर आजम (कप्तान), आमिर जमाल, अब्दुल्ला फजल, अली उस्मान, अजान अवैस, इमाम उल हक, खुर्रम शहजाद, मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद अली, मोहम्मद रिजवान, मोहम्मद अवैस जफर, मुहम्मद गाजी घोरी, साजिद खान, सलमान अली आगा, शान मसूद, उबैद शाह।

महिला टी-20 वर्ल्ड कप : जय शाह ने ऑस्ट्रेलिया को दी ऐतिहासिक खिताबी जीत की बधाई, उपविजेता इंग्लैंड के जज्बे को भी सराहा

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन जय शाह ने महिला टी-20 विश्व कप का खिताब अपने नाम करने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम को इस ऐतिहासिक सफलता पर बधाई दी है। इसके साथ ही उन्होंने उपविजेता रही इंग्लैंड की टीम के खेल और उनके जज्बे की भी जमकर सराहना की। ऑस्ट्रेलिया की खिताबी जीत के बाद आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक विशेष संदेश साझा किया। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान सोफी मोलिनक्स को ट्रॉफी सौंपने के बाद उन्होंने लिखा, 'ऑस्ट्रेलिया महिला राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को लगातार शानदार प्रदर्शन करते हुए सातवीं बार आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप का खिताब जीतने पर हार्दिक बधाई।' उपविजेता टीम का हौसला बढ़ाते हुए शाह ने आगे लिखा, 'इंग्लैंड महिला राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को भी बहुत-बहुत बधाई। टीम उपविजेता जरूर रही, लेकिन खेल भावना और जज्बे के मामले में वह भी किसी चैंपियन से कम नहीं रही। ' जय शाह ने इस टूर्नामेंट के बढ़ते स्तर और लोकप्रियता पर जोर देते हुए कहा कि अब इस खेल को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने लिखा, 'इस टूर्नामेंट ने एक बार फिर साबित कर दिया कि महिला क्रिकेट को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। शुरुआत से लेकर आखिर तक खिलाड़ियों ने दमदार खेल, जुनून और बेहतरीन कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। दोनों टीमों और इस विश्व कप को यादगार बनाने वाले सभी लोगों का धन्यवाद। महिला क्रिकेट इस समय अपने स्वर्णिम दौर से गुजर रही है। '

'मैं हमेशा बेस्ट देने की कोशिश करूंगा', भारत के लिए डेब्यू करने पर बोले वैभव सूर्यवंशी

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी ने शनिवार को इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में भारत के लिए डेब्यू करते हुए इतिहास रचा। वह टीम इंडिया की ओर से इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने। वैभव ने 15 साल और 99 दिन की उम्र में डेब्यू किया। वैभव ने इंटरनेशनल डेब्यू करने के बाद फैंस, टीम के साथियों और सीनियर खिलाड़ियों का धन्यवाद किया है। मैच के बाद अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' की स्टोरी पर भारत की जर्सी में अपनी एक तस्वीर शेयर करते हुए 15 वर्षीय बल्लेबाज ने कहा कि नेशनल टीम का प्रतिनिधित्व करना गर्व की बात है और जब भी जरूरत होगी, वह अपना बेस्ट देते रहेंगे। उन्होंने लिखा, 'सभी मैसेज से बहुत खुश हूं। मेरे सभी शुभचिंतकों और सीनियर्स को आपके लगातार प्यार और सपोर्ट के लिए धन्यवाद। मैं अपने देश को प्रतिनिधित्व करने का मौका पाकर सच में बहुत शुक्रगुजार हूं, और मैं हमेशा अपनी टीम के लिए हर बार अपना बेस्ट देने की कोशिश करूंगा। आप सभी का हर चीज के लिए धन्यवाद। ' वैभव ने सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को तोड़ा। सचिन ने भारत की जर्सी में अपना पहला इंटरनेशनल मुकाबला 16 साल 205 दिन की उम्र में खेला था।

अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता की तैयारी को लेकर हुगली में एडवांस प्रशिक्षण शिविर आयोजित

हुगली। आगामी 30 जुलाई को कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में आयोजित होने वाली अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता की तैयारियों के मद्देनजर हुगली शोतोकान शितो-यू कराटे-डो एसोसिएशन की ओर से एक एडवांस ट्रेनिंग कैंप का आयोजन किया गया। लॉर्ड शिवा बैंक्वेट में आयोजित इस विशेष प्रशिक्षण शिविर में जिले और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में कराटे खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों ने भाग लिया। छुट्टियांव मौसमी आयोजन शिविर का संचालन अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रशिक्षक एवं 8वीं डैन ब्लैक बेल्ट हंशी प्रेमजीत सेन ने किया। उनके साथ 4वीं डैन ब्लैक बेल्ट शिहान राणा कर्मकार ने भी खिलाड़ियों को उन्नत तकनीद्धकों, आत्मरक्षा, अनुशासन और प्रतियोगिता से जुड़ी बारीकियों का प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर हंशी प्रेमजीत सेन ने बताया कि 30 जुलाई को कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में होने वाली अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में दुनिया के विभिन्न देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। ऐसे में खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने के उद्देश्य से इस एडवांस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है।

फीफा विश्व कप 2026: इंग्लैंड ने 10 खिलाड़ियों के साथ मेक्सिको को 3-2 से हराया

एजेंसी

मेक्सिको सिटी। जूड बेलिंगहैम के शानदार दो गोल और हैरी केन की पेनल्टी की बदौलत 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे इंग्लैंड ने सोमवार की सुबह (भारतीय समयानुसार) मेजबान मेक्सिको को रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। एस्टादियो एज़्टेका में खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद शानदार जुझारूपन दिखाया। अब इंग्लैंड का सामना क्वार्टर फाइनल में नॉर्वे से होगा, जिसकी अगुआई स्टार स्ट्राइकर एरलिंग हालैंड कर रहे हैं।

पहले हाफ में जूड बेलिंगहैम ने महज 98 सेकेंड के भीतर दो गोल दागकर इंग्लैंड को 2-0 की मजबूत बढ़त दिला दी। पहला गोल उन्होंने बुकायो साका के शानदार क्रॉस पर हेडर से किया, जबकि दूसरा गोल हैरी केन के पास पर जोरदार शॉट लगाकर किया।

इन दो गोलों ने मेक्सिको को एज़्टेका स्टेडियम में 90 मुकाबलों में मिली सिर्फ तीसरी हार की ओर धकेल दिया। मेक्सिको ने जूलियन क्विनोनेस के गोल से वापसी की कोशिश की और पहला हाफ 2-1 पर समाप्त हुआ। दूसरे हाफ के 54वें मिनट में इंग्लैंड को बड़ा झटका लगा, जब जारेल क्वानसा को वीएआर समीक्षा के बाद जीसस गालार्डो पर खतरनाक टैकल के लिए सीधा रेड कार्ड दिखा दिया गया। हालांकि, 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के बावजूद इंग्लैंड ने छह मिनट बाद अपनी बढ़त बढ़ा ली। एंथनी गॉर्डन को मेक्सिको के गोलकीपर राउल रेंजल ने पेनल्टी बॉक्स में गिरा दिया, जिसके बाद हैरी केन ने पेनल्टी को गोल में बदलकर स्कोर 3-1 कर दिया। यह केन का टूर्नामेंट में छठा गोल था और वह गोल्डन बूट की दौड़ में एरलिंग हालैंड, लियोनेल मेसी और किलियन एम्बाप्पे से सिर्फ एक गोल पीछे हैं।

इसके बाद मेक्सिको को भी पेनल्टी मिली, जिसे राउल जिमेनेज़ ने गोल में बदलकर अंतर 3-2 कर दिया। अंतिम 20 मिनट और फिर 11 मिनट के अतिरिक्त समय में मेक्सिको ने लगातार दबाव बनाया, लेकिन इंग्लैंड की रक्षा पंक्ति और गोलकीपर जॉर्डन पिकफोर्ड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बढ़त बचाए रखी। मेक्सिको सिटी में तेज बारिश और आंधी के कारण मैच निर्धारित समय से एक घंटे देरी से शुरू हुआ। इसके बावजूद 80 हजार से अधिक दर्शकों से खचाखच भरे एज़्टेका स्टेडियम में जबरदस्त माहौल देखने को मिला। इंग्लैंड के मुख्य कोच थॉमस टुखेल ने इस मुकाबले में तीन बदलाव किए थे।

महिला टी20 विश्वकपः आईसीसी ने जारी की प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के नामित खिलाड़ियों की लिस्ट

एजेंसी

दुबई। आईसीसी महिला टी20 विश्वकप 2026 में शानदार प्रदर्शन करने वाली ऑस्ट्रेलिया की स्टार ऑलराउंडर एलिस पेरी, इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज डैनी व्याट-हॉज, भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और दक्षिण अफ्रीका की मारिजान कैप को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इन चारों के नाम की लिस्ट जारी की। अपनी-अपनी टीम की ओर से खेलते हुए इन चारों खिलाड़ियों का प्रदर्शन टूर्नामेंट में शानदार रहा है। पेरी और डैनी ने अपनी टीमों को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई, जबकि मंधाना के शानदार प्रदर्शन के बावजूद भारतीय टीम ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ सकी। दूसरी ओर, मारिजान कैप ने दक्षिण अफ्रीका को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया के अपराजित अभियान में एलिस पेरी सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में से एक रहीं। उन्होंने 46.25 की औसत से 185 रन बनाए और चार विकेट भी हासिल किए। टूर्नामेंट के दौरान उन्हें तीन बार 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। पेरी ने बांग्लादेश के खिलाफ दो विकेट लेने के साथ नाबाद 19 रन बनाए। इसके बाद पाकिस्तान और भारत के खिलाफ लगातार दो अर्धशतक जड़कर टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। डैनी व्याट-हॉज (इंग्लैंड)294 रन (औसत 73.50)स्ट्राइक रेट 152.33 इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज डैनी व्याट-हॉज फाइनल से पहले टूर्नामेंट की सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज हैं।

ओसाका ने आर्यना सबालेंका को हराकर पहली बार क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

लंदन। जापान की स्टार टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने विंबलडन 2026 में बड़ा उलटफेर करते हुए महिला एकल की विश्व नंबर एक और शीर्ष वरीय आर्यना सबालेंका को सीधे सेटों में 6-2, 7-6 (7-2) से हराकर पहली बार टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

सेंटर कोर्ट पर खेले गए इस बहुचर्चित मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों के नाम कुल आठ ग्रैंड स्लैम खिताब होने के कारण मुकाबले से काफी रोमांच की उम्मीद थी। हालांकि 14वीं वरीय ओसाका ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और सबालेंका को वापसी का मौका नहीं दिया। पहले सेट में सबालेंका का दमदार खेल पूरी तरह बिखरा नजर आया। उनके लगातार गलत शॉट्स के कारण वह महज 32 मिनट में पहला सेट 2-6 से हार गईं। इस दौरान वह कई बार निराशा में कोर्ट पर चीखती हुई भी दिखाई दीं। दूसरे सेट में

मुकाबला अपेक्षाकृत कड़ा रहा और दर्शकों को रोमांचक टक्कर देखने को मिली। हालांकि टाईब्रेक में ओसाका ने शानदार संयम दिखाया और 7-2 से जीत दर्ज करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया।

यह जीत ओसाका के लिए विशेष महत्व रखती है। 2023 में मातृत्व अवकाश के बाद टूर पर वापसी करने के बाद यह उनकी अब तक की सबसे बड़ी जीत मानी जा रही है। अब वह पहली बार विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में खेलती नजर आएंगी।

फीफा विश्व कप 2026: ब्राजील के स्टार खिलाड़ी नेमार जूनियर ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से लिया संन्यास

एजेंसी

न्यूयॉर्क। ब्राजील के महान फुटबॉलर और राष्ट्रीय टीम के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी नेमार जूनियर ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने यह फैसला फीफा विश्व कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में नॉर्वे के खिलाफ ब्राजील की 1-2 से हार के बाद लिया। छुट्टियांव मौसमी आयोजन मेटलाइफ स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में नेमार ने इंजरी टाइम के 10वें मिनट में पेनल्टी पर ब्राजील का एकमात्र गोल किया, लेकिन उनकी टीम हार से नहीं बच सकी और विश्व कप से बाहर हो गई।

मैच के बाद भावुक नेमार ने पत्रकारों से कहा, मैंने पूरी कोशिश की। मैंने हर संभव प्रयास किया। मेरा सफर इसी मेटलाइफ स्टेडियम से शुरू हुआ था और यहीं खत्म हो रहा है। अब सब कुछ समाप्त हो गया है। नेमार ने ब्राजील के लिए अपने करियर में 130 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 80 गोल किए और 59 असिस्ट भी दर्ज किए। वह ब्राजील के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल

करने वाले खिलाड़ी हैं। विश्व कप से पहले उनकी फिटनेस को लेकर लगातार सवाल उठ रहे थे, लेकिन मुख्य कोच कार्लो एंचेलोटी ने उन पर भरोसा जताते हुए उन्हें 26 सदस्यीय विश्व कप टीम में शामिल किया था। नेमार ने ब्राजील के साथ 2013 फीफा कन्फेडरेशन कप का खिताब जीता था। इसके अलावा उन्होंने 2016 रियो ओलंपिक में ब्राजील को पहली बार फुटबॉल का स्वर्ण पदक दिलाने में भी अहम भूमिका निभाई थी। नेमार के संन्यास के साथ ही ब्राजील फुटबॉल के एक स्वर्णिम अध्याय का अंत हो गया। उनके नाम राष्ट्रीय टीम के लिए सबसे अधिक गोल करने का रिकॉर्ड हमेशा दर्ज रहेगा।

फीफा विश्व कपः ब्राजील पर ऐतिहासिक जीत के बाद कोच सोलबक्केन ने कहा-हमारी सबसे बड़ी ताकत टीम भावना सॉकर

एजेंसी

ईस्ट रदरफोर्ड। फीफा विश्व कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में ब्राजील को 2-1 से हराकर पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची नॉर्वे की टीम के मुख्य कोच स्टाले सोलबक्केन ने खिलाड़ियों की एकजुटता, अनुशासन और टीम भावना की खुलकर प्रशंसा की है।

नॉर्वे ने स्टार स्ट्राइकर एरलिंग हालैंड के दो गोलों की बदौलत पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील को बाहर का रास्ता दिखाया। मुकाबले के अंतिम क्षणों में नेमार के पेनल्टी गोल के बावजूद नॉर्वे ने अपनी बढ़त कायम रखी और विश्व कप इतिहास की सबसे बड़ी जीतों में से एक दर्ज की। मैच के बाद सोलबक्केन ने पत्रकारों से कहा, यह खिलाड़ियों का शानदार समूह है। उन्हें एक-दूसरे के साथ रहना पसंद है, वे बेहतरीन अभ्यास करते हैं, एक-दूसरे की मदद करते हैं और हर परिस्थिति में साथ खड़े रहते हैं। हमारी टीम की संस्कृति बेहद मजबूत है। हम खिलाड़ियों को अपनी बात खुलकर रखने और खुद जैसा बनने की आजादी देते हैं। यही

हमारी सबसे बड़ी ताकत है, चाहे परिस्थितियां अच्छी हों या कठिन। विश्व कप के दौरान नॉर्वे की टीम का 'रोइंग सेलिब्रेशन' (नाव चलाने की शैली में जश्न) काफी लोकप्रिय हुआ है। ब्राजील पर जीत के बाद खिलाड़ियों और प्रशंसकों ने एक बार फिर उसी अंदाज में जीत का जश्न मनाया। सोलबक्केन ने कहा, मुझे लगता है कि आज पूरा नॉर्वे एक साथ नाव चला रहा है। यहां भी जश्न है और ओस्लो सहित देश के हर छोटे-बड़े शहर में लोग इस जीत का उत्सव मना रहे हैं। यह रोइंग सेलिब्रेशन हमारी एकजुटता का प्रतीक बन गया है। यह नॉर्वे के फुटबॉल प्रशंसकों के लिए यादगार गर्मी है। सच कहूं तो इस समय कोच से ज्यादा खुश तो प्रशंसक होंगे। ब्राजील जैसी मजबूत टीम के खिलाफ नॉर्वे ने उम्मीद से अधिक समय तक गेंद अपने पास रखी। सोलबक्केन ने बताया कि यह उनकी पहले से तय रणनीति थी। उन्होंने कहा, हम चाहते थे कि गेंद ज्यादा से ज्यादा समय हमारे पास रहे। हमें पता था कि ब्राजील के कुछ खिलाड़ी अपनी पोजिशन में तो शानदार हैं, लेकिन लगातार गेंद के पीछे भागना उन्हें पसंद नहीं है। इसलिए हमने उन्हें इसी तरीके से दबाव में रखने की कोशिश की। क्वार्टर फाइनल में नॉर्वे का सामना मेक्सिको या इंग्लैंड से होगा, लेकिन सोलबक्केन ने कहा कि उन्हें किसी विशेष प्रतिद्वंद्वी से फर्क नहीं पड़ता।

गुरनूर के 10 विकेट और सुदर्शन के शतक की मदद से इंडिया ए ने जीती सीरीज

एजेंसी

गाले (श्रीलंका)। गुरनूर बरार की घातक गेंदबाजी और साई सुदर्शन के शानदार शतक की बदौलत इंडिया ए ने श्रीलंका ए को दूसरे अनधिकृत टेस्ट में 10 विकेट से हराकर दो मैचों की सीरीज 1-0 से अपने नाम कर ली। पहला अनाधिकारिक टेस्ट मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ था। बरार ने मैच में कुल 10 विकेट झटके, जबकि सुदर्शन ने पहली पारी में 168 रन बनाए थे।

श्रीलंका के गाले में खेले गए दूसरे अनधिकृत टेस्ट के चौथे दिन श्रीलंका ए की दूसरी पारी 209 रन पर सिमट गई। इस तरह इंडिया ए को जीत के लिए केवल 33 रन का लक्ष्य मिला, जिसे साई सुदर्शन और अमन मोखाड़े की सलामी जोड़ी ने महज 6.2 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए हासिल कर लिया। सुदर्शन ने नाबाद 25 और अमन ने नाबाद 11 रन बनाए। श्रीलंका ए ने पहली पारी में 366 रन बनाए थे। पहली पारी में कप्तान सहन अराच्चिगे ने 207 गेंदों में 13 चौकों और दो छक्कों की मदद से 127 रन की शतकीय पारी खेली। उनके अलावा नुवानिदु फर्नांडो (44), अंजला बंडारा (42), पवनथा वीरासिंघे (39), ऐशेन बंडारा (34) और सोहन डी लिवेरा (28) ने उपयोगी योगदान दिया। भारत की ओर से गुरनूर बरार और सारांश जैन ने चार-चार विकेट झटके, यश ठाकुर ने दो विकेट लिए। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी जवाब में इंडिया ए ने पहली पारी 9 विकेट पर 543 रन बनाकर घोषित की। सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने 267 गेंदों में 22 चौकों की मदद से 168 रन की शानदार पारी खेली। देवदत्त पडिक्कल शतक से चूक गए और 94 रन बनाकर आउट हुए, जबकि रुतुराज गायकवाड़ 13 रन बनाकर रिटायर हर्ट हो गए।

ऑस्ट्रेलिया ने रिकॉर्ड सातवीं बार जीता महिला टी20 विश्व कप का खिताब, फाइनल में इंग्लैंड को 7 विकेट से हराया खेल

एजेंसी

लंदन। ऑस्ट्रेलिया ने महिला टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में इंग्लैंड को सात विकेट से हराकर रिकॉर्ड सातवीं बार विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने 151 रन का लक्ष्य 18वें ओवर में ही तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया।

छुट्टियांव मौसमी आयोजन

यह ऑस्ट्रेलिया का सातवां महिला टी20 विश्व कप खिताब है। अब तक कोई अन्य टीम एक से अधिक बार यह ट्रॉफी नहीं जीत सकी है। वहीं, इंग्लैंड को चौथी बार महिला टी20 विश्व कप फाइनल में हार का सामना करना पड़ा और हर बार उसे ऑस्ट्रेलिया ने ही मात दी। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 32 रन तक अपने दोनों

सलामी बल्लेबाजों एमी जोन्स (6) और डैनी व्याट (8) के विकेट गंवा दिए। इसके बाद कप्तान नैट सीवर-ब्रंट और एलिस कैप्सी ने तीसरे विकेट के लिए 35 रन जोड़कर पारी को संभालने का प्रयास किया। कैप्सी 23 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि हीदर नाइट केवल दो रन ही बना सकीं। 70 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद कप्तान नैट सीवर-ब्रंट और फ्रेया केम्प ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए पांचवें विकेट के लिए नाबाद 80 रन की साझेदारी की। सीवर-ब्रंट ने 53 गेंदों में 58 रन और फ्रेया केम्प ने 28 गेंदों में 44 रन की नाबाद पारी खेलकर इंग्लैंड का स्कोर 20 ओवर में चार विकेट पर 150 रन तक पहुंचाया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से किम गार्थ, लूसी हैमिल्टन, कप्तान सोफी मोलिनक्स और एनाबेल सदरलैंड ने एक-एक विकेट लिया। 151 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे ही ओवर में जॉर्जिया वोल का विकेट गंवा दिया, लेकिन इसके बाद बेथ मूनी और फोएबी लिचफील्ड ने दूसरे विकेट के लिए 100 रन की शानदार साझेदारी कर मैच पूरी तरह ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में कर दिया।

विंबलडन : मुचोवा ने पूर्व चैंपियन क्रेजिकोवा को हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

लंदन। चेक गणराज्य की स्टार टेनिस खिलाड़ी कैरोलीना मुचोवा ने विंबलडन 2026 के महिला एकल वर्ग के चौथे दौर में पूर्व चैंपियन और हमवतन बारबोरा क्रेजिकोवा को 7-5, 5-7, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। इस हार के साथ ही यह तय हो गया कि इस वर्ष विंबलडन महिला एकल को नया चैंपियन मिलेगा। मुचोवा ने अपने करियर में तीसरी बार विंबलडन के अंतिम आठ में जगह बनाई है। दो घंटे 45 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में उन्होंने शानदार संयम और आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। बैड होम्बर्ग ओपन का खिताब जीतने के बाद यह उनकी लगातार आठवीं जीत भी रही। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना विश्व नंबर एक आर्यना सबालेंका और चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता नाओमी ओसाका के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से होगा। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। कई ब्रेक प्वाइंट बचाने के बाद मुचोवा ने 12वें गेम में ब्रेक हासिल किया और 7-5 से सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में मुचोवा ने 5-2 की बढ़त बना ली थी और जीत के करीब पहुंच गई थीं, लेकिन 2024 की विंबलडन चैंपियन क्रेजिकोवा ने शानदार वापसी करते हुए लगातार पांच गेम जीते और 7-5 से सेट जीतकर मुकाबले को निर्णायक सेट में पहुंचा दिया। तीसरे और अंतिम सेट में मुचोवा ने शुरुआत से ही दबदबा बनाया। 1-1 की बराबरी के बाद उन्होंने लगातार तीन गेम जीतकर 4-1 की बढ़त बना ली। इस दौरान क्रेजिकोवा शारीरिक रूप से संघर्ष करती नजर आईं। मुचोवा ने बिना दबाव में आए मैच समाप्त किया और अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की कर ली। मैच के आंकड़ों में भी मुचोवा का दबदबा साफ दिखा। उन्होंने 50 विनर्स लगाए और केवल 29 अनफोर्स्ड एरर किए, जबकि क्रेजिकोवा ने 24 विनर्स लगाए लेकिन 32 अनफोर्स्ड एरर कर बैठीं। नेट पर भी मुचोवा ने 31 में से 23 अंक (74 प्रतिशत सफलता) अपने नाम किए। दोनों खिलाड़ियों के बीच डब्ल्यूटीए टूर पर यह पहली भिड़ंत थी। आईटीएफ मुकाबलों को मिलाकर अब दोनों का आपसी रिकॉर्ड 2-2 की बराबरी पर आ गया है। इसके साथ ही मुचोवा ने डब्ल्यूटीए स्तर पर चेक खिलाड़ियों के खिलाफ अपनी लगातार 11वीं जीत दर्ज की।

जैनिक सिनर ने क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह, मोचिजुकी को सीधे सेटों में हराया

एजेंसी

लंदन। दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान के क्वालिफायर शिंटारो मोचिजुकी को सीधे सेटों में 6-3, 7-6(0), 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। यह लगातार पांचवां मौका है जब सिनर ने विंबलडन के अंतिम आठ का टिकट हासिल किया है। इस जीत के साथ सिनर ओपन एरा में ग्रास कोर्ट मेजर के पांचवें क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सिर्फ 11वें खिलाड़ी हैं। वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले सक्रिय खिलाड़ियों में केवल सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच के बाद दूसरे खिलाड़ी हैं। मैच की शुरुआत में जापान के शिंटारो मोचिजुकी ने शानदार खेल दिखाया और कुछ मौकों पर सिनर को दबाव में भी डाला। उन्होंने पहले ब्रेक प्वाइंट हासिल किया, लेकिन सिनर ने तुरंत वापसी कर ब्रेक बचा लिया। हालांकि, सिनर ने जल्द ही मोचिजुकी की सर्विस तोड़कर पहले सेट को 6-3 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में मुकाबला काफी रोमांचक रहा। मोचिजुकी ने अपनी सर्विस पर बेहतर नियंत्रण दिखाया और शुरुआती गेम में कोई पॉइंट नहीं गंवाया। उन्होंने लंबे रैलियों में भी सिनर को चुनौती दी। सात-ड्यूस तक गेम पहुंचा और सिनर को ब्रेक के मौके भी मिले, लेकिन वह उन्हें भुना नहीं सके।

भारत-फ्रांस खेल उद्योग साझेदारी मजबूत करने की पहल,पेरिस पहुंचा फिक्की प्रतिनिधिमंडल

एजेंसी

पेरिस। भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) की खेल समिति का 20 से अधिक सदस्यों वाला प्रतिनिधिमंडल हाल ही में फ्रांस के पेरिस और मार्सेय के दौरे पर पहुंचा। इस दौरे का उद्देश्य खेल कारोबार, खेल प्रशासन, खेल अवसंरचना और ओलंपिक विरासत से जुड़े सफल मॉडलों का अध्ययन कर भारत में खेलों के विकास के लिए उपयोगी अनुभव जुटाना था। इस प्रतिनिधिमंडल का आयोजन बिजनेस फ्रांस के सहयोग से किया गया। छुट्टियांव मौसमी आयोजन

फिक्की की सोमवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार, प्रतिनिधिमंडल ने मार्सेय के ऐतिहासिक वेलोड्रोम फुटबॉल स्टेडियम का दौरा किया, जहां खेल अवसंरचना के बेहतर उपयोग और उसके दीर्घकालिक संचालन की जानकारी दी गई। वर्ष 1937 में स्थापित इस स्टेडियम का उपयोग फुटबॉल मुकाबलों के साथ-साथ खेल सत्र समाप्त होने के बाद संगीत कार्यक्रमों और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए भी किया जाता है। प्रतिनिधिमंडल ने दर्शकों को पूरे दिन बेहतर अनुभव देने और डिजिटल माध्यमों से जोड़ने की व्यवस्थाओं का भी अध्ययन किया। मार्सेय स्थित भारत के महावाणिज्य दूत ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए उन्हें वर्ष 2030 के शीतकालीन ओलंपिक खेलों की तैयारियों से जुड़े स्थानीय उद्योगों और संस्थाओं से परिचित कराया। प्रतिनिधिमंडल ने पेरिस ओलंपिक 2024 की नौकायन प्रतियोगिताओं के आयोजन स्थल तथा मार्सेय के प्रसिद्ध तैराकी केंद्र का भी दौरा किया। यहां विशेषज्ञों से यह समझने का अवसर मिला कि ओलंपिक के लिए तैयार की गई खेल सुविधाओं का प्रतियोगिताओं के बाद भी व्यावसायिक और जनहित में प्रभावी उपयोग किस प्रकार किया जा सकता है। पेरिस में प्रतिनिधिमंडल ने अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों पर आयोजित सम्मेलन में भाग लिया। बिजनेस फ्रांस की प्रमुख अधिकारी सिंथिया रेगुल्स्की ने कहा कि फ्रांस के लिए यह सम्मान की बात है कि वह पेरिस ओलंपिक 2024 से प्राप्त अनुभव और विरासत को अन्य देशों के साथ साझा कर रहा है। सम्मेलन में भारत के लिए उपलब्ध अवसरों पर आयोजित विशेष सत्र की अध्यक्षता फिक्की खेल समिति के सह-अध्यक्ष एवं अदाणी स्पोर्ट्स लाइन के मुख्य व्यवसाय अधिकारी संजय अडेसरा ने की। उन्होंने कहा कि भारत खेल महाशक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है और भविष्य में बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी करना चाहता है। ऐसे में फ्रांस के अनुभव भारत के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होंगे और दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक सहयोग की नई संभावनाएं खुलेंगी। स्पोर्ट्स इंटरएक्टिव के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सिद्धार्थ रमन ने कहा कि पेरिस ओलंपिक ने यह दिखाया कि किसी शहर की संस्कृति, विरासत और खेलों को एक साथ जोड़कर विश्वस्तरीय आयोजन कैसे किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों की स्मृतियां वर्षों तक लोगों के मन में बनी रहती हैं और यही उनकी सबसे बड़ी सफलता होती है। दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने पेरिस नगर निगम, स्टेड द फ्रांस, राष्ट्रीय खेल संस्थान (आईएनएसईपी) तथा खेल उद्योग से जुड़े विभिन्न संगठनों के साथ भी विचार-विमर्श किया। फिक्की खेल समिति ने इस दौरे से प्राप्त अनुभवों के आधार पर 'फ्रांस की ओलंपिक विरासत : भारत के लिए प्रमुख सीख' विषय पर एक श्वेत पत्र तैयार करने का निर्णय लिया है। इसे सरकार और खेल उद्योग से जुड़े हितधारकों के साथ साझा किया जाएगा, ताकि भारत में खेल अवसंरचना, खेल प्रबंधन और बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की तैयारियों को और अधिक मजबूत बनाया जा सके।

भारत-यूके एफटीए से जुड़े नियम जारी, 15 जुलाई से होंगे लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत-यूके व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) 15 जुलाई से लागू होने वाला है और केंद्र सरकार ने इस समझौते से जुड़े नियमों को लागू कर दिया है। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी ताजा नोटिफिकेशन के मुताबिक, कोई प्रोडक्ट भारत या यूके में बना हुआ तब माना जाएगा, जब वह पूरी तरह से इनमें से किसी एक देश में बनाया गया हो, पूरी तरह से वहीं के सामग्रियों से बनाया गया हो, या फिर समझौते के तहत तय उत्पाद-विशिष्ट मूल की शर्तों को पूरा करते हुए, बाहर के इनपुट का इस्तेमाल करके बनाया गया हो। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) द्वारा जारी किए गए नियम बताते हैं कि कौन-सा सामान समझौते के तहत खास टैरिफ सुविधा के लिए योग्य है या नहीं, और साथ ही निर्यातकों और आयातकों के लिए जरूरी नियमों का पालन करने की शर्तें भी तय करते हैं। यह नियम भी समझौते के साथ ही 15 जुलाई से लागू हो जाएंगे।अधिसूचना के अनुसार, 'इन नियमों को 'कस्टम्स टैरिफ (भारत और यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन एंड नॉर्दर्न आयरलैंड के बीच व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते के तहत सामान के मूल स्थान का निर्धारण) नियम, 2026' कहा जाएगा। ये नियम 15 जुलाई, 2026 से लागू होंगे। ' यह नियम मिला-जुला व्यवहार की सुविधा देता है, जिससे एक पार्टनर देश में बनी चीजों को दूसरे देश में आगे के प्रोडक्शन में इस्तेमाल करने पर उसी देश का बना हुआ माना जा सकता है।

शिवराज सिंह ने वीबी-जी राम जी योजना के तहत राज्यों को 25,863 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 'विकसित भारत:गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण)' (वीबी:जी राम जी) योजना के सुचारु संचालन के लिए सभी राज्यों को 25,863 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी की। मंत्री ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ग्रामीण विकास मंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा की। इसका मुख्य उद्देश्य यह है कि श्रमिकों को 15 दिनों के भीतर उनकी मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित किया जा सके। ग्रामीण विकास मंत्रालय के अनुसार बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक जुलाई से पूरे देश में लागू हुई इस नई योजना का ट्रांजीशन (मनरेगा से

वीबी-जी राम जी में बदलाव) पूरी तरह से निर्बाध और सफल रहा है। इस योजना के तहत मजदूरी दरों में औसतन लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। अब देश के किसी भी राज्य में न्यूनतम मजदूरी 300 रुपये प्रतिदिन से कम नहीं होगी। ओडिशा, पश्चिम बंगाल और झारखंड को भी प्रक्रियाएं जल्द पूरी करने को कहा गया है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि योजना में किसी भी प्रकार के फर्जीवाड़े या अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके लिए सरकार कई तकनीकों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कर रही है। इनमें चेहरा प्रमाणीकरण, जियो-टैगिंग और क्षेत्रीय अधिकारियों की तैनाती शामिल है। इस उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, राज्य मंत्री कमलेश पासवान, ग्रामीण विकास विभाग के सचिव रोहित कंसल, संयुक्त सचिव रोहिणी आर. भाजीभाकरे सहित विभिन्न राज्यों के ग्रामीण विकास मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी डिजिटल माध्यम से शामिल हुए।

सर्राफा बाजार में गिरावट से सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी फीकी पड़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आई गिरावट के कारण आज चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर दूसरे सर्राफा बाजार में सोना 260 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 280 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। चेन्नई में सोने के भाव में 100 रुपये प्रति 10 ग्राम लेकर 110 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है। चांदी के भाव में भी आज 100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की मामूली कमजोरी दर्ज की गई है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,46,730 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,49,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,34,500 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,37,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में सांकेतिक कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,50,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। आज सोने के भाव में कमजोरी आने के बावजूद साप्ताहिक आधार पर देखा जाए, तो सोना और चांदी दोनों धातुओं के भाव में तेजी आई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोना 2,780 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। इसी तरह 22 कैरेट सोने के भाव में साप्ताहिक आधार पर 2,550 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की मजबूती दर्ज की गई। चांदी भी उतार चढ़ाव के बावजूद पिछले सप्ताह के कारोबार में महंगा हो गया।

अदाणी ग्रुप के मामले पर अमेरिकी न्याय विभाग बोलाः शुरू ही नहीं किया जाना चाहिए था केस

नई दिल्ली। अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) ने अदाणी ग्रुप के खिलाफ अपने मामले को समाप्त करने से कहीं अधिक कार्य किया है। डीओजे ने एक अभूतपूर्व कोर्ट फाइलिंग में मामले के कानूनी और अधिकार-क्षेत्र से जुड़े आधार पर सवाल उठाए गए हैं, बाइडन के कार्यकाल के आखिरी दिनों में आरोप तय करने के समय को चुनौती दी गई है, और यह बताया गया है कि विभाग का मानना है कि यह केस शुरू ही नहीं किया जाना चाहिए था। एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति के लिए, यह फाइलिंग लगभग दो साल की कड़ी अंतरराष्ट्रीय जांच के बाद कानूनी मामले में एक बड़ा बदलाव है। इस दौरान, आरोपों ने ग्रुप को लेकर निवेशकों की धारणा पर असर डाला, बाजार में अरबों की वैल्यू खत्म कर दी और लाखों रिटेल शेयरधारकों को प्रभावित किया। अपने ही सबसे हाई-प्रोफाइल कॉर्पोरेट मुकदमों में से एक की असामान्य रूप से खुलकर की गई समीक्षा में, डीओजे ने इस मामले के कानूनी आधार, अधिकार क्षेत्र और सबूतों पर सवाल उठाए हैं। साथ ही, इसने पिछली अमेरिकी सरकार के कार्यकाल के आखिरी दिनों में आरोप-पत्र को सार्वजनिक करने की आलोचना करते हुए इसे 'नाम खराब करने' की एक ऐसी कोशिश बताया है, जिसे 'मुकदमा चलने की किसी भी वास्तविक संभावना के बिना' अंजाम दिया गया था।

जेनेवा में उपभोक्ता संरक्षण पर संयुक्त राष्ट्र विशेषज्ञ समूह के नौवें सत्र की अध्यक्षता करेगा भारत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत इस हफ्ते जेनेवा में आयोजित उपभोक्ता संरक्षण कानून एवं नीति पर विशेषज्ञों के अंतर-सरकारी समूह (आईजीई) के 9वें सत्र की अध्यक्षता करेगा। यह कार्यक्रम 06 से 08 जुलाई तक स्विट्जरलैंड के जिनेवा स्थित पैलेस डेस नेशन्स में आयोजित होगा।

उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि यह सत्र सदस्य देशों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों, उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरणों, शिक्षाविदों और अन्य संबंधित पक्षों को एक साथ लाकर उपभोक्ता संरक्षण क्षेत्र से जुड़े उभरते मुद्दों पर चर्चा का मंच प्रदान करेगा। उपभोक्ता मामलों के विभाग की सचिव निधि खरे छह से आठ जुलाई तक चलने वाली तीन दिवसीय चर्चाओं की अध्यक्षता करेंगी और वैश्विक प्राथमिकताओं पर सदस्य देशों के बीच विचार-विमर्श का संचालन करेंगी। मंत्रालय के मुताबिक एजेंडा में उपभोक्ता जानकारी एवं शिक्षा, टिकाऊ उपभोग, वैश्विक बाजारों में उपभोक्ता संरक्षण कानूनों का प्रवर्तन

तथा सीमा-पार उपभोक्ता विवादों पर चर्चा शामिल है। मंत्रालय ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के उपभोक्ता संरक्षण दिशा-निर्देशों के तहत गठित यह अंतर-सरकारी विशेषज्ञ समूह उपभोक्ता संरक्षण कानून और नीति पर संवाद एवं सहयोग का प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मंच है।

उल्लेखनीय है कि पिछले चौदह महीनों में, राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन ने 36 क्षेत्रों में 91.77 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि की वापसी की सुविधा प्रदान की है। इसमें 1.47 लाख से अधिक धन की वापसी संबंधी शिकायतों को मुकदमेबाजी तक पहुंचने से पहले ही हल किया गया है। विभाग ने एआई-सक्षम डिजिटल प्लेटफॉर्म ई-जागृति के माध्यम से उपभोक्ता विवाद समाधान को भी मजबूत किया है।

टॉप 10 में शामिल देश की 6 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.08 लाख करोड़ की बढ़ोतरी, भारती एयरटेल को सबसे ज्यादा फायदा

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल छह कंपनियों के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हो गई, जबकि चार कंपनियों के मार्केट कैप में गिरावट आ गई। शीर्ष स्थान पर मौजूद इन दस कंपनियों में से छह के मार्केट कैप में सोमवार से गुरुवार तक के कारोबार के बाद 1.08 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई।

इनमें सबसे अधिक फायदा भारती एयरटेल को हुआ, जबकि मार्केट कैप में बढ़ोतरी के मामले में दूसरा स्थान बजाज फाइनेंस ने हासिल किया। दूसरी ओर, टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल चार कंपनियों के मार्केट कैप में पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान 51 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई। मार्केट कैप के मामले में सबसे अधिक नुकसान लार्सन एंड टूब्रो को हुआ, जबकि नुकसान उठाने के मामले में दूसरे स्थान पर टॉप 10 में सबसे ऊपर रहने वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज रही।

इस सप्ताह के कारोबार के बाद भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 1,08,401.59 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। दूसरी ओर, लार्सन एंड टूब्रो, रिलायंस इंडस्ट्रीज, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के मार्केट कैप में 51,394.99 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। सोमवार से शुक्रवार के बीच हुए कारोबार के बाद भारती एयरटेल का मार्केट कैप 35,529.21 करोड़ रुपये बढ़ कर 11,63,877.30 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 33,059.83 करोड़ रुपये की मजबूती के साथ 6,43,141.36 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 16,084.29 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 10,11,695.03 करोड़ रुपये के स्तर पर, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 8,601.99 करोड़ रुपये उछल कर 5,44,139.55 करोड़ रुपये के स्तर पर, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 7,664.89 करोड़ रुपये बढ़ कर 12,33,646.33 करोड़ रुपये के स्तर पर और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 6,461.38 करोड़ रुपये कम होकर 5,17,086.30 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। दूसरी ओर, पिछले सप्ताह के कारोबार में लार्सन एंड टूब्रो (एलएंडटी) का मार्केट कैप 26,572.2 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 5,53,978.63 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

जम्मू-कश्मीर की प्रीमियम चेरी, प्लम का निर्यात यूएई के बाजारों में

नई दिल्ली। देश के प्रीमियम कृषि व बागान उत्पादों को अंतराष्ट्रीय बाजार में पहचान और स्थान दिलाने के प्रयासों में एक और सफलता के अंतर्गत जम्मू-कश्मीर के शोपियां और पुलवामा की प्रीमियम अरेको चेरी और सेंटरोज प्लम का पहली बाजार अबू धाबी और दुबई में निर्यात किया गया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह जानकारी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में दी।उन्होंने ' जम्मू-कश्मीर के बागों से वैश्विक बाजारों तक नई उड़ान!' शीर्षक पोस्ट में कहा, ' शोपियां और पुलवामा की प्रीमियम अरेको चेरी और सेंटरोज प्लम की पहली निर्यात खेप अबू धाबी और दुबई के लिए रवाना हुई। यह उपलब्धि भारतीय फलों की वैश्विक पहचान को और मजबूत करने के साथ जम्मू-कश्मीर के बागवानी क्षेत्र के लिए नए अवसर लेकर आई है। ' वाणिज्य मंत्रालय की एजेंसी एपीडा की मदद से पिछले दिनों इसी तरह पंजाब के होशियारपुर की उन्नति एग्री एलाइड कोऑपरेटिव सोसाइटी की ताज़ी लीची का पहली बार ओमान को निर्यात किया गया।

चीनी मजबूत, चावल, गेहूं, दाल, खाद्य तेलों में गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल का औसत भाव टूट गया। चावल के साथ गेहूं, दालों और खाद्य तेलों में भी नरमी रही जबकि चीनी के दाम बढ़ गये। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 47 रुपये गिरकर 3,918 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं पांच रुपये सस्ता हुआ और 2,797 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे का भाव लगभग अपरिवर्तित रहा। दाल-दलहनों में मसूर दाल की औसत कीमत 83 रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी। चना दाल और तुअर दाल में 33-33 रुपये की गिरावट रही। मूंग दाल 30 रुपये और उड़द दाल 26 रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी। स्थानीय बाजार में मूंगफली तेल की औसत कीमत 181 रुपये और वनस्पति की 53 रुपये प्रति क्विंटल उतर गयी। मूंगफली तेल में 35 रुपये और सोया तेल में 34 रुपये की घटी देखी गयी। पाम ऑयल 17 रुपये और सरसों तेल नौ रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 17 रुपये प्रति क्विंटल गिर गया। चीनी भी नौ रुपये महंगी हुई।

सरकार ने एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को बताया 'भारत की ऊर्जा रणनीति का प्रमुख स्तंभ', नकारात्मक दावों का खंडन

एजेंसी

नई दिल्ली । केन्द्र सरकार का कहना है कि एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम भारत की ऊर्जा रणनीति का प्रमुख स्तंभ है। इसकी प्रगति वैज्ञानिक मूल्यांकन, चरणबद्ध कार्यान्वयन और सरकार, उद्योग और अनुसंधान संस्थानों के बीच सहयोग को दर्शाती है। कार्यक्रम ने ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत, उत्सर्जन को कम और किसानों के लिए आय के नए अवसर पैदा किए हैं। इसने कच्चे तेल के आयात को भी कम किया है और घरेलू स्तर पर उत्पादित नवीकरणीय ईंधन के उपयोग को बढ़ावा दिया है। ईबीपी कार्यक्रम स्वच्छ, अधिक लचीले और आत्मनिर्भर परिवहन ईंधन पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान देना जारी रखेगा। उल्लेखनीय है कि सोशल मीडिया पर लगातार एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर विभिन्न नकारात्मक दावे सामने आ रहे हैं। इन दावों में कहा जा रहा है कि एथेनॉल से गाड़ियों को नुकसान हो रहा है, जल संसाधन पर दवाब बढ़ रहा है और कार्यक्रम से लाभ होने की बजाय हानि हो रही है। इसी को लेकर पत्र सूचना कार्यालय ने विस्तार से

दावों का खंडन करते हुए स्थिति स्पष्ट की है। इन दावों पर स्पष्टीकरण देते हुए विस्तार से एक-एक दावे का खंडन किया गया है। सरकार का कहना है कि भारत अपनी खपत का लगभग 88.5 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। विदेशों से खरीदा गया तेल का प्रत्येक बैरल देश को मूल्य में उतार-चढ़ाव और आपूर्ति में अचानक होने वाली समस्याओं के जोखिम में डालता है, जिन पर उसका कोई नियंत्रण नहीं होता। भारतीय गन्ने, मक्का और चावल से उत्पादित एथेनॉल घरेलू संसाधनों का उपयोग करके इस जोखिम को कम करने का एक तरीका प्रदान करता है। सरकार के मुताबिक 2014-15 से विदेशी मुद्रा में 1.90 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत हुई है। 310 लाख मीट्रिक टन से अधिक कच्चे तेल का विकल्प का विकल्प तैयार हुआ है। करीब 930 लाख मीट्रिक टन कार्बन डाईऑक्साइड के उत्सर्जन में कमी आई है। वहीं, किसानों को 1.60 लाख करोड़ रुपये से अधिक की अतिरिक्त आय हुई है।

सरकार ने प्रश्नोत्तर के माध्यम से एथेनॉल से जुड़े दावों का खंडन और स्थिति स्पष्ट की है-

दावा - ई20 ईंधन से माइलेज 30 प्रतिशत तक कम हो जाता है।

स्थिति - 30 प्रतिशत का आंकड़ा केवल पेट्रोल की तुलना में इथेनॉल के कम कैलोरी मान को दर्शाता है, न कि वास्तविक माइलेज में गिरावट को। माइलेज ईंधन के प्रकार की तुलना में ड्राइविंग की आदतों, टायर के दबाव, सर्विसिंग और एसी लोड पर कहीं अधिक निर्भर करता है।

दावा- ई20 इंजनों विशेषकर पुराने इंजनों को नुकसान पहुंचाता है ।

स्थिति -ई20 के लॉन्च के बाद से इससे संबंधित इंजन फेलियर का कोई व्यापक मामला सामने नहीं आया है। ई20 को एसआईएएम, एआरएआई और आईओसीएल द्वारा वाहन निर्माताओं के साथ व्यापक परीक्षण के बाद ही मंजूरी दी गई थी।

दावा - इथेनॉल उच्च-प्रदर्शन वाला ईंधन नहीं है और वाहन के प्रदर्शन को कम करता है।

इस सप्ताह तीन कंपनियों के आईपीओ की लॉन्चिंग, दस कंपनियों के शेयरों की होगी लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में हलचल बनी रहने वाली है। हालांकि इस हलचल में आईपीओ लॉन्चिंग की हिस्सेदारी कम रहेगी, वहीं आईपीओ लिस्टिंग जम कर होगी। इस सप्ताह सिर्फ तीन कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें एक कंपनी का आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का है, जबकि शेष दो आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए खुले एक आईपीओ में भी 07 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है तो इस सप्ताह दस कंपनियां स्टॉक मार्केट में एंट्री करने वाली हैं। इनमें दो कंपनियां मेनबोर्ड सेगमेंट की और शेष आठ कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन 08 जुलाई को कुसुमगर लिमिटेड का 650 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 10 जुलाई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 398 रुपये प्रति शेयर से लेकर 419 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 35 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 15 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसके अगले दिन 09 जुलाई को देवसन कैटालिस्ट का 42.34 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 13 जुलाई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 112 रुपये प्रति शेयर से लेकर 118 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 16 जुलाई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

यूरिया, डीएपी और सल्फर ला रहे 15 जहाज सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरे : सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच एक बड़ी राहत की खबर है। यूरिया, डीएपी और सल्फर ला रहे 15 भारतीय जहाज सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर चुके हैं। ये जहाज भारत के बंदरगाहों की ओर बढ़ रहे हैं। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि पश्चिम एशिया में हाल के संघर्ष से भारत की उर्वरक आपूर्ति श्रृंखला पर अधिक असर नहीं पड़ा है। देश के लिए उर्वरक और कच्चा माल लाने वाले 20 में से 15 जहाज सुरक्षित होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर चुके हैं। मंत्रालय ने कहा कि इनमें से 8 जहाजों में 3.32 लाख टन यूरिया, चार जहाजों में 2.57 लाख टन डीएपी और 3 जहाजों में 1.11 लाख टन सल्फर है। ये सभी निर्धारित समय के अनुसार भारतीय बंदरगाहों

पर आ रहे हैं। वहीं, 5 और जहाज आने वाले हैं, जिनमें से एक जहाज में 0.25 लाख टन अमोनिया और दूसरे में 0.45 लाख टन यूरिया है। मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि अभी दो और यूरिया जहाजों और एक सल्फर जहाज पर माल लादा जा रहा है। उम्मीद है कि सभी योजना के अनुसार पहुंच जाएंगे। रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने कहा कि केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को बुरी तरह प्रभावित किया है। इससे उर्वरक की कीमतें बढ़ गई हैं और निर्यात में लगने वाला समय भी बढ़ा है। भारत भी इसके असर से अछूता नहीं रहा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि कीमतों में वैश्विक उछाल के बावजूद सरकार ने किसानों के हितों की रक्षा की है और इसका श्रेय प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में उर्वरक विभाग द्वारा उठाए गए सक्रिय कदमों को जाता है। उर्वरक संयंत्रों को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति पश्चिम एशिया संकट के दौरान लगभग 65 प्रतिशत तक घट गई थी, वह अब पूरी तरह से बहाल हो गई है। इससे देश भर के सभी यूरिया संयंत्र पूरी क्षमता से काम कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री यातायात में आई रुकावट के बीच उर्वरकों की आपूर्ति सुनिश्चित की है। सरकार ने कूटनीतिक प्रयासों के जरिये आपूर्ति के नये स्रोत तलाशे और ओमान, मलेशिया, वियतनाम, जॉर्जिया, नाइजीरिया, रूस, फिनलैंड, मिस्र, अल्जीरिया, तुर्किये और नीदरलैंड से यूरिया की आपूर्ति की व्यवस्था की।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में सबसे बड़ी रेल टनल के लिए विखरोली में बोरिंग का काम शुरू

एजेंसी

मुंबई। मुंबई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेलवे (बुलेट ट्रेन) परियोजना के लिए, पहली टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) ने आज विखरोली शाफ़्ट से बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में निर्माणाधीन मुंबई स्टेशन की ओर सुरंग खोदने का काम शुरू कर दिया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस को इस कार्य का औपचारिक शुभारंभ करना था लेकिन मौसम की प्रतिकूलता और रेड अलर्ट को देखते हुए कार्यक्रम कल देर रात रद्द कर दिया गया लेकिन मशीन ने सामान्य रूप से आज काम शुरू कर दिया। परियोजना को क्रियान्वित कर रहे राष्ट्रीय हाईस्पीड रेलवे निगम ने आज यहां बताया कि कुल 21 किलोमीटर लंबे भूमिगत सुरंग सेक्शन में से मुंबई में सावली (घंसोली) और बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) के बीच 16 किलोमीटर का हिस्सा टनल बोरिंग मशीन द्वारा बनाया जाएगा। बाकी 5 किलोमीटर का हिस्सा न्यू आस्ट्रियन टनलिंग मेथड (एनएटीएम) का इस्तेमाल करके पहले ही पूरा किया जा चुका है। विखरोली से लॉन्च की गई टीबीएम 6 कि.मी. लंबी एकल-ट्यूब सुरंग की खुदाई करेगी, जिसे बुलेट ट्रेन के अप और डाउन दोनों ट्रैकों को समायोजित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह मशीन बहुमंजिला इमारतों, सड़कों, मीठी नदी और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे सहित घने शहरी क्षेत्रों के नीचे से गुजरेगी। यह टीबीएम भारत में रेल सुरंग बनाने के लिए इस्तेमाल की गई अब तक की सबसे बड़ी मशीनों में से एक है। इसमें 13.6 मीटर व्यास (4 मंज़िला इमारत की ऊँचाई के बराबर) वाला एक बहुत बड़ा कटरहेड है, इसका वज़न 3,100 टन (500 एशियाई हाथियों के बराबर) है और इसकी कुल लंबाई 96 मीटर (एक फ़ुटबॉल मैदान की लंबाई (105 मीटर) के बराबर) है। मशीन में कटर व्हील/हेड, मेन बियरिंग, जॉ क्रशर, इरेक्टर, मेन शील्ड, टेल शील्ड और चार विशेष गैन्ट्री सहित कई प्रमुख घटक शामिल हैं जो सुरंग संचालन में मदद करते हैं। कटर व्हील 4 राउन्ड प्रति मिनट, यानी 4 चक्कर प्रति मिनट की गति से घूमता है। उपयोग में लाई जा रही मशीन मिक्सशील्ड टीबीएम है, जो एक उन्नत स्लरी-प्रकार की टनलिंग प्रणाली है।

वाणिज्यिक एवं औद्योगिक इस्तेमाल के लिए स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता छह साल में 100 गीगावाट होने की संभावनाः रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। वाणिज्यिक एवं औद्योगिक (सीएंडआई) इस्तेमाल के लिए विशेष तौर पर स्थापित देश की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता मौजूदा 32 गीगावाट से बढ़कर साल 2032 तक लगभग 100 गीगावाट पर पहुंचने की संभावना है। इंडिया एनर्जी स्टोरेज अलायंस (आईईएसए) और कस्टमाइज्ड एनर्जी सॉल्यूशंस (सीईएस) की एक संयुक्त रिपोर्ट में कहा गया है कि स्थापित क्षमता में वृद्धि के अलावा इस क्षेत्र में ऊर्जा भंडारण क्षमता 10 गुना से ज्यादा बढ़कर 31 गीगावाट प्रति घंटा तक पहुंचने की उम्मीद है। 'इंडिया स्टेशनरी स्टोरेज मार्केट फॉर सीएंडआई एप्लीकेशन्सः इनसाइट्स टिल 2032' नामक यह रिपोर्ट अगले सप्ताह नयी दिल्ली में होने वाले इंडिया एनर्जी स्टोरेज वीक (आईईएसडब्ल्यू) 2026 के दौरान जारी की जायेगी। रिपोर्ट के अनुसार, स्वच्छ ऊर्जा के लिए उद्योग जगत की बढ़ती मांग, ग्रिड टैरिफ में बढ़ोतरी और ऊर्जा की मजबूती जैसे मामलों को प्राथमिकता देने से इस क्षेत्र में वृद्धि दर्ज की जायेगी। इसमें नवीकरणीय ऊर्जा और भंडारण के इस्तेमाल को बढ़ाने में सरकार के स्तर पर नीतिगत उपायों को भी एक अहम कारक बताया गया है। रिपोर्ट में महाराष्ट्र की हाल ही में घोषित नवीकरणीय ऊर्जा और भंडारण नीति का जिक्र किया गया है।

मप्र के शिवपुरी में डिफेंस प्लांट का हुआ शिलान्यास, सिंधिया बोले- यहां बने हथियार युद्ध में चीरेंगे दुश्मन का सीना

एजेंसी

शिवपुरी। मध्य प्रदेश का शिवपुरी भी देश के उभरते रक्षा उत्पादन केंद्रों में शामिल होने जा रहा है। यहां केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकासमंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अदाणी समूह के लगभग 2,500 करोड़ रुपये के निवेश से बनने वाली अत्याधुनिक डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का शिलान्यास किया।

केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज शिवपुरी के इतिहास में नई इबारत लिखी जा रही है। यह सिर्फ एक डिफेंस फैक्टरी का शिलान्यास नहीं, बल्कि जिले को औद्योगिक विकास, रक्षा उत्पादन और आत्मनिर्भर भारत के विजन से जोड़ने वाला ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने कहा कि जब भी देश की रक्षा के लिए युद्ध होगा, तब शिवपुरी में बने हथियार और गोला-बारूद देश की सीमाओं तक पहुंचेंगे और युद्ध में दुश्मन का सीना चीरेंगे। यहां के युवाओं की मेहनत से तैयार होने वाले हथियार और मिशन-रेडी मिसाइलें दुश्मन का मुकाबला करेंगी और भारतीय सेना की ताकत बढ़ाएंगी। यह परियोजना देश की रक्षा क्षमता को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर सिंधिया ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से जिले के लिए करीब 100 करोड़ रुपये की सड़क परियोजना स्वीकृत करने की मांग की। उन्होंने कहा कि शिवपुरी भगवान शिव की नगरी है, इसलिए यहां 108 फीट ऊंची भगवान शिव की भव्य प्रतिमा स्थापित की जानी चाहिए। साथ ही उन्होंने जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की भी मांग उठाई।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संबोधन की शुरुआत हल्के-फुल्के अंदाज में की। उन्होंने केंद्रीय मंत्री सिंधिया की मांगों पर कहा कि आज महाराज की आवाज कुछ अलग ही नजर आई। ऐसा लग रहा था जैसे रोटी पर थोड़ा ज्यादा मक्खन लगा दिया हो। मुख्यमंत्री की इस टिप्पणी पर मंच पर मौजूद अतिथि और कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लोग मुस्कुरा उठे, जिससे कुछ देर के लिए माहौल हल्का हो गया। शिलान्यास कार्यक्रम में अदाणी समूह के निदेशक करण अदाणी और जीत अदाणी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने शिलान्यास से पहले प्रदर्शनी टेंट में हाईटेक हथियारों, मिसाइलों और डिफेंस इक्विपमेंट का जायजा लिया।

इस अवसर पर बताया गया कि इस मेगा प्रोजेक्ट में गोला-बारूद, हाईटेक हथियार, मिशन-रेडी मिसाइलें और हाईटेक डिफेंस प्रोडक्ट्स तैयार किए जाएंगे। पाली गांव में नेशनल हाईवे-27 के किनारे बनने वाली यह डिफेंस फैक्ट्री मध्य प्रदेश के औद्योगिक और रक्षा क्षेत्र के लिए गेमचेंजर मानी जा रही है। परियोजना से बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित होगा। स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर बनेंगे। शिवपुरी देश के डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग नेटवर्क में अपनी मजबूत पहचान दर्ज करेगा। कार्यक्रम में जीत अदाणी ने कहा- मध्य प्रदेश के शिवपुरी में अब हमारे देश के सबसे पावरफुल ग्रोथ स्टोरीज में से एक बन चुका है। जो मोमेंटम हम आज अभी देख रहे हैं, वह मुख्यमंत्री मोहन यादव और केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के लगातार सपोर्ट और स्टेट गवर्नमेंट के इंफ्रास्ट्रक्चर, इंडस्ट्री और एम्प्लॉयमेंट पर स्ट्रांग फोकस का रिजल्ट है। उन्होंने कहा कि अदाणी ग्रुप को इस जर्नी का हिस्सा होने पर बहुत गर्व है। पिछले साल भोपाल में हुए ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में हमारे चेयरमैन गौतम अदाणी ने मध्य प्रदेश में 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपये का इन्वेस्टमेंट अनाउंस किया था। यह इन्वेस्टमेंट पंप हाइड्रो स्टोरेज, सीमेंट, माइनिंग, लॉजिस्टिक्स और थर्मल एनर्जी सेक्टर्स में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में 2030 तक करीब एक लाख 20 हजार जॉब्स देंगे। हम जो भी कर रहे हैं, वो इस कमिटमेंट को आगे बढ़ाने के लिए है। उस कमिटमेंट को पूर्ण करने के लिए कर रहे हैं। हम कटनी जिले के आमेठा को 1200 मेगावाट पावर सप्लाई कर रहे हैं। साथ ही 5600 मेगावाट एडिशनल कैपेसिटी भी तैयार कर रहे हैं।

मौसम साफ होने के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर से अमेरिका 250 जश्न शुरू किया

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका अपना 250 स्वतंत्रता दिवस (अमेरिका 250) मना रहा है। वाशिंगटन में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का खास 'अमेरिका 250' जश्न चल रहा है। खराब मौसम के बीच आयोजकों ने घोषणा की कि नेशनल मॉल रात 9:45 बजे फिर से खुलेगा और राष्ट्रपति रात 11 बजे अपना भाषण देंगे, जबकि तेज तूफान के कारण जश्न कुछ समय के लिए रुक गया था। फ्रीडम 250 ने संशोधित कार्यक्रम की घोषणा तब की, जब अधिकारियों ने खराब मौसम की आशंका के चलते हजारों लोगों को शाम को नेशनल मॉल छोड़ने का आदेश दिया। फ्रीडम 250 की प्रवक्ता डेनियल अल्वारेज ने एक बयान में कहा, 'अमेरिका में जश्न मनाने का समय आ गया है। ' राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के निर्देशानुसार, नेशनल मॉल के द्वार रात 9:45 बजे फिर से खुलेंगे। 'सैल्यूट टू अमेरिका' समारोह जारी रहेगा, राष्ट्रपति रात 11:00 बजे भाषण देंगे और उसके बाद आतिशबाजी का शानदार प्रदर्शन होगा। बयान में आगे कहा गया कि बारिश हो या धूप, अमेरिकी जनता राष्ट्र के ऐतिहासिक 250वें स्वतंत्रता दिवस के जश्न मनाने की हकदार है। पिछले 250 वर्षों से, अमेरिकियों ने साहस, दृढ़ता और संकल्प के साथ हर चुनौती का सामना किया है। बारिश कभी भी हमारे गौरव, हमारी देशभक्ति या विश्व के इतिहास में सबसे महान राष्ट्र होने के हमारे उत्सव को कम नहीं कर सकती। '

अमेरिकी कांग्रेस की सुनवाई में सीआईए ने विश्वविद्यालयों, अस्पतालों और जेलों के इस्तेमाल की जांच की

वाशिंगटन। इस हफ्ते हुई कांग्रेस की एक सुनवाई में अमेरिकी खुफिया एजेंसी (सीआईए) के कोल्ड वॉर के दौर के एमके-अल्ट्रा प्रोग्राम की फिर से जांच शुरू हुई। इसमें सांसदों और एक्सपर्ट गवाहों ने आरोप लगाया कि एजेंसी ने दशकों तक इस प्रोग्राम के दायरे को छिपाए रखा और अमेरिका में यूनिवर्सिटी, हॉस्पिटल, जेल और दूसरी जगहों का इस्तेमाल करके बिना जानकारी वाले लोगों पर 'माइंड-कंट्रोल' (दिमाग पर काबू पाने) के एक्सपेरिमेंट किए। फेडरल सीक्रेट्स को सार्वजनिक करने के मामले में 'हाउस ओवरसाइट एंड अकाउंटेबिलिटी कमेटी' की टास्क फोर्स ने इतिहासकार स्टीफन किन्जर और पत्रकार टॉम ओ'नील के बयान सुने। उन्होंने तर्क दिया कि सीआईए प्रोग्राम के अहम पहलू अभी भी छिपे हुए हैं, क्योंकि कई रिकॉर्ड जान-बूझकर नष्ट कर दिए गए थे या उनमें से कई जानकारियां हटा दी गई थीं। सुनवाई की शुरुआत करते हुए टास्क फोर्स की अध्यक्ष अन्ना पॉलिना लुना ने कहा कि एमके-अल्ट्रा प्रोग्राम न तो कोई पॉलिसी की विफलता थी और न ही कोई ऐसा अति-उत्साही कार्यक्रम, जो नियंत्रण से बाहर हो गया हो।

पीओके में पाक सेना की बर्बरता के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन

लंदन। यूनाइटेड किंगडम में रहने वाले कश्मीरी समुदाय के कई लोगों ने सोमवार को लंदन स्थित पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की कार्रवाई की आलोचना करते हुए वहां मानवाधिकार बहाल करने की मांग की। यह प्रदर्शन ऐसे समय में हुआ है जब पीओके में लगातार तनाव की खबरें सामने आ रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, सुरक्षा बलों की कार्रवाई में कई नागरिकों के मारे जाने और घायल होने का दावा किया गया है। साथ ही क्षेत्र में कर्फ्यू, सख्त पाबंदियां और संचार सेवाएं बंद होने की भी बात कही जा रही है। जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएसी) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि लंदन में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रदर्शन कर समिति के समर्थन में आवाज उठाई और निर्दोष कश्मीरियों के खिलाफ कथित हिंसा का विरोध किया। समिति ने कहा कि यह प्रदर्शन उन लोगों के लिए संदेश है, जो बल प्रयोग के जरिए जन आंदोलन को दबाने की कोशिश कर रहे हैं। समिति ने कहा, 'ब्रिटेन में रहने वाले कश्मीरी अपने कश्मीरी भाइयों के साथ मजबूती से खड़े हैं और उनका समर्थन जारी रखेंगे। '

अमेरिका चंद्रमा पर फिर से पहुंचने की रेस में चीन से कर रहा प्रतिस्पर्धा, टाइमलाइन अब महीनों में तय : नासा प्रमुख

वाशिंगटन। नासा के प्रशासक जैरेड आइजैकमैन ने कहा है कि चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्रियों को दोबारा भेजने की होड़ में अमेरिका एक बार फिर चीन के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अब यह मुकाबला सालों नहीं, बल्कि महीनों में तय होगा, क्योंकि दोनों देश पृथ्वी से परे मानव की स्थायी मौजूदगी स्थापित करने की अपनी योजनाओं को तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। अमेरिका की आजादी की 250वीं सालगिरह के मौके पर सीबीएस के 'फेस द नेशन' पर एक इंटरव्यू में इसाकमैन ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं होना चाहिए कि बीजिंग चांद पर अंतरिक्ष यात्रियों को उतारने का इरादा रखता है, इसलिए वाशिंगटन के लिए जल्दी कदम उठाना जरूरी है। उन्होंने कहा, 'इसमें कोई शक नहीं है। जैसे, हम अभी अंतरिक्ष की रेस में हैं और चीनी बहुत तेज रफ्तार से आगे बढ़ रहे हैं। चीनी अपने टाइकोनॉट्स (चीन के अंतरिक्ष यात्रियों को दिया गया एक विशेष नाम) चांद पर उतारेंगे। इसमें कोई शक नहीं है।

वेनेजुएला में आए भूकंप के बाद मृतकों की संख्या में लगातार हो रही बढ़ोतरी, 3,342 तक पहुंचा मौत का आंकड़ा

एजेंसी

काराकास। वेनेजुएला में पिछले महीने आए दो तेज भूकंप से हुई तबाही का मंजर बेहद खौफनाक है। मौत का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। वेनेजुएला में आए भूकंप के झटकों से मरने वालों की संख्या बढ़कर 3,342 हो गई है, जबकि 16,740 लोग घायल हुए हैं, नेशनल असेंबली के प्रेसिडेंट जॉर्ज रोड्रिगेज ने यह जानकारी दी। रोड्रिगेज ने टेलीग्राम पर एक अपडेट में कहा कि बचाए गए लोगों की संख्या अभी भी 6,462 है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, एक आधिकारिक रिपोर्ट में कहा गया है कि 17,345 लोग बेघर भी हुए हैं। अपडेट के अनुसार, 24 जून को 7.2 और 7.5 तीव्रता के भूकंप के बाद से वेनेजुएला में 995 आफ्टरशॉक (कम तीव्रता के भूकंप) रिकॉर्ड किए गए हैं।

अधिकारियों ने बेघर और

प्रभावित लोगों की मदद के लिए 80 अस्थायी कैंप भी बनाए हैं। शनिवार के अपडेट के अनुसार, जिंदा बचे लोगों को ढूंढने के लिए 29,567 बचावकर्मी अभी भी तैनात हैं, जिनमें 3,281 विदेश से आए लोग शामिल हैं। इस बीच, वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने 24 जून को देश में आए जबरदस्त भूकंप के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए सात दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की। रोड्रिगेज ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'पीड़ितों की याद में मैंने बुधवार (स्थानीय समय) की शाम 6:00 बजे से सात दिनों के लिए राष्ट्रीय शोक घोषित करने का फैसला किया है। भारी दुख की इस घड़ी में हम इस त्रासदी से पीड़ित लोगों को गले लगाते हैं और उनके साथ रहने और उनकी रक्षा करने का अपना वादा दोहराते हैं। खतरनाक भूकंपों से हुए मानव जीवन के नुकसान से वेनेजुएला बुरी तरह टूट गया है। '

इससे पहले, पुर्तगाली सरकार ने भी वेनेजुएला में भूकंप के पीड़ितों, खासकर पुर्तगाली नागरिकों और पुर्तगाली मूल के लोगों के लिए रविवार (5 जुलाई) को राष्ट्रीय शोक दिवस मनाने की घोषणा की थी।पुर्तगाल के विदेश मंत्रालय के नए अपडेट के मुताबिक, पुर्तगाली नागरिकों और पुर्तगाली मूल के लोगों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 71 हो गई है, जिसमें 11 बच्चे शामिल हैं, जबकि 71 और लोग लापता हैं।

कार्यवाहक राष्ट्रपति रोड्रिगेज ने इससे पहले स्वास्थ्य श्रमिकों, सुरक्षा कर्मचारियों और फायरफाइटर्स से भूकंप की वजह से घर की दिक्कतों को दूर करने के लिए पैट्रिया प्लेटफॉर्म पर रजिस्टर करने को कहा था।

ट्रंप की धमकियों के बाद ईरान की चेतावनी- 'होर्मुज स्ट्रेट बाहरी ताकतों के लिए सैन्य शक्ति प्रदर्शन का मंच नहीं है'

एजेंसी

तेहरान। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी के बाद पलटवार करते हुए ईरान ने कहा है कि हॉर्मुज स्ट्रेट बाहरी ताकतों के लिए सैन्य शक्ति प्रदर्शन का मंच नहीं है। ईरान के एक वरिष्ठ राजनयिक ने आगाह किया कि इस रणनीतिक समुद्री मार्ग का इस्तेमाल सैन्य ताकत दिखाने के बजाय क्षेत्रीय स्थिरता और सुरक्षित नौवहन सुनिश्चित करने के लिए किया जाना चाहिए। ईरान के कानूनी और अंतरराष्ट्रीय मामलों के डिप्टी विदेश मंत्री काजम गरीबाबादी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'ईरान, स्ट्रेट में सुरक्षा का जिम्मेदार अधिकारी और गारंटर होने के नाते, इस संवेदनशील समुद्री मार्ग में किसी भी सैन्य आंदोलन के खिलाफ चेतावनी देता है।' न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, गरीबाबादी ने कहा कि स्ट्रेट की सुरक्षा पूरी तरह से ईरान और ओमान की जिम्मेदारी है। उन्होंने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के शुक्रवार को दिए गए संयुक्त बयान को खारिज कर दिया। बता दें, ब्रिटेन के पीएम स्टार्मर इस्तीफा देने का ऐलान कर चुके हैं और अगले प्रधानमंत्री के चुने जाने तक वह पद पर बने रहेंगे। अपने बयान में, स्टार्मर और मैक्रों ने इस समुद्री मार्ग को वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक जरूरी रूट बताते हुए कहा, 'स्ट्रेट से सभी देशों के जहाजों के लिए सुरक्षित ट्रांजिट फिर से शुरू करना वैश्विक चिंता का विषय है। '

उन्होंने कहा कि ओमान ने ब्रिटेन और फ्रांस के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करने पर सहमति जताई है कि उसके संप्रभु क्षेत्रीय जलक्षेत्र में नौवहन सुरक्षित रहे। उन्होंने यह भी जोर देकर कहा कि ब्रिटेन और फ्रांस हॉर्मुज स्ट्रेट में नौवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए जरूरत पड़ने पर व्यापक बहुराष्ट्रीय सैन्य मिशन तैनात करने के लिए भी तैयार हैं।

पाकिस्तान एयर फोर्स ग्रुप कैप्टन की गोली मारकर हत्या, महिला की मदद के दौरान हुआ हमला

एजेंसी

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद में शाहीन चौक के पास पाकिस्तान एयरफोर्स (पीएएफ) के ग्रुप कैप्टन की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। पाकिस्तान ऑब्जर्वर की शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार, एक अज्ञात युवक एक महिला को जबरदस्ती गाड़ी में बैठाने की कोशिश कर रहा था। उसी समय वहां से गुजर रहे ग्रुप कैप्टन आसिम तारिक ने बीच-बचाव करने और मामला शांत कराने की कोशिश की। रिपोर्ट के मुताबिक, युवक ने पिस्तौल निकालकर उन पर गोली चला दी। गोली लगने से ग्रुप कैप्टन आसिम तारिक की मौके पर ही मौत हो गई। बाद में उनका शव पाकिस्तान एयर फोर्स हॉस्पिटल भेज दिया गया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पुलिस ने पूछताछ के लिए निमरा नाम की महिला को हिरासत में लिया है। वहीं, संदिग्ध हमलावर और उसके साथी फरार हो गए।

इससे पहले शुक्रवार को, पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मोहम्मद जिले में पुलिस की गश्ती टीम पर हुए हमले में दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। इनमें

एक अतिरिक्त स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) भी शामिल थे। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार पुलिस ने बताया कि यह हमला मचनी इलाके में वारसाक लिफ्ट नहर के पास हुआ। हथियारबंद हमलावरों ने पुलिस की गश्ती गाड़ी को निशाना बनाया। इस हमले में अतिरिक्त एसएचओ और एलीट फोर्स के एक कांस्टेबल की मौत हो गई, जबकि गाड़ी का चालक घायल हो गया। शुरुआती इलाज के बाद उसे पेशावर इलाज के लिए भेजा गया। पुलिस का कहना है कि इस हमले के पीछे 'फितना अल खवारिज' के आतंकवादी थे। पाकिस्तान सरकार इस नाम का इस्तेमाल प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े आतंकवादियों के लिए करती है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, जिला प्रशासन के अधिकारी और बचाव दल मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया।

यह घटना ऐसे समय में हुई है जब पाकिस्तान में खासकर बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा जैसे सीमावर्ती इलाकों में, कानून-व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों और सुरक्षाबलों पर हमलों की घटनाएं बढ़ रही हैं।

फ्रांस-स्पेन सीमा पर फिर भड़की जंगल की आग, तेज हवा और गर्मी से बिगड़े हालात

एजेंसी

रोम। फ्रांस-स्पेन सीमा क्षेत्र में जंगल की आग भी जारी रही। पूर्वी पाइरेनीज इलाके में ट्रेविलाच के पास शनिवार रात शुरू हुई भीषण आग तेज हवा और भीषण गर्मी के कारण फिर से भड़क उठी। इस आग ने अब तक करीब 1,500 हेक्टेयर क्षेत्र में लगी वनस्पति को तबाह कर दिया है। आग बुझाने के लिए 700 से ज?यादा दमकलकर्मी लगातार काम कर रहे हैं। कई लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। वहीं, स्पेन के कैटेलोनिया में कोस्टा ब्रावा में लगी आग, जिसने 2,200 हेक्टेयर से ज?यादा इलाके को नुकसान पहुंचाया था, अब काफी हद तक काबू में है। हालांकि अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि नई हीटवेव की वजह से खतरा अभी बना हुआ है। पूर्वी पाइरेनीज के प्रीफेक्ट पियरे रेग्नॉल्ट डे ला मोथे ने बताया कि ट्रेविलाच की आग फिर से तेज हो गई है। उन्होंने कहा कि आग का फैलाव करीब 18 किलोमीटर तक है, इसलिए जमीन और हवा दोनों तरफ से बड़े पैमाने पर संसाधन लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि आग दोनों किनारों पर फिर से तेजी से फैल रही है।

फिलहाल 700 दमकलकर्मी, 200 वाहन और 9 विमान आग बुझाने में लगे हुए हैं। करीब 80 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है, जबकि आसपास के कई गांवों के लोगों से फिलहाल अपने घरों में ही रहने की अपील की गई है।

तेज हवा और भीषण गर्मी की वजह से हालात और मुश्किल हो गए हैं। दमकल अधिकारी कर्नल स्टीफन क्लर्क ने कहा, 'आग फिर से तेज हो रही है और हमें लगातार इससे लड़ना होगा।' अधिकारियों ने बताया कि कुछ समय के लिए आग की रफ्तार कम हुई थी, लेकिन हवा के चलते यह दोबारा भड़क उठी।

उधर, उत्तर-पूर्वी स्पेन के कोस्टा ब्रावा के पास शुक्रवार को लगी आग, जिसने 2,200 हेक्टेयर से ज?यादा इलाके को जला दिया था, रविवार सुबह तक काफी हद तक काबू में आ गई। हालांकि दमकल विभाग ने कहा कि आज का दिन मुश्किल हो सकता है क्योंकि पूरे स्पेन में फिर से भीषण गर्मी पड़ रही है।

रोशडेल ग्रूमिंग गैंग केस : पाकिस्तान ने यूके की जेल से रिहा शाबिर अहमद को नागरिक मानने से किया इनकार

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार यूके के रोशडेल में हुए ग्रूमिंग गैंग के सरगना की तरह ही वही दावा दोहरा रही है कि वह अब पाकिस्तानी नागरिक नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान रोशडेल में 'ग्रूमिंग गैंग' के मुख्य आरोपियों में से एक शाबिर अहमद को वापस लेने से इनकार कर रहा है। उसका कहना है कि शाबिर अहमद ने अपना पाकिस्तानी पासपोर्ट फाड़ दिया था और अब वह पाकिस्तान का नागरिक नहीं है। द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार, शबीर अहमद इस हफ्ते 30 नाबालिग लड़कियों से बलात्कार से जुड़े मामलों में 14 साल की सजा काटने के बाद जेल से रिहा हुआ। पाकिस्तान के अधिकारी और मंत्री कह रहे हैं कि वह अब पाकिस्तान का नागरिक नहीं है। इसी वजह से उसे उसके देश वापस भेजने में रुकावट आ रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि, 'ब्रिटेन सरकार का मानना है कि पाकिस्तान का उसे वापस लेने से इनकार करना, 1971 के इमिग्रेशन एक्ट की उस कानूनी

बाधा से भी बड़ी समस्या है, जो कॉमनवेल्थ नागरिक होने के कारण उसे ब्रिटेन से बाहर भेजने में रोक बन रही है। ' सरकारी सूत्र के हवाले से द टेलीग्राफ ने लिखा, '1971 के इमिग्रेशन एक्ट से जुड़ी समस्या का शायद कोई हल निकल सकता है, लेकिन पाकिस्तान वाला मामला उससे ज्यादा मुश्किल है। '

शबीर अहमद 1960 के दशक के आखिर में पाकिस्तान छोड़कर ब्रिटेन आया था और उसके पास दोनों देशों की नागरिकता थी। उसे 2012 में 22 साल की सजा सुनाई गई थी और 2016 में उसका ब्रिटिश पासपोर्ट रद्द कर दिया गया था ताकि जेल से रिहा होने के बाद उसके निर्वासन (डिपोर्टेशन) की प्रक्रिया को आसान बनाया जा सके। उसके पीड़ितों से वादा किया गया था कि उसे देश से निष्कासित किया जाएगा।

यूके में बच्चों के संगठित यौन शोषण की जांच के लिए निजी तौर पर फंड की गई संसदीय जांच की 219 पन्नों की रिपोर्ट के अनुसार, कई दशकों तक कम से कम 2,50,000 लड़कियों को सामूहिक दुष्कर्म, तस्करी, टॉर्चर और जबरदस्ती गर्भवती किए जाने का शिकार बनाया गया। इसमें ज?यादातर अपराधी पाकिस्तानी मुस्लिम मूल के थे और इसमें मदद करने वाले संस्थान मुख्य रूप से ब्रिटिश सरकार के थे।

यह रिपोर्ट 'सामूहिक दुष्कर्म इन्क्वायरी' नाम की एक निजी फंडिंग से कराई गई संसदीय जांच का हिस्सा है। इसकी अध्यक्षता रिफॉर्म यूके के सांसद रूपर्ट लोव ने की, जबकि इसकी संचालन प्रमुख सर्वाइवर और सामाजिक कार्यकर्ता सैमी वुडहाउस थीं। इस जांच के लिए 20,000 से ज्यादा लोगों ने आर्थिक मदद दी। इस जांच को कानूनी अधिकार प्राप्त नहीं थे, लेकिन इसमें पीड़ितों, व्हिसलब्लोअर्स, नेताओं और विशेषज्ञों की गवाही कई सार्वजनिक सुनवाई के दौरान शामिल की गई। यह जानकारी अमेरिका स्थित दक्षिण एशियाई टीवी नेटवर्क दीया टीवी की एक रिपोर्ट में दी गई।

अमेरिकी स्वतंत्रता दिवस पर पुतिन ने ट्रंप से की बात, यूक्रेन और द्विपक्षीय संबंधों पर हुई चर्चा

एजेंसी

मॉस्को। अमेरिका के 250वें स्थापना दिवस के मौके पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। रूसी राष्ट्रपति के सहयोगी यूरी उशाकोव ने इसकी जानकारी दी। अमेरिका अपने स्वतंत्रता दिवस यानी देश की स्थापना की 250वीं सालगिरह मना रहा है। न्यूज एजेंसी के अनुसार, उशाकोव ने पुष्टि की है कि राष्ट्रपति पुतिन ने ट्रंप को बधाई दी। राष्ट्रपति के सहयोगी ने कहा, 'यह बातचीत जाहिर है कि सिर्फ एक रूटीन प्रोटोकॉल वाली बातचीत नहीं थी, बल्कि व्यवसाय पर केंद्रित और बहुत रचनात्मक थी। दोनों नेताओं के बीच इस साल ये चौथी बातचीत थी। इससे द्विपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय एजेंडा के जरूरी मुद्दों पर खुलकर बातचीत हो सकी। ' वार्ता के दौरान राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने युद्धक्षेत्र की वास्तविक स्थिति का ब्यौरा देते हुए कहा कि रूसी सैनिक पूरे संपर्क मोर्चे (फ्रंटलाइन) पर आगे बढ़ रहे हैं। उशाकोव ने जोर देकर कहा कि यूक्रेन संघर्ष के बीच यूरोपीय देशों की संपर्क रेखा पर मौजूद वास्तविक हालात और समग्र स्थिति को लेकर धारणा त्रुटिपूर्ण है, और वे जमीनी परिस्थितियों का सही आकलन नहीं कर पा रहे हैं। दोनों देशों के संबंधों पर, दोनों राष्ट्रपतियों ने सैन्य-राजनीतिक और आर्थिक मोर्चों पर लगातार बातचीत बनाए रखने की अहमियत पर जोर दिया। उशाकोव ने कहा, 'इन मामलों में हमारे दोनों देशों के बीच आपसी फायदे वाले सहयोग की बहुत ज्यादा संभावनाएं हैं। ट्रंप ने जोर देकर कहा कि यूक्रेन संघर्ष का जल्द समाधान ऐसे सहयोग को शुरू करने के लिए एक जरूरी शर्त होगी। '

नाटो शिखर सम्मेलन से पहले अंकारा में कड़ी सुरक्षा, 46 संदिग्ध हिरासत में लिए गए

एजेंसी

अंकारा। तुर्की की राजधानी अंकारा में पुलिस ने 46 लोगों को हिरासत में लिया है। यह कार्रवाई 7-8 जुलाई को होने वाले नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (नाटो) शिखर सम्मेलन से पहले सुरक्षा व्यवस्था के तहत की गई। यह जानकारी तुर्की के मीडिया ने दी। तुर्की के मीडिया आउटलेट हैबरटर्क की रिपोर्ट के मुताबिक, यह अभियान अंकारा के चीफ पब्लिक प्रॉसिक्यूटर ऑफिस की निगरानी में चलाया गया। इसमें अंकारा पुलिस की पब्लिक सिक्योरिटी ब्रांच और दूसरी पुलिस इकाइयों ने भी हिस्सा लिया। रिपोर्ट के अनुसार, संदिग्धों की पहचान तकनीकी निगरानी और फिजिकल सर्विलांस के जरिए की गई। उन पर सोशल मीडिया पर हथियारों वाली तस्वीरें पोस्ट करने, लंबे आपराधिक रिकॉर्ड रखने और हथियारों से जुड़े कई मामलों में शामिल होने के आरोप हैं। पुलिस ने

शहर के कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की और कथित आपराधिक गतिविधियों से जुड़े सबूत भी बरामद किए। सभी संदिग्ध फिलहाल पुलिस हिरासत में हैं और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई जारी है। एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह अभियान नाटो शिखर सम्मेलन से पहले अंकारा में लागू की गई व्यापक सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा है। पुलिस ने सम्मेलन से जुड़े इलाकों में जांच बढ़ा दी है और सुरक्षा घेरा भी बड़ा कर दिया है। तय जगहों पर पुलिसकर्मी 24 घंटे तैनात हैं। तुर्की के अधिकारियों का कहना है कि सम्मेलन से पहले और उसके दौरान कानून-व्यवस्था और लोगों की सुरक्षा बनाए रखने के लिए सभी जरूरी कानूनी, प्रशासनिक और सुरक्षा इंतजाम कर लिए गए हैं। जांच और सुरक्षा अभियान आगे भी जारी रहेंगे।7 और 8 जुलाई को होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन में संगठन के 32 सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष और सरकार प्रमुख शामिल होंगे। इसके अलावा हजारों प्रतिनिधि, सुरक्षा कर्मी, पत्रकार और सहयोगी स्टाफ भी अंकारा पहुंचेंगे। इसे अंकारा में अब तक आयोजित सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में से एक माना जा रहा है। अधिकारियों ने बताया है कि सम्मेलन सिर्फ दो दिनों तक चलेगा, लेकिन सुरक्षा के विशेष इंतजाम उससे पहले और बाद तक लागू रहेंगे। सेमी-ऑफिशियल अनादोलु एजेंसी के मुताबिक, सम्मेलन के दौरान करीब 70,000 सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की जाएगी। अंकारा के गवर्नर कार्यालय ने 28 जून से 10 जुलाई तक सभी बैठकों, प्रदर्शनों, धरनों, रैलियों और इसी तरह की दूसरी गतिविधियों पर रोक लगा दी है।

फ्रांस में भारतीय समुदाय से मिलीं निर्मला सीतारमण, बोलीं- भारतीय प्रवासी भारत की सॉफ्ट पावर के मजबूत स्तंभ

एजेंसी

पेरिस। भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फ्रांस में भारतीय समुदाय को संबोधित किया और एक मजबूत ताकत के तौर पर उनकी भूमिका की सराहना की, जो भारत के सॉफ्ट पावर, ग्लोबल स्टैंडिंग और द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाती है। उन्होंने फ्रांस के मार्सिले में एक सभा में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए मुख्य भाषण दिया। वित्त मंत्रालय के अनुसार, बाद में सीतारमण ने भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी बातचीत की। उन्होंने फ्रांस के कैडाराचे में इंटरनेशनल थर्मोन्यूक्लियर एक्सपेरिमेंटल रिएक्टर (आईटीईआर) प्रोजेक्ट में योगदान देने वाले लार्सन एंड टूब्रो (एलएंडटी) के भारतीय प्रोफेशनल्स से भी बातचीत की। आईटीईआर एक बड़े पैमाने पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग है जिसका मकसद दुनिया का सबसे बड़ा एक्सपेरिमेंटल टोकामक न्यूक्लियर फ्यूजन रिएक्टर बनाना है। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी कि इस प्रोजेक्ट में भारत समेत सात मुख्य सदस्य देश शामिल हैं और कई दूसरे देशों के साथ और भी सहयोग समझौते किए गए हैं।वित्त मंत्री सीतारमण ने एलेन बेकौलेट और कट्टालाई रामचंद्रन श्रीराम का एक प्रेजेंटेशन और आईटीईआर में भारत के योगदान को भी देखा। बाद में, गाइडेड विजिट के दौरान, वित्त मंत्री को आईटीईआर की सुविधाओं के बारे में बताया गया, जिसमें क्लीनिंग हॉल और असेंबली हॉल वॉक और टोकामक पिट का नजारा दिखाया गया।वित्त मंत्री ने आईटीईआर एक्सपेरिमेंट में लगे इंजीनियरों और वैज्ञानिकों के समर्पण की सराहना की, जो दुनिया के सबसे बड़े न्यूक्लियर फ्यूजन एनर्जी प्रोजेक्ट्स में से एक है और भविष्य के लिए स्थिर और असीमित स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने भारतीय वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और सहयोगियों के काम की भी सराहना की, साथ ही एलएंडटी, इनोक्स इंडिया, टीसीएस, टीसीई, एचसीएल टेक्नोलॉजी जैसे जाने-माने औद्योगिक दिग्गजों की भी सराहना की, जो पिछले दो दशकों से इस प्रोजेक्ट में योगदान दे रहे हैं। इससे पहले, भारत और फ्रांस ने जरूरी मिनरल्स, आर्थिक संप्रभुता और सुरक्षा नीति में ज्यादा द्विपक्षीय सहयोग के लिए संभावित क्षेत्रों पर चर्चा की और दोनों देशों के बीच वित्तीय उद्योग के कनेक्शन को और बढ़ाया।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अंकारा समिट के लिए नाटो का तय किया एजेंडा, जेलेंस्की से भी करेंगे मुलाकात

एजेंसी

वाशिंगटन । व्हाइट हाउस ने बताया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रक्षा खर्च, दायित्वों का साझा निर्वहन और रक्षा औद्योगिक सहयोग पर फोकस करने वाले नाटो समिट के लिए अंकारा जाएंगे। इस समिट में उनकी बैठक तुर्किए के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन, यूक्रेन के प्रेसिडेंट वोलोडिमिर जेलेंस्की और सीरिया के अपने समकक्ष अहमद अल-शरा के साथ तय है। अमेरिका राष्ट्रपति ट्रंप सोमवार शाम को व्हाइट हाउस से निकलेंगे और मंगलवार दोपहर को तुर्किए की राजधानी पहुंचेंगे। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एना केली ने कहा कि स्टेट अराइवल सेरेमनी और ऑनर गार्ड रिव्यू में हिस्सा लेने से पहले एर्दोगन उनका स्वागत करेंगे, जिसके बाद दोनों देशों के बीच बातचीत होगी। मंगलवार शाम को ट्रंप नाटो के नेताओं के सोशल डिनर में शामिल होंगे। बुधवार को, वह नाटो नेताओं के वर्किंग सेशन में शामिल होने से पहले आधिकारिक वेलकम और फैमिली फोटो में हिस्सा लेंगे। बाद में वह प्रेस कॉन्फ्रेंस करने और अंकारा से निकलने से पहले जेलेंस्की और अल-शरा के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। केली ने कहा कि ट्रंप बुधवार शाम को व्हाइट हाउस लौटने वाले हैं। नाटो में अमेरिकी राजदूत मैथ्यू जी. व्हिटेकर ने कहा कि अंकारा समिट में पिछले साल हेग समिट में तय हुए रक्षा खर्च के कमिटमेंट्स की दिशा में सहयोगी देशों की प्रोग्रेस को मापा जाएगा।

डीआर कांगो में इबोला का कहर जारी, 1,528 मामलों के बीच 492 लोगों की मौत

एजेंसी

किंशासा। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इबोला के 1,528 कन्फर्म मामले सामने आए हैं, जिनमें 492 मौतें शामिल हैं, क्योंकि देश में इस बीमारी का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। डीआरसी के पब्लिक हेल्थ अधिकारियों की ओर से शनिवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, कुल 239 मरीज ठीक हो चुके हैं, जबकि 628 कन्फर्म मरीज अभी आइसोलेशन में हैं या अस्पताल में भर्ती हैं। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारियों ने 185 संदिग्ध मामलों की भी पहचान की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हर हफ्ते कन्फर्म मामलों की संख्या बढ़ती जा रही है। महामारी विज्ञान के हिसाब से 25वें और 26वें हफ्ते में सबसे ज्यादा मामले दर्ज किए गए - दोनों हफ्तों में 300 से ज़्यादा मामले सामने आए - जो कम्युनिटी ट्रांसमिशन (समुदाय में संक्रमण फैलने) के जारी रहने का संकेत है। रिपोर्ट में कई बड़ी चुनौतियों का जिक्र किया गया है, जैसे कि पोस्टमार्टम के लिए सैंपल लेने का समुदाय द्वारा विरोध, इबोला इलाज केंद्रों में क्षमता की कमी (खासकर पूर्वी प्रांत नॉर्थ किवु में), कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग (संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाना) ठीक से न हो पाना, लैब में जांच में देरी, मेडिकल और संक्रमण से बचाव के सामान की कमी, असुरक्षा और कुछ प्रभावित इलाकों तक सीमित पहुंच। एक ऑनलाइन मीडिया ब्रीफिंग में बोलते

हुए, अफ्रीका के लिए डब्ल्यूएचओ के क्षेत्रीय निदेशक मोहम्मद याकूब जनाबी ने कहा कि स्थिति गंभीर बनी हुई है और पूर्वी प्रांतों इटुरी और नॉर्थ कीवू में संक्रमण फैल रहा है। अनुसार, जनाबी ने कहा कि मौजूदा प्रकोप अब तक का सबसे बड़ा बुंडिबुग्यो इबोला प्रकोप है।

डीआरसी में डब्ल्यूएचओ के विशेषज्ञ पियरे अकिलिमाली ने कहा कि यह प्रकोप उन इलाकों में फैल रहा है जो असुरक्षा और हथियारबंद समूहों की गतिविधियों से प्रभावित हैं, जिससे मामलों का पता लगाना और कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग करना मुश्किल हो रहा है। इटुरी के कुछ प्रभावित इलाके माइनिंग जोन हैं, जहां बाहर से लोगों की लगातार आवाजाही से वायरस फैलने का खतरा बढ़ गया है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि डीआरसी में बुंडिबुग्यो वायरस से होने वाले इबोला के संभावित इलाज का मूल्यांकन करने के लिए मरीजों को शामिल करते हुए एक क्लिनिकल ट्रायल शुरू किया गया है। इस वायरस के लिए अभी कोई मान्यता प्राप्त वैक्सीन या खास इलाज उपलब्ध नहीं है। इस बीच, युगांडा में डब्ल्यूएचओ के विशेषज्ञ बेंजामिन सेंसासी ने कहा कि गुरुवार तक देश में 20 कन्फर्म मामले सामने आए हैं, जिनमें 15 मामले बाहर से आए लोगों के हैं। बाकी पांच स्थानीय रूप से संक्रमित लोगों की पहचान क्वारंटाइन के दौरान हुई और समुदाय में संक्रमण फैलने का कोई मामला नहीं देखा गया है। सेंसासी ने बताया कि युगांडा और डीआरसी ने सीमा-पार संयुक्त प्रतिक्रिया तंत्र स्थापित किया है और एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत दोनों देश निगरानी संबंधी जानकारी साझा करेंगे और सीमावर्ती क्षेत्रों में स्क्रीनिंग और उपचार क्षमता को मजबूत करेंगे।

page 1 and 8 July 7_page 1 Mar 25 final ds.qxd 7/7/2026 12:52 AM Page 2

एसीबी ने कुपवाड़ा के करनाह में 5.57 करोड़ रुपये के अनाज गबन मामले में 14 लोगों पर केस दर्ज किया

श्रीनगर, 06 जुलाई (हि.स.)। एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने सोमवार को कहा कि उसने कुपवाड़ा जिले के करनाह इलाके में 5.57 करोड़ रुपये के सरकारी अनाज के कथित गबन के लिए खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले विभाग के पांच अधिकारियों और नौ उचित मूल्य की दुकान डीलरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

जारी एक बयान में एक प्रवक्ता ने कहा कि सक्षम प्राधिकारी यानी जे एंड के केंद्र शासित प्रदेश के जनरल प्रशासनिक विभाग से पूर्व मंजूरी मिलने के बाद एसीबी पुलिस स्टेशन बारामूला में एफआईआर नंबर 02/2026 दर्ज की गई है। यह मामला भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित) की धारा 13(1)(ए) और 13(2), और भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 61(2) और 316(5) के तहत दर्ज किया गया है।उन्होंने कहा कि यह मामला खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले विभाग, कश्मीर के निदेशक से मिली जानकारी के आधार पर दर्ज किया गया है। विभागीय निरीक्षण और भौतिक सत्यापन में सरकारी अनाज की भारी कमी पाए जाने के बाद अधिकारियों और डीलरों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की मांग की गई थी। सरकारी बिक्री केंद्रों और उचित मूल्य की दुकानों पर की गई संयुक्त औचक जांच में शुरू में लोथा गोदाम, करनाह कुपवाड़ा में 4,175.89 क्विंटल चावल की कमी का पता चला था। प्रवक्ता ने कहा कि इसके बाद विभागीय उप-समिति द्वारा व्यापक भौतिक सत्यापन और एसीबी द्वारा विस्तृत जांच में कुपवाड़ा जिले के तंगधार, करनाह ए और करनाह-बी सर्कल के तहत आने वाले विभिन्न बिक्री केंद्रों और उचित मूल्य की दुकानों पर भारी कमी का पता चला। इससे सरकारी खजाने को 5,57,18,657.25 रुपये (लगभग 5.57 करोड़ रुपये) का नुकसान हुआ। यह एक सुनियोजित आपराधिक साजिश थी जिसमें लोक सेवक और निजी लाभार्थी शामिल थे जिन्होंने गैर-कानूनी आर्थिक लाभ के लिए अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग करते हुए उन्हें सौंपे गए सरकारी अनाज का बेईमानी से गबन किया और सरकारी खजाने को भारी नुकसान पहुंचाया। उन्होंने कहा कि जांच-पड़ताल के दौरान मिली जानकारी के आधार पर एसीबी ने आरोपी सरकारी कर्मचारियों और डीलरों के खिलाफ आपराधिक कदाचार, आपराधिक विश्वासघात, सरकारी अनाज का गबन और आपराधिक साजिश से जुड़े अपराधों के लिए मामला दर्ज किया है। इस मामले में उमर बशीर उर्फ राजा उमर (तत्कालीन असिस्टेंट स्टोरकीपर), आशिक हुसैन मीर (तत्कालीन असिस्टेंट स्टोरकीपर) के साथ-साथ बारह अन्य आरोपी शामिल हैं जिनमें सरकारी कर्मचारी और फेयर प्राइस शॉप डीलर भी हैं। उन्होंने कहा कि मामला दर्ज होने के तुरंत बाद कई जगहों पर तलाशी ली जा रही है और कानून के मुताबिक आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

नेहरू सरकार की तुष्टिकरण की नीति के खिलाफ डॉ. मुखर्जी ने किया था शंखनादः मुख्यमंत्री

पश्चिम बंगाल भारत का हिस्सा है तो उसमें डॉ. मुखर्जी की भूमिका अहमः सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर निवेदित की श्रद्धा, प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

***लखनऊ, 6 जुलाई।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को भारत माता का महान सपूत, प्रखर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, शिक्षाविद् बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुच्छेद-370 के खिलाफ नेहरू सरकार की तुष्टिकरण की वह नीति, जो देश की एकता और अखंडता को चुनौती दे रही थी, डॉ. मुखर्जी ने उसके खिलाफ शंखनाद किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की भाजपा सरकार ने 2019 में कश्मीर में अनुच्छेद-370 समाप्त कर डॉ. मुखर्जी के सपनों को साकार किया और कश्मीर में भी बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान को प्रभावी ढंग से लागू किया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश के पहले उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी 125वीं जयंती पर उनके प्रति श्रद्धा निवेदित की। सीएम योगी ने सिविल अस्पताल स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पार्चन भी किया।

*पश्चिम बंगाल भारत का हिस्सा है तो उसमें डॉ. मुखर्जी की भूमिका अहम*मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी आजादी के आंदोलन में प्रमुखता से जुड़े। बंगाल को जब पाकिस्तान का हिस्सा बनाने की चालें चली जा रही थीं, तो श्यामा प्रसाद मुखर्जी इसके खिलाफ खड़े हुए। आज का पश्चिम बंगाल यदि भारत का हिस्सा है तो इसमें जिन महान नेताओं ने खुद को समर्पित कर आंदोलन का हिस्सा बनाया और इसके खिलाफ आवाज बुलंद की, उसमें डॉ. मुखर्जी का नाम प्रमुखता से लिया जा सकता है। उन्होंने स्वतंत्र भारत के मंत्री के रूप में खाद्य नीति व उद्योग नीति को प्रमुखता से लागू किया। सीएम ने कहा कि जब नेहरू सरकार की तुष्टिकरण की नीति देश की अखंडता के सामने चुनौती बनी तो सत्ता की राजनीति को तिलांजलि देते हुए वे सरकार से अलग हो गए। भारतीय जनसंघ के गठन के बाद संस्थापक अध्यक्ष के रूप में राष्ट्र की अखंडता के लिए उन्होंने 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान व दो निशान नहीं चलेगा' का उद्घोष करते हुए कश्मीर की परमिट प्रणाली का विरोध किया। इस पर उन्हें गिरफ्तार किया गया। 1953 में कश्मीर में ही उनका बलिदान हो गया।

डॉ. मुखर्जी को आदर्श मानने वाली भाजपा पश्चिम बंगाल में बनी शासन का हिस्सा सीएम योगी ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने जिस पश्चिम बंगाल को पाकिस्तान के खूनी पंजे से बचाने में महती भूमिका का निर्वहन किया, वही पश्चिम बंगाल आज श्यामा प्रसाद मुखर्जी को अपना आदर्श मानने वाली भाजपा के शासन का हिस्सा बना है। डबल इंजन सरकार पश्चिम बंगाल में डॉ. मुखर्जी से जुड़े स्थलों के पुनरुद्धार के लिए कार्य कर रही है। *महज 33 वर्ष की आयु में कोलकाता विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में दीं सेवाएं* मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म 1901 में बंगाल में हुआ था। उच्च शिक्षा अर्जित करने के साथ ही प्राध्यापक के रूप में उन्होंने जीवन की शुरुआत की। महज 33 वर्ष की उम्र में उन्होंने कोलकाता विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में महत्वपूर्ण सेवाएं दीं।

कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, प्रदेश सरकार के मंत्री सूर्य प्रताप शाही, स्वतंत्र देव सिंह, कपिलदेव अग्रवाल, विधायक नीरज बोरा, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, पूर्व विधायक सुरेश तिवारी, भाजपा के महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

स्थानीय समाचार

एक छात्र स्कूल के अंदर बंद पाया गया; सीईओ रामबन ने पूरे स्टाफ को निलंबित किया और जांच के दिए आदेश

बनिहाल, 06 जुलाई (हि.स.)। रामबन के मुख्य शिक्षा अधिकारी (सीईओ) ने सरकारी मिडिल स्कूल क्रावाह, जोन बनिहाल के पूरे स्टाफ को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई तब की गई जब एक छात्र कई घंटों तक स्कूल परिसर में बंद पाया गया। इस घटना के बाद अधिकारियों ने उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं।

प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा (किंडरगार्टन-12) सीईओ रामबन द्वारा जारी एक आधिकारिक आदेश के अनुसार यह घटना 4 जुलाई 2026 को हुई जब एक छात्र रात लगभग 8:00 बजे स्कूल भवन में बंद पाया गया। यह समय स्कूल के समय के काफी बाद और ग्रीष्मकालीन अवकाश शुरू होने से पहले का था। आदेश में इस घटना को छात्रों की सुरक्षा और निगरानी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से प्रथम दृष्टया घोर लापरवाही और कर्तव्य की उपेक्षा का मामला बताया गया है। इसमें कहा गया है कि ऐसी लापरवाही से बच्चे के जीवन और सुरक्षा को खतरा हो सकता था। जांच के नतीजे आने तक जम्मू और कश्मीर सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम 1956 के नियम 31 के तहत सरकारी मिडिल स्कूल क्रावाह, जोन बनिहाल के सभी कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन की अवधि के दौरान कर्मचारी अगले आदेश तक उसी स्कूल से जुड़े रहेंगे।

डोडा में विश्व जूनोसिस दिवस पर जागरूकता अभियान आयोजित

डोडा, 6 जुलाई। स्वास्थ्य विभाग डोडा ने सोमवार को विश्व जूनोसिस दिवस के अवसर पर जिले के सभी चिकित्सा खंडों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को जूनोटिक रोगों तथा इनके संक्रमण की रोकथाम के उपायों के बारे में जानकारी दी।

मुख्य जिला स्तरीय कार्यक्रम सरकारी एएनएमटी स्कूल डोडा में जिला स्वास्थ्य समिति के अंतर्गत एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें विद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सत लाल मनहास, ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ. अब्दुल गफूर, विद्यालय की प्राचार्य विद्या कोतवाल, महामारी विशेषज्ञ उमर इनायत, स्वास्थ्य शिक्षक संजीव राणा, आईडीएसपी की डाटा प्रबंधक रोमा शर्मा तथा एएनएमटी स्कूल की प्रशिक्षक साइमा कौसर उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत उमर इनायत के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने विश्व जूनोसिस दिवस के महत्व, जूनोटिक रोगों के प्रकार, उनके फैलने के तरीकों तथा रोकथाम के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। डॉ. सत लाल मनहास ने कहा कि पशुओं से मनुष्यों में फैलने वाले संक्रमणों की रोकथाम के लिए व्यापक जन-जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने-अपने क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता के दूत बनने का आह्वान किया। डॉ. अब्दुल गफूर ने जूनोटिक रोगों की रोकथाम और नियंत्रण पर व्याख्यान देते हुए व्यक्तिगत स्वच्छता, सुरक्षित भोजन, पशुओं के टीकाकरण और संदिग्ध मामलों की समय पर सूचना देने के महत्व पर बल दिया।

महाराजा गुलाब सिंह मेमोरियल नाइट वॉलीबॉल टूर्नामेंट का समापन, बाबा सिद्ध गोरिया स्वांखा बनी विजेता

सांबा, 06 जुलाई (हि.स.)। प्रथम महाराजा गुलाब सिंह मेमोरियल नाइट वॉलीबॉल टूर्नामेंट का ग्रैंड फिनाले उत्साह और रोमांच के बीच संपन्न हुआ। समापन समारोह में उपायुक्त सांबा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। फाइनल मुकाबले में बाबा सिद्ध गोरिया स्वांखा ने रिहियां ए को हराकर खिताब अपने नाम किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में खेल प्रेमी, स्थानीय लोग और युवा मौजूद रहे। उपायुक्त ने विजेता और उपविजेता टीमों को बधाई देते हुए आयोजकों के

प्रयासों की सराहना की। उन्होंने हा कि ऐसे खेल आयोजन युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और फिटनेस को बढ़ावा देते हैं। समारोह के अंत में विजेता टीम, उपविजेता और उत्कृष्ट खिलाड़ियों को ट्रॉफी व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट का समापन उत्सवपूर्ण माहौल में हुआ।

बावा कैलख देव मंदिर पहुंचे कैबिनेट मंत्री सतीश शर्मा, सोलर सुविधाओं और खेल सामग्री देने की घोषणा

जम्मू, 06 जुलाई (हि.स.)। कैबिनेट मंत्री सतीश शर्मा ने बावा कैलख देव मंदिर पहुंचकर माथा टेकते हुए पूजा-अर्चना की और प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर का दौरा कर वहां संचालित विभिन्न सामाजिक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों की जानकारी भी प्राप्त की। मंदिर प्रबंधक कमेटी के प्रधान शक्ति दत्त शर्मा ने मंत्री को मंदिर परिसर में संचालित सामाजिक सेवाओं और जनहित कार्यों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि कमेटी धार्मिक गतिविधियों के साथ-साथ समाजसेवा के विभिन्न कार्यक्रम भी नियमित रूप से संचालित कर रही है। कमेटी की ओर से रखी गई मांगों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए कैबिनेट मंत्री सतीश शर्मा ने मंदिर परिसर में सोलर लाइटें तथा पांच किलोवाट क्षमता का सोलर इन्वर्टर स्थापित कराने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस पहल से मंदिर परिसर में ऊर्जा संबंधी सुविधाएं बेहतर होंगी और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर मंत्री ने बच्चों के लिए खेल सामग्री भी भेंट की तथा युवाओं और बच्चों को खेल गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास का माध्यम हैं बल्कि अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ जीवनशैली को भी प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने युवाओं से नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहकर खेलों और रचनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रभाकर खजुरिया, उत्तम सिंह चिब, कमल शर्मा, सुनील राका, सुभाष सेठ, ठाकुर कश्मीर सिंह, पवन भाऊ, गुलशन शर्मा (सरपंच), दिलावर सिंह, रजत सूदन, डॉ. शुभनंदन, दीप राज शर्मा सहित मंदिर प्रबंधक कमेटी के सदस्य एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जम्मू विश्वविद्यालय के भद्रवाह परिसर में तीन दिवसीय पीस एजुकेशन प्रोग्राम का शुभारंभ

आमिर इकबाल खान

भद्रवाह, 6 जुलाई। विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक सशक्तिकरण और समग्र व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए जम्मू विश्वविद्यालय के भद्रवाह परिसर ने द प्रेम रावत फाउंडेशन के सहयोग से रविवार को तीन दिवसीय पीस एजुकेशन प्रोग्राम (पीईपी) का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को डिजिटल थकान, शैक्षणिक दबाव और मानसिक तनाव जैसी आधुनिक चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए उनकी आंतरिक क्षमताओं से परिचित कराना है।

कार्यक्रम का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन मुख्य अतिथि एवं भद्रवाह परिसर के रेक्टर प्रोफेसर राहुल गुप्ता ने किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों और डिग्रियों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उसका उद्देश्य संवेदनशील, नैतिक और सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने वाले नागरिकों का निर्माण करना भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के तेज़ी से बदलते दौर में विद्यार्थियों के भीतर भावनात्मक मजबूती और नैतिक मूल्यों का विकास अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की मूल्य आधारित एवं समग्र शिक्षा की अवधारणा के अनुरूप है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अकादमिक समन्वयक डॉ. कुलजीत सिंह ने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों में आत्मचिंतन और मानसिक संतुलन के लिए ऐसे कार्यक्रमों की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि आज का युवा चिंता, अनिश्चितता और डिजिटल दबाव जैसी अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों और शिक्षकों को मानसिक स्पष्टता, आत्मविश्वास और संतुलित जीवन जीने के व्यावहारिक उपाय उपलब्ध कराते हैं।

सुरिंदर ने VCA समर कप चेस 2026 जीता

नीतिका ने बेस्ट वुमन और मानुश्री ने बेस्ट -10 का खिताब जीता

जम्मू, 6 जुलाई। सुरिंदर गुप्ता ने VCA समर कप चेस 2026 जीता। यह टूर्नामेंट अकादमी के खिलाड़ियों के बीच आयोजित किया गया था। जून-जुलाई समर कप चेस में लगभग 22 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। टूर्नामेंट पॉइंट्स सिस्टम पर आधारित था। हर कैटेगरी - ओपन, महिला और -10 - में सबसे ज्यादा पॉइंट्स पाने वाले खिलाड़ियों को फ़ाइनल में जगह मिली।

इस मौके पर समाज कल्याण विभाग की असिस्टेंट क्राफ़्ट टीचर दीपिका कपूर मुख्य अतिथि थीं और उन्होंने विजेताओं को 3,000 रुपये का नकद इनाम और मेडल दिए।

फ़ाइनल नतीजे इस प्रकार थे ओपन कैटेगरी अमृता - सबसे ज़्यादा पॉइंट्स के आधार पर सीधे फ़ाइनल में सेमीफ़ाइनल सुरिंदर ने केशव को हराया आद्विक ने अध्ययन को हराया

फ़ाइनल

सुरिंदर ने आद्विक को हराया

सुपर फ़ाइनल

सुरिंदर और अमृता के बीच मैच ड्रॉ रहा

टाई-ब्रेक मैच (3+2 क्लॉक टाइम) में सुरिंदर जीते और टूर्नामेंट अपने नाम किया।

महिला कैटेगरी

सेमीफ़ाइनल- नीतिका ने अंजलि को हराया गुंजन ने मानुश्री को हराया

फ़ाइनल- नीतिका ने गुंजन को हराया और बेस्ट वुमन का इनाम जीता - 10 कैटेगरी, सेमीफ़ाइनल, मानुश्री ने दिव्यांश को हरायाप्रिंस ने रिथ्येश को हराया

फ़ाइनल

मानुश्री ने प्रिंस को हराया और बेस्ट -10 का इनाम जीता

विजेता हैं -

पहला स्थान- सुरिंदर गुप्ता, दूसरा स्थान- अमृता गुप्ता, तीसरा स्थान- आद्विक गुप्ता, बेस्ट वुमन- नीतिका निषाद, बेस्ट -10- मानुश्री निश्चल

एक साथ रंग मंडल ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया नशामुक्त समाज का संदेश

जम्मू, 06 जुलाई (हि.स.)। एक साथ रंग मंडल ने अपनी सोमवार थिएटर श्रृंखला के तहत 524वें सोमवार थिएटर का आयोजन करते हुए जम्मू के स्मैलपुर गांव में 卐नशा मुक्त समाज बनाएं卐 विषय पर एक प्रगतिशील नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। नाटक का उद्देश्य समाज, विशेषकर युवाओं को नशे की बढ़ती प्रवृत्ति के प्रति जागरूक करना और परिवारों की भूमिका को रेखांकित करना था। नाटक के माध्यम से सामाजिक कार्यकर्ता तरसेम लाल ने संदेश दिया कि नशे की रोकथाम में परिवार की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

उन्होंने कहा कि माता-पिता, भाई-बहन और अभिभावकों को बच्चों की दिनचर्या, व्यवहार, मित्र मंडली और खान-पान की आदतों पर नियमित नजर रखनी चाहिए। यदि किसी बच्चे के व्यवहार, स्वास्थ्य या मानसिक स्थिति में असामान्य बदलाव दिखाई दें तो इसे गंभीरता से लेते हुए समय रहते उचित कदम उठाने चाहिए।उन्होंने बताया कि अत्यधिक सुस्ती, कमजोरी या लंबे समय तक सोने जैसी आदतें कई बार नशे की लत के संकेत हो

सकती हैं। ऐसे मामलों में परिवारों को बिना देर किए चिकित्सकों, पुनर्वास केंद्रों और आवश्यकता पड़ने पर पुलिस की सहायता लेकर बच्चों को सही मार्ग पर लाने का प्रयास करना चाहिए। तरसेम लाल ने नशे के शिकार लोगों और उनके परिवारों को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने कहा कि एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में उनका संकल्प नशे की गिरफ्त में आए लोगों को नई जिंदगी देने और समाज को इस बुराई से मुक्त बनाने का है। नाटक को देखने पहुंचे ग्रामीणों ने इसकी विषयवस्तु और सामाजिक संदेश की सराहना करते हुए इसे जनजागरूकता की दिशा में एक प्रभावी पहल बताया। नुक्कड़ नाटक में शालिजा सिंह, रोमिका, पूनम, शिवानी, आर्यन, सीमा, नितिन और विजय मल्ला ने विभिन्न भूमिकाएं निभाकर प्रभावशाली अभिनय प्रस्तुत किया।

अंतर-ग्राम टी-10 क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ

जम्मू, 06 जुलाई (हि.स.)। भारतीय सेना ने अखनूर के जौरियां क्षेत्र में अंतर-ग्राम टी-10 क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। इस आयोजन का उद्देश्य खेल भावना को बढ़ावा देना, युवाओं की खेलों में भागीदारी बढ़ाना तथा सेना और स्थानीय समुदाय के बीच आपसी विश्वास एवं सहयोग को और मजबूत करना है। टूर्नामेंट में विभिन्न गांवों की टीमों को अपनी खेल प्रतिभा, टीम भावना और प्रतिस्पर्धात्मक कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर मिल रहा है। प्रतियोगिता के माध्यम से युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने और उनकी ऊर्जा को रचनात्मक दिशा देने का प्रयास किया जा रहा सेना ने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता का माध्यम नहीं बल्कि अनुशासन, एकता, टीमवर्क और आपसी सम्मान जैसे मूल्यों को विकसित करने का प्रभावी साधन भी हैं। यह टूर्नामेंट स्थानीय युवाओं के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देने के साथ-साथ सामाजिक सौहार्द और सामुदायिक एकजुटता को भी मजबूत करेगा। सेना की ओर से आयोजित इस पहल का खिलाड़ियों और स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया। बड़ी संख्या में दर्शकों ने मैचों का आनंद लिया और प्रतिभागी टीमों का उत्साहवर्धन किया।

भारतीय सेना ने सभी भाग लेने वाली टीमों को सफल एवं यादगार टूर्नामेंट के लिए शुभकामनाएं देते हुए खिलाड़ियों से प्रत्येक मैच में खेल भावना, अनुशासन और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का परिचय देने का आह्वान किया।

यात्रियों के लिए भंडारा पांचवें दिन भी जारी

जम्मू, 06 जुलाई (हि.स.)। श्री अमरनाथ जी यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा के उद्देश्य से अखिल भारतीय धर्म प्रचार सेवा समिति द्वारा जम्मू रेलवे स्टेशन पर 2 जुलाई से शुरू किया गया विशाल भंडारा रविवार को पांचवें दिन भी श्रद्धा और उत्साह के साथ जारी रहा। समिति की ओर से आयोजित यह अमरनाथ यात्रियों के लिए दसवां सेवा भंडारा है जिसमें प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। हर दिन की तरह संतों की उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चार और भगवान के जयघोष के साथ भोग अर्पित कर भंडारे का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, झारखंड, बिहार, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र सहित देश के विभिन्न राज्यों से आए अमरनाथ यात्रियों ने प्रसाद ग्रहण किया। रविवार के भंडारे का शुभारंभ परमेश्वरानंद जी महाराज ने अखिल भारतीय धर्म प्रचार सेवा समिति के राष्ट्रीय संयोजक सुनील शर्मा की उपस्थिति में किया।